सूची पत्र : 2019

सत्साहित्य के प्रणेता, प्रकाशक और प्रसारक

सस्ता साहित्य मण्डल प्रकाशन

एन-77, पहली मंजिल, कनॉट सर्कस, नई दिल्ली-110001
फोन : 011-23310505, 41523565; टेलीफैक्स : 011-41523565
Visit us at : www.sastasahityamandal.org
E-mail : sastasahityamandal@gmail.com

शाखा : कमला सदन, पटना साइंस कॉलेज के सामने, अशोक राजपथ, पटना-800 006 (बिहार)
फोन : 0612-2678025
E-mail : patnasastasahityamandal@gmail.com

मण्डल : एक परिचय

सस्ता साहित्य मण्डल सन् 1860 के सोसाइटीज रजिस्ट्रेशन एक्ट के अंतर्गत एक रजिस्टर्ड संस्था है। इसकी स्थापना सन् 1925 में उत्तम साहित्य को सस्ते मूल्य में प्रकाशित करने के उद्देश्य से महात्मा गांधी के आशीर्वाद तथा श्री जमनालाल बजाज और घनश्याम दास बिड़ला की प्रेरणा एवं सहयोग से हुई थी।

अपनी स्थापना से लेकर अब तक के वर्षों में '**मण्डल**' ने विविध विषयों की लगभग ढाई हज़ार पुस्तकें प्रकाशित की हैं, जिनमें से आज अधिकतर प्राप्य हैं।

इसके सम्मानित लेखकों में युगपुरुष महात्मा गांधी, पं. जवाहरलाल नेहरू, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, आचार्य विनोबा भावे, सर्वश्री चक्रवर्ती राजगोपालाचार्य, काकासाहब कालेलकर, गणेश वासुदेव मावलंकर, किशोरलाल घ. मशरूवाला, घनश्यामदास बिड़ला आदि राजनेता, चिंतक तथा समाजसेवी; हरिभाऊ उपाध्याय, वियोगी हरि, वासुदेवशरण अग्रवाल, इंद्र विद्यावाचस्पति, रवींद्रनाथ टैगोर, प्रेमचंद, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, डॉ. श्यामसुंदर दास, मनोज बसु, रामवृक्ष बेनीपुरी, अज्ञेय, विष्णु प्रभाकर, इंद्रचंद्र शास्त्री, ना. दु. व्यास, श्रीमन्नारायण, रस्किन बॉण्ड, गिरिराज किशोर, भगवान सिंह, राधावल्लभ त्रिपाठी, पद्मा सचदेव, राजी सेठ, रमेशचंद्र शाह, डॉ. भरत सिंह उपाध्याय, डॉ. देवराज, प्रो. नंदकिशोर आचार्य आदि प्रभृति साहित्यकार तथा महर्षि टॉल्सटॉय, ख़लील जिब्रान, स्टीफन ज़्विग, तुर्गनेव, हेरियट बीचर स्टो, क्रोपाटकिन आदि विदेशी लेखक हैं।

'**मण्डल**' के प्रकाशनों की विशेषता यह है कि उन्हें परिवार का कोई भी सदस्य निःसंकोच पढ़ सकता है। वे जहाँ सुरुचिपूर्ण तथा सुपाठ्य हैं, वहीं ज्ञानवर्द्धक और प्रेरणादायक भी हैं।

आत्म-कथा, जीवनी, यात्रा, उपन्यास, संस्मरण आदि साहित्य बड़ा लोकप्रिय हुआ है, साथ ही विभिन्न मालाओं की पुस्तकें पाने के लिए तो पाठक सदा लालायित रहते हैं।

'**मण्डल**' की पुस्तकें सामग्री की दृष्टि से उपयोगी, छपाई की दृष्टि से उत्तम, आवरण की दृष्टि से सुरुचिपूर्ण तथा मूल्य की दृष्टि से अपेक्षाकृत सस्ती हैं।

उनसे अपने घर में एक छोटा-सा पुस्तकालय बनाया जा सकता है।

—सचिव

निवेदन

'**सस्ता साहित्य मण्डल**' के प्रकाशनों का सूची-पत्र आपके हाथ में है। इसे देखकर आपको पता चलेगा कि '**मण्डल**' का उद्देश्य क्या है और उस उद्देश्य की पूर्ति के लिए उसने किन-किन विषयों की, कैसी-कैसी और किन-किन लेखकों की पुस्तकें निकाली हैं। इतना हम कह सकते हैं कि '**मण्डल**' द्वारा प्रकाशित सभी पुस्तकें ऐसी हैं, जिन्हें जो भी पढ़ेगा, वह लाभान्वित हुए बिना नहीं रहेगा। हम यह भी कहना चाहते हैं कि अपनी पुस्तकों की गुणवत्ता तथा प्रामाणिकता के कारण इस संस्था ने राष्ट्रीय जीवन में अपना विशेष स्थान बनाया है।

आपसे अनुरोध है कि '**मण्डल**' की इन लोकोपयोगी पुस्तकों के व्यापक प्रसार में भरपूर सहयोग देने की कृपा करें। आपका आदेश मिलते ही हम उसकी आपूर्ति कर देंगे।

—सचिव

पुस्तकें मँगाने के नियम

1. क्रयादेश में अपना, गाँव, डाकखाना, जिला, राज्य तथा पिन कोड आदि देवनागरी या अंग्रेजी में साफ अक्षरों में लिखिए।
2. ज्यादा वजन की पुस्तकें डाक की बजाय रेल-पार्सल या ट्रांसपोर्ट से मँगाना अधिक लाभदायक है।
3. रेल-पार्सल से पुस्तकें मँगानी हों तो उसका उल्लेख स्पष्ट रूप से करें।
4. यदि पुस्तकें ट्रांसपोर्ट द्वारा मँगानी हों तो ट्रांसपोर्ट कंपनी का नाम व पूरा पता साफ-साफ लिखें।
5. **पुस्तकें वी.पी. से भेजना बंद कर दिया गया है। पुस्तकों की कीमत के साथ प्रति पैकेट 17 रु. + (10 रु. प्रति किलो, अधिकतम 5 किग्रा. प्रति पैकेट) के हिसाब से मिलाकर भेजें। पुस्तकें रजिस्टर्ड बुक पोस्ट से भिजवा दी जाएँगी।**
6. इसके पूर्व के सूची-पत्रों के मूल्य रद्द समझे जाएँ।
7. किसी भी प्रकार के विवाद की दशा में दिल्ली ही न्याय-क्षेत्र मान्य होगा।

सस्ता साहित्य मण्डल प्रकाशन

एन-77, पहली मंजिल, कनॉट सर्कस, नई दिल्ली-110001

फोन : 011-23310505, 41523565; टेलीफैक्स : 011-41523565

Visit us at : www.sastasahityamandal.org

E-mail : sastasahityamandal@gmail.com

शाखा : कमला सदन, पटना साइंस कॉलेज के सामने, अशोक राजपथ, पटना-800 006 (बिहार)

फोन : 0612-2678025

E-mail : patnasastasahityamandal@gmail.com

मंगल-कामनाएँ

अच्छा साहित्य एक स्वस्थ मस्तिष्क के लिए आवश्यक खुराक होता है। ऐसे साहित्य को हमारे देश के लोगों तक पहुँचाने की दिशा में 'सस्ता साहित्य मण्डल' ने सराहनीय प्रयास किया है।

—शंकर दयाल शर्मा

(पूर्व राष्ट्रपति)

'सस्ता साहित्य मण्डल' ने हिंदी साहित्य-जगत् की अनथक सेवा की है। मुझे विश्वास है कि सत्साहित्य के प्रकाशन में 'मण्डल' चिर-समर्पित रहेगा।

—आर. वैंकटरामन

(पूर्व राष्ट्रपति)

कई वर्षों से 'मण्डल' सौहार्द, न्याय तथा अहिंसा जैसे मूल्यों का हितसाधन कर रहा है। ये वे सिद्धांत हैं, जो महात्मा गांधी को प्रिय थे।

—पी. वी. नरसिंह राव

(पूर्व प्रधानमंत्री)

अपनी स्थापना से अब तक के वर्षों में 'मण्डल' ने हिंदी-जगत् की महत्त्वपूर्ण सेवा की है। इसने उच्च कोटि के साहित्य को बहुत सस्ते दामों में प्रकाशित करके न केवल हिंदी-साहित्य को ही समृद्ध किया है, अपितु राष्ट्र के पुनरुत्थान तथा नव-निर्माण में भी महान योगदान दिया है।

—कृष्णचंद्र पंत

(पूर्व केंद्रीय मंत्री)

'सस्ता साहित्य मण्डल' एक युग से इस देश को संस्कार देनेवाला साहित्य प्रकाशित करता आ रहा है। स्वाधीनता संग्राम के समय गांधीजी से लेकर सभी प्रमुख राष्ट्रनेता, चिंतक और विद्वान इससे जुड़े हुए थे। हिंदी में उनका साहित्य 'मण्डल' से ही प्रकाशित हुआ है। आज भी वह उसी परंपरा का निर्वाह कर रहा है। मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ उसके साथ रही हैं और सदा रहेंगी।

—विष्णु प्रभाकर

शुभकामनाएँ

'सस्ता साहित्य मण्डल' वर्षों से हिंदी-साहित्य की सेवा कर रहा है। अब तक उसने बहुत-सी पुस्तकें निकाली हैं और इन पुस्तकों का मूल्य लागत से ज़्यादा नहीं रखा गया है।

—अबुल कलाम आज़ाद

'सस्ता साहित्य मण्डल' द्वारा की हुई सेवा सबको सुविदित है। इस संस्था ने अच्छी प्रगति की है।

—मोरारजी देसाई

'सस्ता साहित्य मण्डल' पिछले छह दशकों से अच्छा साहित्य सस्ते मूल्य पर जन-साधारण को उपलब्ध कराता आ रहा है। 'मण्डल' द्वारा उच्चकोटि के साहित्य का प्रकाशन महात्मा गांधी के विचारों के अनुरूप है। 'मण्डल' की निरंतर उन्नति और सफलता के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ।

—राजीव गांधी

'सस्ता साहित्य मण्डल' बड़े सुंदर प्रकाशन करता आया है। हिंदी की अच्छी सेवा की है उसने।

—मैथिलीशरण गुप्त

'सस्ता साहित्य मण्डल' की सेवा अनन्य है। उसके विकास में राष्ट्रभाषा का विकास भी हो रहा है।

—क. मा. मुंशी

'सस्ता साहित्य मण्डल' हिंदी-साहित्य के क्षेत्र में उच्च कोटि के हिंदी ग्रंथ कम दामों में सुलभ करके सेवा करने के लिए विख्यात हो चुका है।

—हिंदुस्तान टाइम्स

'सस्ता साहित्य मण्डल' ने अपनी समस्त प्रवृत्तियों से, जिनकी विशेषता एक आदर्श स्थापित करने की है, हिंदी की अमूल्य सेवा की है।

—नेशनल हेराल्ड

आशीर्वाद

'सस्ता साहित्य मण्डल' का प्रयास स्तुत्य है। मैं इस सुंदर, सस्ते और उपयोगी हिंदी-साहित्य के उद्योग का स्वागत करता हूँ।

—मो. क. गांधी

'सस्ता साहित्य मण्डल' ने बहुत अच्छा काम किया है।

—विनोबा भावे

'मण्डल' के काम में मैं आरंभ से ही दिलचस्पी लेता रहा हूँ और उसने हिंदी-साहित्य की जो वृद्धि और सेवा की है, उसका मैं बहुत ही आदर करता हूँ।

—राजेंद्र प्रसाद

'मण्डल' ने हिंदी-साहित्य की अच्छी सेवा की है।

—जवाहरलाल नेहरू

'मण्डल' ने हिंदी में उच्चकोटि की सस्ती पुस्तकें निकालकर हिंदी की बड़ी सेवा की है। सर्वसाधारण को इस संस्था की पुस्तकें लेकर इसकी सहायता करनी चाहिए।

—मदन मोहन मालवीय

'सस्ता साहित्य मण्डल' वर्षों से हिंदी-साहित्य की सेवा कर रहा है। अब तक उसने बहुत-सी पुस्तकें निकाली हैं और इन पुस्तकों का मूल्य लागत से ज़्यादा नहीं रखा गया है।

—लालबहादुर शास्त्री

अपने कार्य-काल में 'मण्डल' ने करीब दो हज़ार किताबें प्रकाशित की हैं। उसने गांधी-साहित्य तो दिया ही है, इसके अलावा यात्रा-साहित्य, कृषि और ग्रामोद्योगी साहित्य आदि भी दिया है। अपने नाम के अनुरूप 'मण्डल' सारा साहित्य सस्ते मूल्य में देता है। हिंदी-जगत् की यह व्यापक सेवा अत्यंत महत्त्व की है।

—काकासाहब कालेलकर

एक पुरानी कहावत है कि दान में विद्या-दान उत्तम है और सस्ते दामों पर उपयोगी पुस्तकें प्रकाशित करना विद्या-दान का एक रूप है। इसी ध्येय से 'सस्ता साहित्य मण्डल' की स्थापना हुई थी। इस संस्था का, अपने अब तक के सेवा-काल में, हिंदी के प्रसार में बहुत बड़ा योगदान तो है ही, साथ ही इसने हिंदी जनमानस को व्यापक दृष्टि भी दी है।

—इंदिरा गांधी

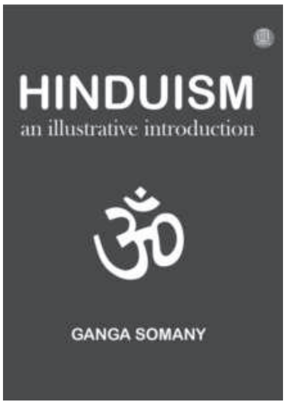

HINDUISM—an illustrative introduction
by: Ganga Somany
Rs. 299.00 (P.B.)

Hinduism by Ganga Somany is an illustrative introduction to this great religious tradition. With an initial attempt to define Hinduism, it goes on to encapsulate many aspects of the religion which originated in the hoary and mythical past.

सस्ता साहित्य मण्डल प्रकाशन
एवं
जवाहर लाल नेहरू स्मारक निधि
का अद्भुत संयुक्त प्रकाशन

जवाहर लाल नेहरू वाड्मय
(वृहद् 11 खंडों में प्रकाशित)
कुल पृष्ठ संख्या 6700
कीमत 10,000 रुपए
लाइब्रेरी, स्कूलों, कॉलेजों के लिए विशेष संग्रहणीय

अनुक्रम

रवींद्रनाथ टैगोर रचनावली **06**

संयुक्त प्रकाशन **08**

2018-19 के महत्त्वपूर्ण प्रकाशन **09**

2017-18 के महत्त्वपूर्ण प्रकाशन **11**

2016-17 के महत्त्वपूर्ण प्रकाशन **14**

2015-16 के महत्त्वपूर्ण प्रकाशन **16**

लियो टॉल्सटॉय एवं रस्किन बॉण्ड की प्रसिद्ध रचनाएँ **19**

हमारे प्रमुख प्रकाशन

इतिहास, संस्कृति और राजनीति 20

आत्मकथा और जीवनी 20

संस्मरण, रेखाचित्र एवं डायरी 21

कहानी साहित्य/ संचयन 22

उपन्यास साहित्य 23

समाज और संस्कृति 24

धर्म, अध्यात्म और दर्शन 24

नीति, आचार एवं शिक्षा 26

निबंध, व्यंग्य, आलोचना एवं साक्षात्कार 27

नाटक, एकांकी एवं यात्रा-साहित्य 28

कविता संग्रह/ शायरी 29

दलित एवं स्त्री साहित्य/कोश 29

विज्ञापन 29

सूचना का अधिकार 29

विश्वकोश 29

पुस्तक माला सीरिज

सांस्कृतिक कथा माला 29

नैतिक शिक्षा पुस्तक माला 30

जीवन कल्याण पुस्तक माला 30

नवोदय साहित्य माला 30

गांधी आख्यान माला 30

लोक-कथा माला 30

देश-देश की लोककथाएँ 30

संस्कार साहित्य माला 31

धर्म कथा भारती 31

महाभारत पात्र माला 31

समाज विकास माला 31

संस्कृत साहित्य सौरभ 31

विश्व क्लासिकी

खलील जिब्रान साहित्य 31

टॉल्सटॉय साहित्य 31

विश्व साहित्य 32

अन्य साहित्य

वन्य जीवों का अनोखा संसार 32

ज्ञान-विज्ञान पुस्तक माला 32

कृषि, सहकारिता, ग्रामोद्योग तथा सामुदायिक विकास 32

स्वास्थ्य और प्राकृतिक चिकित्सा 32

बाल एवं किशोर साहित्य 33

सुबोध साहित्य माला 34

सचित्र बाल साहित्य 35

गिजुभाई की कहानियाँ 35

बालोपयोगी शिक्षाप्रद पुस्तकें 37

विज्ञान साहित्य माला 37

विज्ञान प्रसार के साथ संयुक्त प्रकाशित पुस्तकें 38

प्रकाशन विभाग के साथ संयुक्त प्रकाशित पुस्तकें 38

पुस्तकालय संस्करण 38

गांधी साहित्य 43

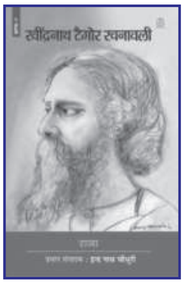

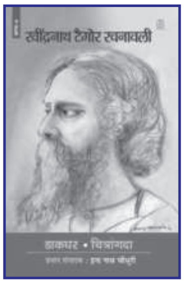

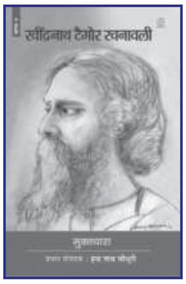

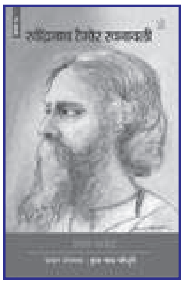

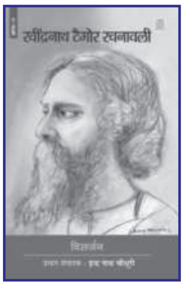

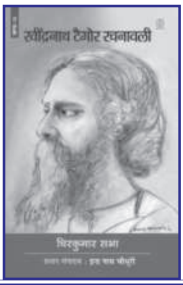

रवींद्रनाथ टैगोर रचनावली (50 खंडों का सेट 4115 रुपए में)

प्रधान संपादक: इन्द्र नाथ चौधुरी

संपादक-मण्डल : विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, रामकुमार मुखोपाध्याय, प्रयाग शुक्ल, कृष्णदत्त पालीवाल

कविता

कविता (भाग-1)
कार्यकारी संपादक : **रामेश्वर मिश्र**
Rs. 130.00 (P.B.)

कविता (भाग-2)
कार्यकारी संपादक : **रामेश्वर मिश्र**
Rs. 75.00 (P.B.)

कविता (भाग-3)
कार्यकारी संपादक : **रामेश्वर मिश्र**
Rs. 100.00 (P.B.)

गीत

गीत (भाग-1)
अनुवाद : **प्रयाग शुक्ल**
Rs. 60.00 (P.B.)

गीत (भाग-2)
अनुवाद : **प्रयाग शुक्ल**
Rs. 60.00 (P.B.)

नाटक

ताश का देश
अनुवाद : **रणजीत साहा**
Rs. 60.00 (P.B.)

राजा
अनुवाद : **सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'**
Rs. 60.00 (P.B.)

डाकघर • चित्रांगदा
अनुवाद : **प्रफुल्लचंद्र ओझा 'मुक्त'; हंसकुमार तिवारी**
Rs. 60.00 (P.B.)

मुक्तधारा
अनुवाद : **भारतभूषण अग्रवाल**
Rs. 60.00 (P.B.)

लाल कनेर
अनुवाद : **आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी**
Rs. 60.00 (P.B.)

विसर्जन
अनुवाद : **प्रफुल्लचंद्र ओझा 'मुक्त'**
Rs. 60.00 (P.B.)

तपती
अनुवाद : **धन्यकुमार जैन**
Rs. 60.00 (P.B.)

चिरकुमार सभा
अनुवाद : **भारतभूषण अग्रवाल**
Rs. 90.00 (P.B.)

बाँसुरी • काल की यात्रा • कर्ण-कुंती संवाद
अनुवाद : **धन्यकुमार जैन/ श्यामसुंदर खत्री**
Rs. 60.00 (P.B.)

बैकुंठ का पोथा • स्वर्गीय प्रहसन
अनुवाद : **धन्यकुमार जैन**
Rs. 60.00 (P.B.)

उपन्यास

आँख की किरकिरी
अनुवाद : **हंसकुमार तिवारी**
Rs. 130.00 (P.B.)

नौका डूबी
अनुवाद : **रणजीत साहा**
Rs. 120.00 (P.B.)

गोरा
अनुवाद : **स.ही. वात्स्यायन 'अज्ञेय'**
Rs. 170.00 (P.B.)

घर और बाहर
Rs. 90.00 (P.B.)

योगायोग
अनुवाद : **इलाचंद्र जोशी**
Rs. 130.00 (P.B.)

आखिरी कविता
अनुवाद : **धन्यकुमार जैन**
Rs. 60.00 (P.B.)

वह
अनुवाद : **धन्यकुमार जैन**
Rs. 60.00 (P.B.)

राजर्षि
अनुवाद : **धन्यकुमार जैन**
Rs. 60.00 (P.B.)

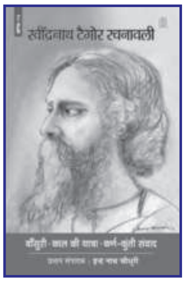

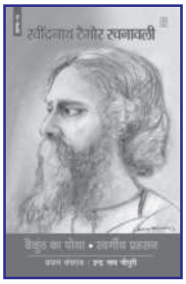

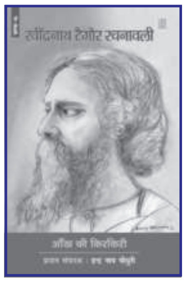

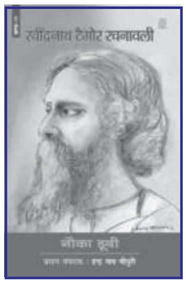

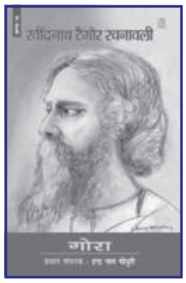

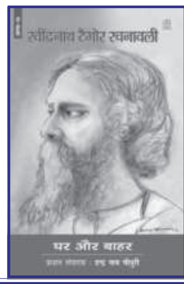

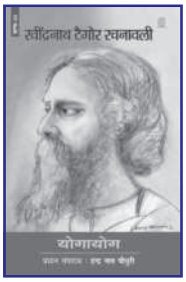

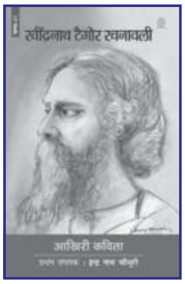

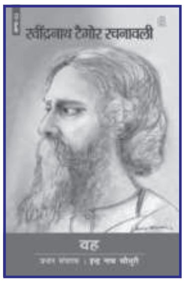

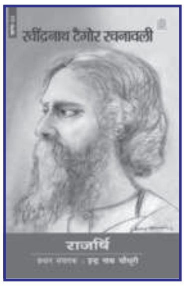

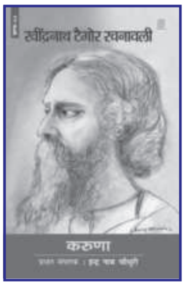

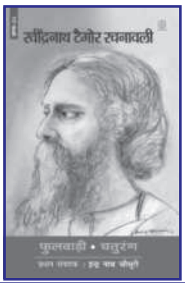

करुणा
अनुवाद : **रणजीत साहा**
Rs. 60.00 (P.B.)

फुलवाड़ी • चतुरंग
अनुवाद : **मोहनलाल वाजपेयी, धन्यकुमार जैन**
Rs. 75.00 (P.B.)

ठकुरानी बहू का बाजार
अनुवाद : **कालीप्रसाद शुक्ल 'सुरेंद्र'**
Rs. 60.00 (P.B.)

एला दीदी
Rs. 60.00 (P.B.)

दो बहन
अनुवाद : **धन्यकुमार जैन**
Rs. 60.00 (P.B.)

कहानी

काबुलीवाला तथा अन्य कहानियाँ
अनुवाद : **रामसिंह तोमर**
Rs. 130.00 (P.B.)

दृष्टिदान तथा अन्य कहानियाँ
अनुवाद : **रामसिंह तोमर**
Rs. 90.00 (P.B.)

कंकाल तथा अन्य कहानियाँ
अनुवाद : **कणिका तोमर**
Rs. 110.00 (P.B.)

लेबोरेटरी तथा अन्य कहानियाँ
अनुवाद : **कणिका तोमर**
Rs. 75.00 (P.B.)

निबंध

भारतवर्ष में इतिहास की धारा तथा अन्य निबंध
Rs. 90.00 (P.B.)

काव्य की उपेक्षिताएँ तथा अन्य निबंध
Rs. 75.00 (P.B.)

साहित्य में आधुनिकता तथा अन्य निबंध
Rs. 75.00 (P.B.)

महापुरुष और यात्रा साहित्य
Rs. 75.00 (P.B.)

शिक्षा का विस्तार तथा अन्य निबंध
Rs. 100.00 (P.B.)

तपोवन तथा अन्य निबंध
Rs. 75.00 (P.B.)

राष्ट्रवाद
अनुवाद : **सौमित्र मोहन**
Rs. 60.00 (P.B.)

विश्व-परिचय
अनुवाद : **आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी**
Rs. 60.00 (P.B.)

पत्र

छिन्न पत्रावली (भाग-1)
अनुवाद : **रामशंकर द्विवेदी**
Rs. 90.00 (P.B.)

छिन्न पत्रावली (भाग-2)
अनुवाद : **रामशंकर द्विवेदी**
Rs. 90.00 (P.B.)

बाल साहित्य

बाल साहित्य
अनुवाद : **युगजीत नवलपुरी**
Rs. 120.00 (P.B.)

आत्मकथा

मेरी आत्मकथा
Rs. 130.00 (P.B.)

मेरा बचपन
अनुवाद : **आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी**
Rs. 60.00 (P.B.)

प्रवचन

शांतिनिकेतन (भाग-1)
अनुवाद : **रामशंकर द्विवेदी**
Rs. 90.00 (P.B.)

शांतिनिकेतन (भाग-2)
अनुवाद : **रामशंकर द्विवेदी**
Rs. 90.00 (P.B.)

शांतिनिकेतन (भाग-3)
अनुवाद : **रामशंकर द्विवेदी**
Rs. 90.00 (P.B.)

शांतिनिकेतन (भाग-4)
अनुवाद : **रामशंकर द्विवेदी**
Rs. 90.00 (P.B.)

साधना
अनुवाद : **सत्यकाम विद्यालंकार**
Rs. 60.00 (P.B.)

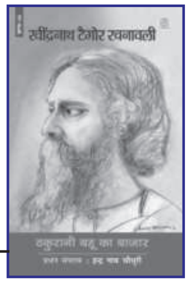

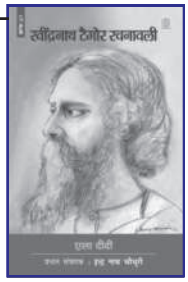

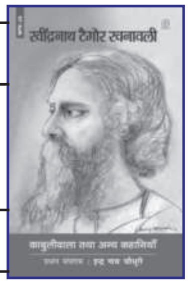

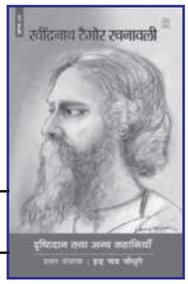

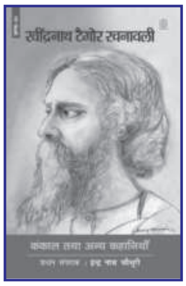

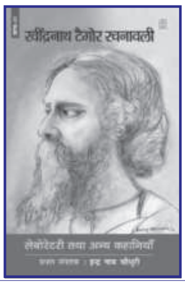

2019-20 के महत्त्वपूर्ण प्रकाशन

कथा-सप्तक : रूस की लोककथाएँ
ले. : हेमचन्द्र पाँडे

Rs. 195.00 (P.B.)

कथा-सप्तक : रूस की लोक कथाएँ' भारत में प्रकाशित रूस की लोक कथाओं का अपने ढंग का पहला संग्रह है। इसमें कुल सात लोक-कथाएँ संकलित की गई हैं। लोक कथाओं का चयन भारतीय पाठकों की रुचि, विशेषकर बच्चों की रुचि, को ध्यान में रखकर किया गया है। आशा है कि पाठकों को रूस की ये सात लोक कथाएँ पसंद आएँगी और उनकी कल्पना को विस्तार मिलेगा।

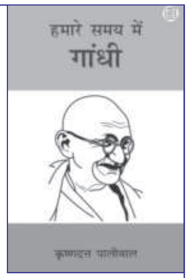

हमारे समय में गांधी
ले. : कृष्णदत्त पालीवाल

Rs. 160.00 (P.B.); 325.00 (H.B.)

इस पुस्तक में प्रो. कृष्णदत्त पालीवाल द्वारा समय-समय पर लिखे गए गांधी संबंधी लेखों को संकलित किया गया है। समकालीनों और उत्तरवर्तियों के बीच गांधी से सहमति-असहमति के कुछेक अति महत्वपूर्ण पक्षों का विवेचन-विश्लेषण करते इन निबंधों में आज के पाठकों के लिए मूल्यवान सामग्री उपलब्ध है जो विशेष रूप से इस तथ्य को उजागर करती है कि गांधी से जुड़ने का मतलब है भारतीय संत-परंपरा से जुड़ना।

बापू के आश्रम में
ले. : हरिभाऊ उपाध्याय

Rs. 100.00 (P.B.)

बापू तो चले गए, लेकिन उनके विचार, जीवन-चरित्र व जीवन-संस्मरण विरासत के रूप में हमारे लिए बाकी रह गए। विचारों की तो वे सदैव वृष्टि करते रहे—उनके लेख, पत्र, व्याख्यानों के टिप्पण प्रायः सब सुरक्षित हैं। जो घटनाएँ यहाँ प्रस्तुत की गई हैं वे कोई-न-कोई विशेषता, शिक्षा, उद्बोधन लिए हुए हैं। बापू के ये पुण्य-स्मरण हमारे जीवन को पवित्र व आशामय बनावें।

देस सेवकों के संस्मरण
ले. : विष्णु प्रभाकर

Rs. 120.00 (P.B.)

इस पुस्तक में केवल दिवंगतों में से ही कुछ चुने हुए संस्मरण लिए गए हैं। इन संस्मरणों को पढ़कर पाठकों को बहुत-से देश-सेवकों का परिचय मिलेगा, वह भी ऐसे महापुरुष की कलम से, जिसके स्वयं के जीवन का प्रत्येक क्षण सेवा में ही व्यतीत हुआ था। वैसे तो इस पुस्तक को जो भी पढ़ेगा, उसी को लाभ होगा, लेकिन युवकों के लिए तो यह बहुत ही उपयोगी है।

बा, बापू और भाई
ले. : देवदास गांधी

Rs. 50.00 (P.B.)

'बा' के नाम का लेख 28 फरवरी 1944 या उसके आस-पास की तारीखों के समाचार-पत्रों में छपा था। 'बापू' नामक लेख 5 फरवरी 1948 को ऑल इंडिया रेडियो, दिल्ली से प्रसारित हुआ था। तीसरा लेख भाई के विषय में 22 जुलाई 1948 या उसके आस-पास की तारीखों के समाचार-पत्रों में छपा था। उसमें भाई के नाम 'बा' के जिस खुले पत्र का उल्लेख है, उसे भी परिशिष्ट में दे दिया गया है।

गांधी जी और उनके सपने
ले. : वियोगी हरि

Rs. 50.00 (P.B.)

प्रस्तुत पुस्तिका में सन् 1965 में दिया गया व्याख्यान संगृहीत किया गया है। श्री वियोगी ने गांधी-विचार-धारा का न सिर्फ अध्ययन किया है, बल्कि उसे अमली जामा पहनाने का भी प्रयत्न किया है। इस व्याख्यान माला में उन्होंने गांधीजी के व्यक्तित्व पर जहाँ प्रकाश डाला है, वहाँ उनकी विचार-धारा का नम्रतापूर्वक विवेचन भी किया है।

पत्तों का चिड़ियाघर
ले. : अरविंद गुप्ता

Rs. 60.00 (P.B.)

बच्चों को तरह-तरह के पशु-पक्षियों की आकृतियाँ बनाने का सुझाव देकर बच्चों में कलाकारी का शौक जगाया जा सकता है। बच्चे आस-पास की वनस्पतियों और जीवधारियों को ध्यान से देखें, उनकी आकृतियाँ पहचानें और तरह-तरह के पत्तों को कागज पर रखते-चिपकाते हुए अपनी कल्पना का इस्तेमाल करें कि कौन-सा पत्ता चेहरे या मुँह, पेट या पीठ या आँखें बनाने में इस्तेमाल किया जा सकता है।

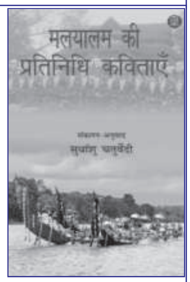

मलयालम की प्रसिद्ध कविताएँ
ले. : सुधांशु चतुर्वेदी

Rs. 170.00 (P.B.); 300.00 (H.B.)

प्रस्तुत पुस्तक हिंदी प्रेमियों के लिए एक उपलब्धि है। इसमें आधुनिक मलयालम कवियों (नवजागरण काल से लेकर समकालीन कविता तक) की चयनित कविताओं का अनुवाद संग्रहीत है। कुमारन आशान से लेकर के. सच्चिदानंदन तक मलयालम काव्य-यात्रा के विभिन्न पड़ावों को उद्घाटित करती ये कविताएँ भारतीय समाज और राजनीति का सांस्कृतिक इतिहास प्रस्तुत करती हैं।

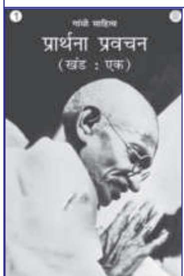

प्रार्थना प्रवचन (भाग-1)
महात्मा गांधी के प्रवचन

Rs. 250.00 (P.B.); 400.00 (H.B.)

इस पुस्तक में दिल्ली की प्रार्थना-सभाओं में, 1 अप्रैल 1947 से 26 अक्तूबर 1947 तक, दिए गए प्रवचनों का संग्रह किया गया है। गांधीजी के ये अंतिम उद्गार हैं और जिन समस्याओं पर प्रकट किए गए हैं, उनमें बहुत-सी आज भी मौजूद हैं। इन प्रवचनों में गांधीजी ने संक्षेप में सर्वसाधारण के समझने-योग्य भाषा में बहुत काम की बातें कही हैं। इनकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि बापूजी की भाषा में कहीं भी आवेश नहीं है।

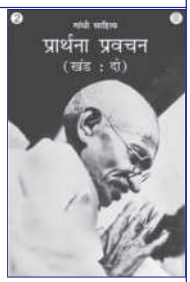

प्रार्थना प्रवचन (भाग-2)
महात्मा गांधी के प्रवचन

Rs. 200.00 (P.B.); 350.00 (H.B.)

इस पुस्तक में दिल्ली की प्रार्थना-सभाओं में, 27 अक्तूबर, 1947 से 29 जनवरी, 1948 तक दिए गए प्रवचनों का संग्रह किया गया है। गांधीजी के ये अंतिम उद्गार हैं और जिन समस्याओं पर प्रकट किए गए हैं, उनमें बहुत-सी आज भी मौजूद हैं। इन प्रवचनों में गांधीजी ने संक्षेप में सर्वसाधारण के समझने-योग्य भाषा में बहुत काम की बातें कही हैं। इनकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि बापूजी की भाषा में कहीं भी आवेश नहीं है।

2019-20 के महत्त्वपूर्ण प्रकाशन

अहिंसा और क्षमा

सं. : यशपाल जैन

Rs. 45.00 (P.B.)

प्रस्तुत पुस्तक बताती है कि युग-पुरुष महात्मा गांधी ने किस प्रकार अपने जीवन को ढाला और उसकी गुणवत्ता को विकसित किया। उनका यह कहना नितांत सत्य था—''मेरा जीवन ही मेरा दर्शन है।'' अहिंसा के विषय में गांधी जी ने लिखा है कि वह सत्य-रूपी साध्य को पाने का साधन है। वस्तुत: अहिंसा मानव-जीवन के लिए उतनी ही अनिवार्य है, जितना जीने के लिए श्वांस। क्षमा उसी की पर्याय है।

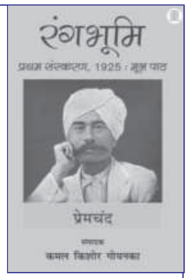

रंगभूमि

ले. : प्रेमचंद **सं. :** कमल किशोर गोयनका

Rs. 400.00 (P.B.); 700.00 (H.B.)

पहले यह उपन्यास उर्दू में ''चौगाने हस्ती'' शीर्षक से लिखा गया था। फिर छह महीने लगाकर उसका हिंदी अनुवाद अगस्त 1924 तक पूरा हुआ और 1 फरवरी 1925 को यह लखनऊ से छप कर पाठकों के हाथ में आ गया। 1925 से अब तक आए इसके अनेकानेक संस्करणों की मुद्रण प्रक्रिया में 'रंगभूमि' के पाठ में अनेक त्रुटियाँ आई होंगी। ऐसे समय में प्रथम संस्करण का मूलपाठ पुन: आना पाठकों की विशेष उपलब्धि है।

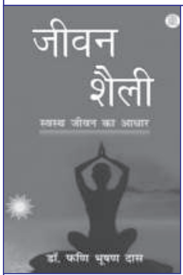

जीवन शैली

ले. : डॉ. फणि भूषण दास

Rs. 250.00 (P.B.); 400.00 (H.B.)

स्वस्थ दीर्घायु जीवन एक अनुपम वरदान है जिसे पाने में हमारी जीवन शैली की बड़ी भूमिका होती है। समय रहते सही जीवन शैली अपनाने से व्यक्ति इस दिशा में सफल हो सकता है। स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता को किस तरह व्यवस्थित एवं संतुलित रखते हुए स्वस्थ जीवन जिया जा सकता है इस संबंध में चर्चा के साथ-साथ इस पुस्तक में आज के समय में होने वाले रोगों के विषय में भी विस्तार से बताया गया है।

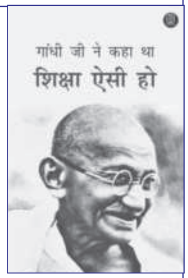

गांधी जी ने कहा था : शिक्षा ऐसी हो

ले. : गांधी जी

Rs. 50.00 (P.B.)

किसी भी राष्ट्र के निर्माण में शिक्षा का महत्वपूर्ण योग होता है। उसी के द्वारा योग्य नागरिक तैयार होते हैं, जो देश की बुनियाद को पक्का करते हैं। इसी दृष्टि से गांधीजी ने शिक्षा की ओर विशेष ध्यान दिया। उन्होंने बताया कि हमारी शिक्षा किस प्रकार की होनी चाहिए, उसका वास्तविक ध्येय क्या होना चाहिए तथा शिक्षकों में किन गुणों का होना आवश्यक है, आदि-आदि।

ग्राम-सेवा

ले. : महात्मा गांधी

Rs. 50.00 (P.B.)

भारत गाँवों में बसता है, इसलिए बिना गाँवों को उन्नत किए देश का उठना असंभव है। प्रस्तुत पुस्तक में गांधीजी ने बताया है कि गाँवों की समस्याएँ क्या हैं और उन्हें किस प्रकार हल किया जा सकता है। उन्होंने नगर के कार्यकर्ताओं से अपेक्षा रखी है कि वे गाँवों में जाएँ और वहाँ के निवासियों की भाँति अपना रहन-सहन रखकर उनके बीच काम करें।

कोना-कोना स्वच्छ रखें

सं. : कमल वर्मा

Rs. 70.00 (P.B.)

प्रस्तुत पुस्तक

पर्यावरण, स्वच्छता और गांधी

ले. : विवेकानंद तिवारी

Rs. 100.00 (P.B.)

यह पुस्तक 'पर्यावरण, स्वच्छता और गांधी' हमारी सांस्कृतिक संवेदना से पर्यावरण को संबद्ध करके देखने वाली अनोखी पुस्तक है जो भारतीय परंपरा में प्रकृति से जुड़ाव के माध्यम से पर्यावरण के महत्व को रेखांकित करती है। भारतीय जीवन और साहित्य परंपरा में प्रकृति और मनुष्य के बीच संबंध साहचर्य पर आधारित रहे हैं।

मुरझाई कलियाँ

ले. : सुरेंद्र कुमार शर्मा

Rs. 100.00 (P.B.)

आर्थिक विपन्नता के कारण कच्ची उम्र में बच्चों को अमानुषिक अनुभवों से गुजरना पड़ता है तो दूसरी ओर संपन्न जगत की विकास की दौड़ में कई बार बच्चे उपेक्षा का शिकार हो अमानवीय अनुभवों से गुजरते हैं। दोनों ही परिस्थितियों में किशोरावस्था में वे रास्ते से भटक जाते हैं और ऐसे अपराध कर बैठते हैं कि उन्हें बाल सुधार गृह में पहुँचना। यह पुस्तक इस विषय पर केंद्रित है।

हिंदी आलोचना का उत्तर-आधुनिक विमर्श

ले. : कृष्णदत्त पालीवाल

Rs. 250.00 (P.B.); 400.00 (H.B.)

प्रोफेसर कृष्णदत्त पालीवाल भारतीय साहित्य-परंपरा और पश्चिमी साहित्य-दृष्टियों से लगातार संवादरत रहे। *हिंदी आलोचना का उत्तर-आधुनिक विमर्श* नामक इस पुस्तक में उन्होंने उत्तर-आधुनिकतावाद, उत्तर-संरचनावाद से जुड़ी 'उपद्रवी-उत्तेजक' बहसों को केंद्र में रखते हुए हिंदी आलोचना में इन प्रवृत्तियों के दखल से जन्मी स्थितियों-परिस्थितियों का परिदृश्य प्रस्तुत किया है।

हिंदी विश्वकोश (खंड-3) : विज्ञान

प्रधान संपादक :इन्द्र नाथ चौधुरी

Rs. 4200.00 (H.B.)

विद्यार्थियों और जनसाधारण में वैज्ञानिक रुचि के विस्तार के लिए और विश्वस्तर के वैज्ञानिक बनाने की नींव रखने के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय से संबद्ध केंद्रीय हिंदी संस्थान तथा सस्ता साहित्य मण्डल प्रकाशन ने हिंदी में विज्ञान खंड की महत्वपूर्ण परिकल्पना को स्थान दिया है। आशा है यह खड जन-मानस के बीच लोकप्रिय होगा।

हमारे समय में उपनिषद्

ले. : इला कुमार

Rs. 125.00 (P.B.)

उपनिषद्-विमर्श की यह पुस्तक भारतीय आध्यात्मिकता की लौ को जगाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। आज के समय में भी पुरातनकालीन उपनिषद् ज्ञान-विज्ञान के प्रकाशित तत्वों को किस तरह ज्योतिर्मय पथ पर ले जा सकते हैं-यह यहाँ इसके पन्नों पर दर्ज है। आज के समय में सहज ही चर्चित हो जानेवाले गुणों से वेष्ठित यह पुस्तक स्वयं को औदार्यपूर्वक प्रतिष्ठित करने में पूर्ण सक्षम है।

हमारे संस्कार और संस्कृति

ले. : साने गुरुजी

Rs. 95.00 (P.B.)

हमारे संस्कार और संस्कृति नामक पुस्तक के सामाजिक, बौद्धिक, नैतिक महत्व को देखते हुए 'सस्ता साहित्य मण्डल प्रकाशन' और 'प्रकाशन विभाग', सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त प्रकाशन योजना के अंतर्गत इसे प्रकाशित किया गया है। आज के हिंदी पाठक इससे लाभान्वित होंगे ऐसा हमें पूर्ण विश्वास है।

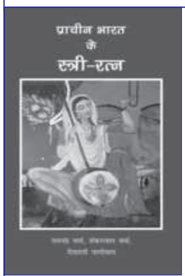

प्राचीन भारत के स्त्री-रत्न

प्र. : रामचंद्र वर्मा, शंकरलाल वर्मा, रीतारानी पालीवाल

Rs. 90.00 (P.B.)

इस पुस्तक में संस्कृत वाङ्मय से लेकर भक्ति आंदोलन तक स्त्री के सामाजिक-सांस्कृतिक योगदान का संक्षिप्त परिचय दिया गया है। प्राचीन भारत के स्त्री चरित्रों के विषय में जानकारी इक्कीसवीं सदी के प्रबुद्ध पाठकों के लिए परंपरा से जीवंत संवाद तो होगी ही, स्त्री विमर्श के मौजूदा समय में उनके स्वतंत्र सोच-समझ और परिप्रेक्ष्य के निर्माण में भी सहायक होगी।

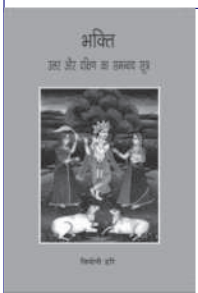

भक्ति : उत्तर और दक्षिण का समन्वय सूत्र
सं. वियोगी हरि
Rs. 100.00 (P.B.)

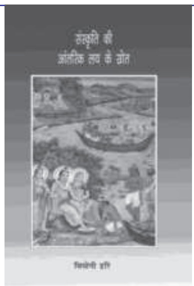

संस्कृति की आंतरिक लय के स्रोत
सं. वियोगी हरि
Rs. 110.00 (P.B.)

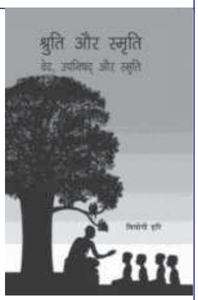

श्रुति और स्मृति
सं. वियोगी हरि
Rs. 95.00 (P.B.)

भारतीय संस्कृति और साहित्य के गहन विचारक और गांधीजी के आदर्शों के साक्षात प्रतिरूप वियोगी हरि द्वारा संपादित इन पुस्तकों का उद्देश्य आधुनिक हिंदी पाठक को भारतीय संस्कृति की अविच्छिन्न परंपरा की समुचित जानकारी देते हुए जागरूक बनाना था। साहित्य, संस्कृति, दर्शन और इतिहास के मूर्धन्य विद्वानों के लेखों से बनी इन पुस्तकों की गुणवत्ता पाठक समाज में निरंतर समादृत रही है।

भास के नाटक
Rs. 70.00 (P.B.)

भवभूति के नाटक
Rs. 50.00 (P.B.)

कालिदास की काव्य-रचनाएँ
Rs. 55.00 (P.B.)

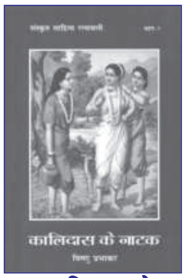

कालिदास के नाटक
Rs. 55.00 (P.B.)

'संस्कृत सौरभ रत्नावली' (भाग-1) में कविकुल शिरोमणि कालिदास के नाटकों का सुंदर एवं सुपाठ्य कथासार हिंदी में प्रस्तुत है। 'संस्कृत सौरभ रत्नावली' (भाग-2) में कविकुल शिरोमणि कालिदास के तीन काव्य-ग्रंथों का सुंदर एवं सुपाठ्य कथासार हिंदी में प्रस्तुत है। 'संस्कृत सौरभ रत्नावली' (भाग-3) में भवभूति के तीन नाटकों का सुंदर एवं सुपाठ्य कथासार हिंदी में प्रस्तुत है। 'संस्कृत सौरभ रत्नावली' (भाग-4) में भास के नाटकों का सुंदर एवं सुपाठ्य कथासार हिंदी में प्रस्तुत है। मूलत: इन कथासारों का संचयन/संपादन हिंदी के सुप्रसिद्ध कथाकार-नाटककार विष्णु प्रभाकर द्वारा किया गया था। अत: वर्तमान स्वरूप में इसे प्रस्तुत करते हुए प्रकाशक युग्म विष्णु प्रभाकर जी का ऋणी है।

आदिकवि और उनकी रामायण

ले. : राधावल्लभ त्रिपाठी

Rs. 95.00 (P.B.)

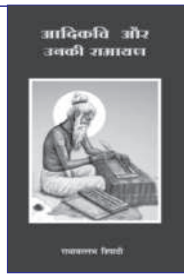

रामायण महाकाव्य में मनुष्य ही अपने गुणों से देवता हो उठा है। मनुष्य के ही चरम आदर्श की स्थापना के लिए भारत के कवि ने महाकाव्य की रचना की है। यह उच्चतम मूल्यों का काव्य है, गृहस्थाश्रम का काव्य है। यह कोरा धर्मशास्त्र नहीं है, काव्य है। यह कोरी रामकथा नहीं है, पूरा भारतवर्ष है। भारत में देवताओं की परंपरा पर तो बहुत लिखा गया है।

आओ पर्यावरण बचाएँ और धरा को स्वर्ग बनाएँ

ले. : स्नेहलता श्रीवास्तव

प्रकाशनाधीन

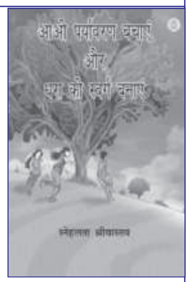

पर्यावरण की रक्षा से ही प्रकृति का संतुलन कायम रखा जा सकेगा। हम कितनी भी प्रगति कर लें—क्षिति, जल, पावक, गगन, समीर की रक्षा के बिना यह संभव न हो सकेगा। लेकिन इस जानकारी के प्रति जागरूकता का अभाव है। विदुषी लेखिका स्नेहलता श्रीवास्तव की यह पुस्तक बच्चों में पर्यावरण संबंधी जागरूकता पैदा करने के प्रयोजन से तैयार की गई है।

केरल की जन-जागृति के अद्भुत गायक: कुमारन आशान

ले. : सुधांशु चतुर्वेदी

Rs. 85.00 (P.B.)

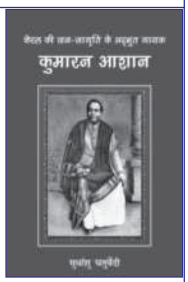

प्रस्तुत पुस्तक कुमारन आशान के जीवन और सामाजिक-साहित्यिक अवदान का संक्षिप्त परिचय प्रदान करती है। कुमारन आशान का रचनाकर्म आधुनिक भारतीय नवजागरण की चेतना से पोर-पोर सिक्त है। यह पुस्तक उनके जीवन और सामाजिक-साहित्यिक अवदान का संक्षिप्त परिचय प्रदान करती

2018-19 के महत्त्वपूर्ण प्रकाशन

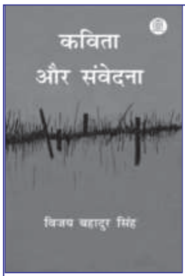

कविता और संवेदना

ले. : विजय बहादुर सिंह

Rs. 200.00 (P.B.); 400.00 (H.B.)

इस पुस्तक में आजादी के आस-पास और उसके बाद के कुछेक प्रमुख कवियों की काव्यानुभूति के स्वरूप और सृजनशीलता की पड़ताल की गई है। कवियों की मानसिकता को सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भों, लोक जीवन और विचारधाराओं के प्रभावों-दबावों और टकराहटों से पनपी जीवन-स्थितियों के परिप्रेक्ष्य में देखते हुए उनकी काव्य-प्रवृत्तियों पर विचार किया गया है।

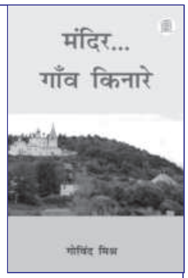

मंदिर... गाँव किनारे

ले. : गोविंद मिश्र

Rs. 120.00 (P.B.); 270.00 (H.B.)

इस पुस्तक में सुप्रसिद्ध कथाकार गोविंद मिश्र की 2012 के बाद लिखी गई कहानियाँ संगृहीत हैं। इन कहानियों में हमारे आस-पास के परिवेश के विविध रंगों, रूपों, ध्वनियों की दस्तक सुनाई देती है। खास बात यह है कि जीवन-स्थितियों की दुविधाओं और कुंठाओं से जूझते मनुष्य को उँकेरती ये कहानियाँ आस्था की कहानियाँ हैं अनास्था की नहीं। टूटते-बिखरते संबंधों के बीच मानवीय करुणा इनमें शेष है।

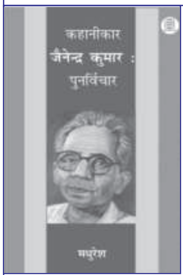

कहानीकार जैनेन्द्र कुमार : पुनर्विचार

ले. : मधुरेश

Rs. 180.00 (P.B.); 350.00 (H.B.)

जाने-माने कथा आलोचक मधुरेश जी की इस पुस्तक में जैनेन्द्र कुमार के कथा-शिल्प का विविध कोणों से विवेचन-मूल्यांकन करते हुए उस पर समकालीनों ओर उत्तरवर्तियों के संदर्भ में विचार किया गया है। जैनेन्द्र कुमार के लेखन में समस्त भारतीय समाज अपनी द्वंद्वात्मकता के साथ उपस्थिति है।

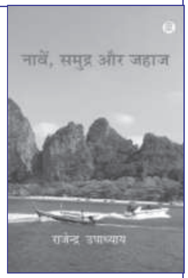

नावें, समुद्र और जहाज

ले. : राजेन्द्र उपाध्याय

Rs. 200.00 (P.B.); 400.00 (H.B.)

यह पुस्तक देश-विदेश की यात्राओं के संस्मरणात्मक वृत्तांतों का संकलन है। ये सब यात्राएँ बड़े शहरों, महानगरों की ही नहीं है, 'सालासर' जैसे कस्बे की भी है। हमारा देश केवल बड़े शहरों-महानगरों में ही अद्वितीय नहीं है, वह छोटे-छोटे शहरों-कस्बों में भी खूबसूरत है। वहाँ के जनजीवन को, लोगों के स्वभाव, आचार-विचार को भी उजागर करती है।

काशी प्रसाद जायसवाल : संस्मरण, श्रद्धांजलि एवं समालोचना

ले. : रतन लाल

Rs. 250.00 (P.B.); 450.00 (H.B.)

इस पुस्तक में काशी प्रसाद जायसवाल पर विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में छपे हिंदी-अंग्रेजी लेखों तथा भाषणों को संगृहीत किया गया है। हिंदी के स्वनामधन्य आचार्यों, लेखकों, कवियों के अलावा परिवारी जनों के लेख-संस्मरण यहाँ शामिल किए गए हैं। साथ ही जायसवाल जी के समकालीन एवं परवर्ती सामाजिक-राजनीतिक विचारकों के अंग्रेजी लेख, संस्मरण और भाषण भी संग्रहित हैं।

गांधी जी : स्मृति लेखों का आलोक

सं. : कृष्णदत्त पालीवाल

Rs. 180.00 (P.B.); 350.00 (H.B.)

प्रस्तुत पुस्तक गांधी जी द्वारा राजनेताओं, समाज-सेवियों, सहकर्मियों, रचनाकारों, प्रेरणादायक व्यक्तित्वों के संबंध में लिखे गए संस्मरणों का संग्रह है। ये संस्मरण गांधी जी की पुस्तकों और पत्र-पत्रिकाओं के लेखों में से सामग्री एकत्र की गई है। कौन-सा अंश किस पुस्तक से लिया गया है इसका उल्लेख भी यथास्थान मौजूद है। संपूर्ण सामग्री गांधी जी की लेखनी से प्रसूत है।

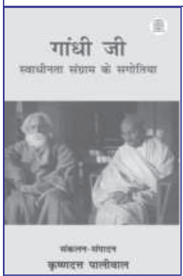

गांधी जी : स्वाधीनता संग्राम के सगोतिया

ले. : कृष्णदत्त पालीवाल

Rs. 150.00 (P.B.); 300.00 (H.B.)

'गांधी जी : स्वाधीनता संग्राम के सगोतिया' अपने समकालीनों, सहयोगियों, प्रेरणा पुरुषों, अनुयायियों, राजनेताओं, ऐतिहासिक व्यक्तित्वों के विषय में गांधी के लेखन का संग्रह है जो आधुनिक भारतीय नव जागरण और स्वाधीनता आंदोलन में सक्रिय और प्रेरक विभूतियों के शब्द-चित्र प्रस्तुत करता है।

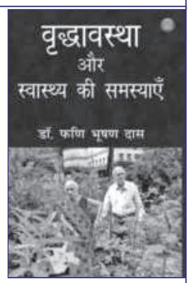

वृद्धावस्था और स्वास्थ्य की समस्याएँ

ले. : डॉ. फणि भूषण दास

Rs. 180.00 (P.B.); 350.00 (H.B.)

'वृद्धावस्था और स्वास्थ्य की समस्याएँ' जाने-माने शल्य चिकित्सक डॉ. फणि भूषण दास की इस क्षेत्र में हिंदी में उपलब्ध महत्वपूर्ण पुस्तक है। वृद्धावस्था से जुड़े रोगों के प्रति जागरूकता पैदा करने के साथ ही यह उनसे बचाव और रोकथाम के उपायों पर भी प्रकाश डालती है।

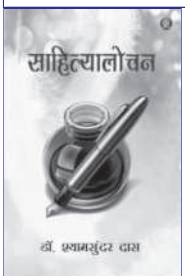

साहित्यालोचन

ले. : डॉ. श्यामसुंदर दास

Rs. 145.00 (P.B.); 300.00 (H.B.)

श्यामसुंदर दास के जीवनकाल में ही *साहित्यालोचन* के अनेक संस्करण आ गए थे। पाँचवें-छठे संस्करण में उन्होंने संपूर्ण पुस्तक को परिवर्तित-संशोधित-परिमार्जित रूप में प्रस्तुत किया। लगभग पूरी शताब्दी बीत जाने और साहित्य समीक्षा संबंधी अनेक ग्रंथ आ जाने के बावजूद *साहित्यालोचन* आज भी अपना महत्व बनाए हुए है। इस बात को ध्यान में रखते हुए 'सस्ता साहित्य मण्डल प्रकाशन' इसे पाठकों को उपलब्ध करा रहा है।

जायसी ग्रंथावली

सं. : आचार्य रामचंद्र शुक्ल

Rs. 225.00 (P.B.); 500.00 (H.B.)

'जायसी ग्रंथावली' हिंदी साहित्य की अमूल्य निधि है। मलिक मुहम्मद जायसी की तीनों रचनाओं— 'पदमावत', 'अखरावट' और 'आखिरी कलाम' के आचार्य रामचंद्र शुक्ल द्वारा संपादित पाठ के साथ शुक्ल जी द्वारा लिखी गई 'भूमिका' इस ग्रंथ की विशेष उपलब्धि है।

2018-19 के महत्त्वपूर्ण प्रकाशन

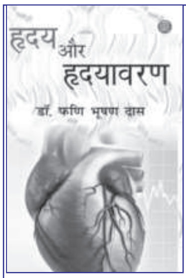

हृदय और हृदयावरण

ले. : डॉ. फणि भूषण दास

Rs. 180.00 (P.B.); 350.00 (H.B.)

प्रस्तुत पुस्तक में उन्होंने हृदय एवं हृदय रोगों के विषय में बुनियादी जानकारी देने के साथ ही उनकी नैदानिक प्रक्रिया के विषय में भी बताया है। इस कठिन और तकनीकी विषय को हिंदी माध्यम से सुलभ बनाने का यहाँ भरसक प्रयास किया गया है। आशा है कि हिंदी पाठक इसका लाभ उठाएँगे और चिकित्सा विज्ञान क्षेत्र में कार्यरत लोग हिंदी से जुड़ने की प्रेरणा पा सकेंगे।

परित्यक्ता के आँसू

ले. : कुमारन आशान **अनु. :** सुधांशु चतुर्वेदी

Rs. 80.00 (P.B.)

रामायण का वैदेही-वनवास प्रसंग लोकमानस को निरंतर सालता रहा है। मलयालम के सुप्रसिद्ध कवि कुमारन आशान की रचना *चिंताविष्टयाय सीता* इसी परंपरा में एक कड़ी है। हर्ष का विषय है कि हिंदी-मलयालम के बीच संवाद-सेतु की भूमिका के वाहक डॉ. सुधांशु चतुर्वेदी ने *परित्यक्ता के आँसू* शीर्षक से इसका हिंदी अनुवाद प्रस्तुत किया है।

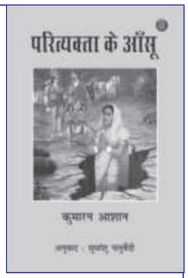

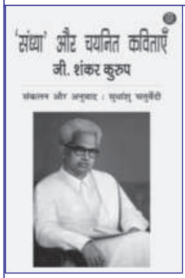

संध्या और चयनित कविताएँ : जी. शंकर कुरुप

संकलन/अनु. : सुधांशु चतुर्वेदी

Rs. 110.00 (P.B.)

जी. शंकर कुरुप पिछली सदी के शीर्ष स्थानीय मलयालम रचनाकारों में एक हैं। नवजागरण और राष्ट्रीय चेतना के वाहक इस कवि पर रवींद्रनाथ और महात्मा गांधी का गहरा प्रभाव है। वे वैज्ञानिक दृष्टिसंपन्न प्रकृति-प्रेमी लेखक हैं। हिंदी और मलयालम के बीच संवाद-सेतु डॉ. सुधांशु चतुर्वेदी को शंकर कुरुप से संवाद और सान्निध्य के अवसर मिलते रहे।

गांधी अभिनंदन ग्रंथ

सं. सर्वपल्ली राधाकृष्णन

Rs. 200.00 (P.B.); 400.00 (H.B.)

इस अभिनंदन-ग्रंथ का प्रकाशन हिंदी में विश्ववंद्य महात्मा गांधी के जन्म-दिवस (आश्विन कृष्ण 12) पर सर्वपल्ली राधाकृष्णन् के संपादन में हुआ था। इस पुस्तक का मुख्य उद्देश्य महात्मा जी की दिव्यवाणी का प्रचार अधिक-से-अधिक भाई-बहनों में हो सके और उनका संदेश घर-घर पहुँचे।

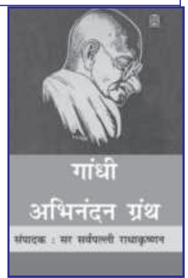

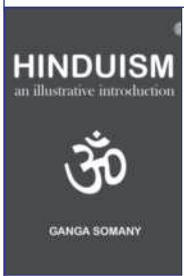

HINDUISM—an illustrative introduction

by: Ganga Somany

Rs. 299.00 (P.B.)

Hinduism by Ganga Somany is an illustrative introduction to this great religious tradition. With an initial attempt to define Hinduism, it goes on to encapsulate many aspects of the religion which originated in the hoary and mythical past.

हमारा कलंक

ले. : महात्मा गांधी

Rs. 150.00 (P.B.); 300.00 (H.B.)

हमें हर्ष होता है कि आज हम महात्मा जी के हृदय का सबसे उज्ज्वल पक्ष, उनके अस्पृश्यता-संबंधी लेखों के संग्रह के रूप में, हिंदी पाठकों को भेंट कर रहे हैं। इसमें केवल साहित्य-सेवा हमारा लक्ष्य नहीं है; इस दृष्टि से हम इसे जनता के सामने रख भी नहीं रहे हैं। इसके अधिकांश लेख हिंदी-नवजीवन तथा गुजराती पुस्तक 'हिंदू धर्म नी कसौटी' से लिए गए हैं।

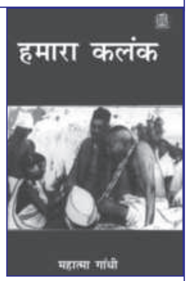

संस्कृत साहित्य की अमर कृतियों की कथा हिंदी में पहली बार

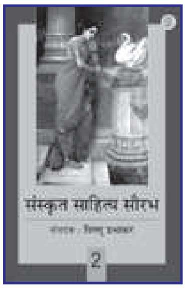

पहले खंड में *कादंबरी, उत्तररामचरित, वेणी-संहार, शकुंतला, मृच्छकटिक, मुद्राराक्षस, नलोदय, रघुवंश, नागानंद, मालविकाग्निमित्र, स्वप्नवासवदत्ता, हर्ष-चरित, किरातार्जुनीय, दशकुमारचरित भाग-1, दशकुमारचरित भाग-2, विक्रमोर्वशी, मेघदूत, मालती-माधव, शिशुपाल-वध* और *बुद्ध-चरित* को शामिल किया गया है। **दूसरे खंड** में *कुमारसंभव, महावीर-चरित, रत्नावली, पंचरात्र, प्रियदर्शिका, वासवदत्ता, रावण-वध, सौंदरनंद, कुंदमाला, यशस्तिलक, तिलकमंजरी, प्रतिमा-नाटक, तीन नाटक, नैषध-चरित, चंपू भारत* और *प्रतिज्ञा-यौगंधरायण* को शामिल किया गया है। **तीसरे खंड** में *देवीचंद्रगुप्त, भगवदज्जुकम्, मत्तविलास, तापसवत्सराज, चंडकौशिक, कौमुदीमित्रानंद, मल्लिका-मकरंद, प्रबुद्धरौहिणेय, करुणावज्रायुध, हम्मीरमदमर्दन, सुबालावज्रतुंड* और *भर्तृहरिनिर्वेद* को शामिल किया गया है। **चौथे खंड** में *अमृतमंथनोपाख्यान, सावित्री का उपाख्यान, ययाति का उपाख्यान, शकुंतला का उपाख्यान, नलोपाख्यान, भिक्षु आनंद का उपाख्यान, वीतशोक का उपाख्यान, कुनाल का उपाख्यान, केशिध्वज का उपाख्यान, विष्णुदास का उपाख्यान, कुट्टनीमत, चक्रपाणिविजय, समयमातृका, कालिदास प्रबंध, माघ कवि की कथा, हम्मीरमहाकाव्य, विक्रम और वेताल, भरटक की कथा, नायिनी की कथा, भोजचरित्र, कालिदासकथा, नंदोपाख्यान, गंगावतरण* और *सेकशुभोदया* को शामिल किया गया है। इन पुस्तकों की भाषा सरल, रोचक और संप्रेषणीय है। इस शृंखला के अंतर्गत पहले दो खंडों का संपादन विष्णु प्रभाकर एवं तीसरे तथा चौथे खंड का लेखन राधावल्लभ त्रिपाठी ने किया है। हर वर्ग के पाठकों के लिए एक धरोहर पुस्तक।

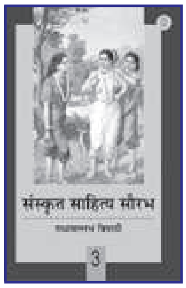

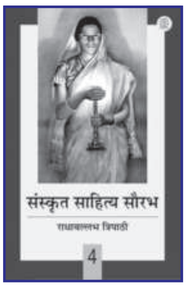

संस्कृत साहित्य सौरभ (*भाग-1*)

सं. : विष्णु प्रभाकर

Rs. 450.00 (H.B.); Rs. 250.00 (P.B.)

संस्कृत साहित्य सौरभ (*भाग-2*)

सं. : विष्णु प्रभाकर

Rs. 350.00 (H.B.); Rs. 200.00 (P.B.)

संस्कृत साहित्य सौरभ (*भाग-3*)

ले. : **राधावल्लभ त्रिपाठी**

Rs. 250.00 (H.B.); Rs. 120.00 (P.B.)

संस्कृत साहित्य सौरभ (*भाग-4*)

ले. : **राधावल्लभ त्रिपाठी**

Rs. 420.00 (H.B.) ;Rs. 220.00 (P.B.)

2017-18 के महत्त्वपूर्ण प्रकाशन

दलित साहित्य विमर्श

ले. : कृष्णदत्त पालीवाल

Rs. 150.00 (P.B.); 300.00 (H.B.)

इस पुस्तक में प्रख्यात हिंदी आलोचक प्रोफेसर कृष्णदत्त पालीवाल ने साहित्य और आलोचना के नए-पुराने विमर्शों से जुड़े विषयों पर अध्ययन-मनन और लेखन करके तथा दलित साहित्य और उत्तर आधुनिकता से जुड़ी बहसों में हिस्सा लेकर अंबेडकर और भारतीय समाज व्यवस्था से जुड़े ज्वलंत प्रश्नों को परंपरा, इतिहास और मौजूदा समय के संदर्भ में खँगाला है।

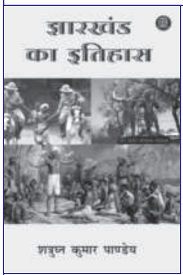

झारखंड का इतिहास

ले. : शत्रुघ्न कुमार पाण्डेय

Rs. 225.00 (P.B.); 450.00 (H.B.)

यह पुस्तक सन् 2000 में गठित नए राज्य झारखंड की स्वतंत्र ऐतिहासिक-सांस्कृतिक पहचान का मानचित्र प्रस्तुत करने के साथ ही इस प्रदेश की सांस्कृतिक विविधता और प्राकृतिक संसाधन-संपन्नता को उजागर करती है। साथ ही सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षिक और बौद्धिक परिवर्तनों और उनके दूरगामी प्रभावों का लेखा-जोखा भी प्रस्तुत करती है।

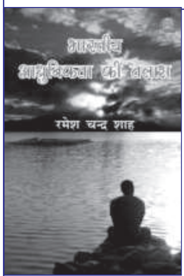

भारतीय आधुनिकता की तलाश

ले. : रमेश चन्द्र शाह

Rs. 160.00 (P.B.); 320.00 (H.B.)

इस पुस्तक में रमेश चन्द्र शाह जी भारतीय परंपरा और वैज्ञानिक खोजदृष्टि की ओर अग्रसर हुए भारतीय लेखकों—रामचन्द्र शुक्ल, जयशंकर प्रसाद और 'अज्ञेय' द्वारा देखे गए आलोचक राष्ट्र के निर्माण के स्वप्नों के स्वातंत्र्योत्तर भारत में भंग होने के कारणों की तलाश करते हैं।

हिंदी विश्वकोश (खंड-1) : पृथ्वी एवं भूगोल

प्रधान संपादक :इन्द्र नाथ चौधुरी

Rs. 1600.00 (H.B.)

'हिंदी विश्वकोश योजना' का यह प्रथम खंड भूगोल विषय के वर्तमान स्वरूप को समझने में सहायक शब्दावली को केंद्र में रखकर तैयार किया गया है। भूगोल एकपक्षीय विशेषज्ञता की सीमित परिधि से बाहर मानव एवं प्रकृत्ति के मध्य होते संवादों, समानुकूलन एवं अन्योन्याश्रित संबंधों के भिन्न-भिन्न काल खण्डों में बने दृष्टिकोण का एक परिष्कृत समाज वैज्ञानिक अध्ययन है।

हिंदी विश्वकोश (खंड-2) : गणित

प्रधान संपादक :इन्द्र नाथ चौधुरी

Rs. 3500.00 (H.B.)

इस खंड में अंकगणित, बीजगणित एवं ज्यामिति से लेकर अवकलन-समाकलन, अमूर्त-बीजगणित, गणितीय विश्लेषण, समुच्चय-सिद्धांत, माप-सिद्धांत, संस्थिति, सम्मिश्र विश्लेषण, अवकल-समीकरण, अरैखिक-समीकरण, रैखिक एवं अरैखिक-इष्टतमीकरण, विविक्त गणित के विभिन्न पहलू, प्रक्षेपीय-ज्योमिति, सांख्यिकी, सूचना-सिद्धांतआदि अनेक शाखाओं पर प्रचुर सामग्री है।

यान

ले. : एस.एल. भैरप्पा

Rs. 250.00 (P.B.); 500.00 (H.B.)

अंतरिक्ष विज्ञान को केंद्र में रखकर लिखा गया उपन्यास 'यान' वैज्ञानिक उपलब्धियों के संदर्भ में बदलती मानवीय स्थितियों को उद्घाटित करता है। वैज्ञानिक संस्थाओं, विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं से निकट संपर्क से अपना कच्चा माल ग्रहण कर उसे समकालीन यथार्थ और सामाजिक-सांस्कृतिक मनोभूमिका से जोड़ते हुए भैरप्पा ने सर्जनात्मक कल्पना का अद्भुत उपयोग यहाँ किया है।

साहित्य में अनामंत्रित

ले. : अभय कुमार दुबे

Rs. 350.00 (P.B.); 650.00 (H.B.)

भाषा-साहित्य और समाज विज्ञान से जुड़े मुद्दों के बीच आवाजाही इस संग्रह की खास विशेषता है। हिंदी भाषा और साहित्य के प्रति दुबे जी का गहरा रुझान है और समाज विज्ञान उनका कार्यक्षेत्र। अतः समाज विज्ञान की ठोस भूमि पर खड़े होकर वे साहित्य-संवेदना की थाह लेने का प्रयास करते हैं। अंतर्विद्याश्रयी अध्ययन की यह प्रक्रिया रचनात्मक साहित्य की आलोचना को मूल्यांकन का विशिष्ट आयाम प्रदान करती है।

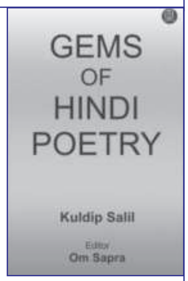

Gems of Hindi Poetry

Author: Kuldip Salil

Rs. 225.00 (P.B.); 450.00 (H.B.)

This anthology of selected Hindi poems, translated into English is an attempt to fill this gap and make Hindi poetry accessible to non-Hindi readers in India and abroad. Starting with Kabir and going on to the present-day poets this collection brings together some 65 old and new poets.

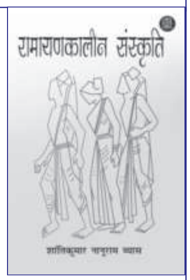

रामायणकालीन संस्कृति

ले. : शांतिकुमार नानूराम व्यास

Rs. 275.00 (P.B.); 550.00 (H.B.)

लेखक ने वाल्मीकि-'रामायण' का बड़ी बारीकी से अध्ययन करके उस युग की सामाजिक और सांस्कृतिक परिस्थितियों की विशद जानकारी पाठकों को दी है। इस पुस्तक में उन्होंने उन विषयों को लिया है, जो तत्कालीन संस्कृति से—मनुष्य के भौतिक और आध्यात्मिक जीवन से—संबंधित हैं।

रामायणकालीन समाज

ले. : शांतिकुमार नानूराम व्यास

Rs. 275.00 (P.B.); 550.00 (H.B.)

लेखक ने वाल्मीकि-रामायण का बड़ी बारीकी से अध्ययन करके उस युग की सामाजिक और सांस्कृतिक परिस्थितियों की विशद जानकारी पाठकों को दी है। इस पुस्तक में उन्होंने उन विषयों को लिया है, जो तत्कालीन सामाजिक, आर्थिक एवं प्रशासनिक परिस्थितियों से संबंधित हैं।

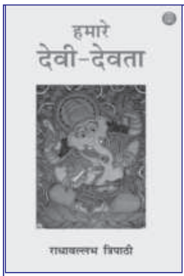

हमारे देवी-देवता

ले. : राधावल्लभ त्रिपाठी

Rs. 150.00 (P.B.); 300.00 (H.B.)

इस पुस्तक में वैदिक, पौराणिक, आगमिक तथा तांत्रिक दृष्टियों से देवों-देवियों का परिचय और उनके दार्शनिक एवं आध्यात्मिक स्वरूप तथा उनके विषय में प्रचलित कथाओं पर विचार किया गया है। प्रमुख देवताओं के प्रतीकत्व को स्पष्ट करते हुए उन मूल्यों, आदर्शों अथवा भावों का प्रतिपादन किया गया है जिनके वे प्रतिनिधि हैं। साथ ही, आज के संदर्भों में देवता और मनुष्य के संबंधों की पुन: पहचान का प्रयास किया गया है।

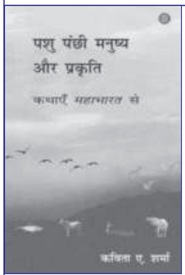

पशु, पंछी, मनुष्य और प्रकृति

लेखिका : कविता ए. शर्मा **अनुवाद :** रीतारानी पालीवाल

Rs. 275.00 (P.B.); 500.00 (H.B.)

महाभारत की कथाओं में प्रकृति, प्राणि-जगत और मनुष्य की अभिन्नता की भारतीय परिकल्पना को सामने लाती यह पुस्तक आधुनिक पाठक के लिए रोचक और ज्ञानवर्धक तो है ही, पर्यावरणीय असंतुलन के प्रश्नों से जूझते आज के समय में इस तथ्य को भी स्थापित करती है कि प्रकृति और मानवेतर जगत मनुष्य की जरूरतों की पूर्ति का साधन मात्र नहीं।

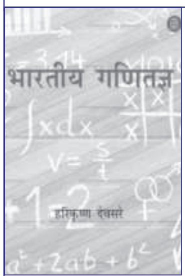

भारतीय गणितज्ञ

ले. : हरिकृष्ण देवसरे

Rs. 120.00 (P.B.); 250.00 (H.B.)

सुप्रसिद्ध बाल साहित्यकार हरिकृष्ण देवसरे की यह पुस्तक 'भारतीय गणितज्ञ' परंपरा से पाठकों का परिचय कराने के साथ ही मौजूदा समय में हमारे सक्रिय गणितज्ञों की जानकारी भी उपलब्ध कराती है। यह बाल और किशोर पाठकों में गणित विषयक और रुझान के विस्तार में सहायक होगी।

विज्ञान के रत्न

ले. : हरिकृष्ण देवसरे

Rs. 120.00 (P.B.); 260.00 (H.B.)

डॉ. हरिकृष्ण देवसरे जी उन गिने-चुने लेखकों में हैं जिन्होंने बाल साहित्य को मात्र मनोरंजन की दुनिया से बाहर निकालकर ज्ञान के साहित्य से जोड़ा है। सुप्रसिद्ध नए-पुराने भारतीय और पश्चिमी वैज्ञानिकों के विषय में स्वच्छ भाषा एवं रोचक शैली में लिखे गए ये निबंध निश्चय ही स्कूली बच्चों को तो आकृष्ट कर उनका ज्ञानवर्धन करेंगे ही बड़ों को भी दिलचस्प लगेंगे।

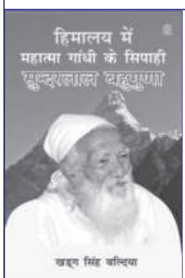

हिमालय में महात्मा गांधी के सिपाही : सुन्दरलाल बहुगुणा

ले. : खड्ग सिंह वल्दिया

Rs. 180.00 (P.B.); 350.00 (H.B.)

सुन्दरलाल बहुगुणा की जीवनी के साथ-साथ यह पुस्तक पर्यावरण रक्षा आंदोलन में जन भागीदारी का इतिहास भी है। विद्यार्थी जीवन से ही गांधी के बताए रास्ते पर चल पड़ने वाले सुन्दरलाल गांधी की शिष्या मीरा बहन और सरला बहन के संसर्ग में रहकर प्रकृति और मनुष्य के सहज संबंध के प्रति जागरूक हुए।

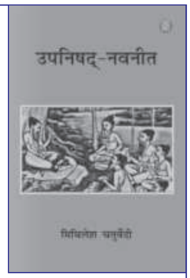

उपनिषद्-नवनीत

ले. : मिथिलेश चतुर्वेदी

Rs. 110.00 (P.B.)

पूरी दुनिया में ऐसा कोई ग्रन्थ नहीं जिसमें मानव जीवन को इतना ऊँचा उठाने की वैसी क्षमता हो जैसी उपनिषदों में है। इनमें मनुष्य की चिरंतन जिज्ञासाओं का समाधान है। उपनिषदों को 'वेदान्त' और 'श्रुति' भी कहा गया है। परमतत्व ब्रह्म में साधक को स्थिर करने वाले ज्ञान का निरूपण उपनिषदों में अत्यन्त सुंदर ढंग से किया गया है।

गांधी संचयन

सं. : प्रो. गिरीश्वर मिश्र एवं डी.एन. प्रसाद

Rs. 150.00 (P.B.); 350.00 (H.B.)

आज जिस हिंसा, आतंक एवं उपभोक्तावाद की होड़ के वातावरण में हम जी रहे हैं वहाँ सर्वाधिक कमी है चैन और शांति की। *गांधी संचयन* जीवन के विविध पक्षों—समाज, धर्म, दर्शन, आर्थिक संरचना, राजनीति, भाषा, पर्यावरण, पत्रकारिता संबंधी गांधी के विचारों का संक्षिप्त संग्रह है जिसे गांधी के लेखन और पत्रकारिता के भीतर से मनोयोगपूर्वक तैयार किया गया है।

विचारों का जनतंत्र

सं. : अखिलेश

Rs. 450.00 (P.B.); 750.00 (H.B.)

यह निबंध संकलन 'तद्भव' पत्रिका के विभिन्न अंकों से चुनिंदा लेख लेकर तैयार किया गया है। विचारों का यह लोकतंत्र वस्तुतः कई तरह की बहुवचनात्मकता से निर्मित जनतंत्र है। हमारे समय की उलझनों, समस्याओं, बहसों-मुबाहिसों, प्रश्नाकुलताओं से जूझते इन वैचारिक लेखों के विषय, विचार और प्रस्तुतिपरक विविधता ही इस जनतंत्र की बहुलता की सूचक है।

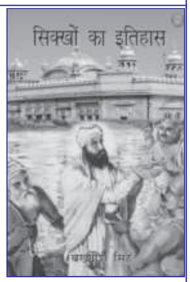

सिक्खों का इतिहास (दो खंडों में)

ले. : बख्शीश सिंह

Rs. 340.00 (P.B.); 700.00 (H.B.)

यह पुस्तक सिक्खों के इतिहास को एकांगी ढंग से न देखते हुए समग्र भारतीय इतिहास-भूगोल और समाजशास्त्र के संदर्भ में चित्रित करती है। लेखक ने सिक्खों की मूल भूमि पंजाब का बृहत्तर भारतीय भौगोलिक-ऐतिहासिक-सांस्कृतिक-राजनीतिक परिप्रेक्ष्य में परिचय दिया है और सिक्ख धर्म के इतिहास को रेखांकित किया है।

भारतीय प्रतीकों का लोक

ले. : श्यामसुंदर दुबे

Rs. 150.00 (P.B.); 300.00 (H.B.)

इस पुस्तक में प्रतीकों का वैज्ञानिक विश्लेषण किया गया है। हिंदी पाठकों, विशेष रूप से नई पीढ़ी के लिए यह विशेष उपयोगी है क्योंकि अपनी वर्तमान शिक्षा-दीक्षा की प्रक्रिया में नई पीढ़ी को लोकमन अथवा लोक संवेदना और भारतीय परंपरा के संस्कारों से जुड़े बृहत्तर आशयों को जानने-समझने का अक्सर बहुत कम अवसर मिल पाता है।

2017-18 के महत्त्वपूर्ण प्रकाशन

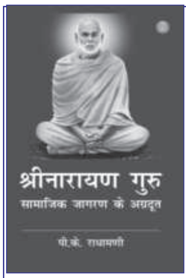

श्रीनारायण गुरु

ले. : पी.के. राधामणी

Rs. 150.00 (P.B.); 300.00 (H.B.)

केरल की जानी-मानी हिंदी लेखिका पी.के. राधामणी जी ने यह पुस्तक तैयार करके श्रीनारायण गुरु को हिंदी पाठकों तक पहुँचाया है। यह पुस्तक पाठकों की आधुनिक भारतीय नवजागरण और भारतीय साहित्य विषयक जिज्ञासा का समाधान करती है।

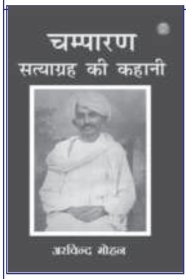

चम्पारण सत्याग्रह की कहानी

ले. : अरविन्द मोहन

Rs. 220.00 (P.B.); 450.00 (H.B.)

हिंदी के जाने-माने पत्रकार और समाजवादी चिंतक अरविन्द मोहन जी ने 'चम्पारण सत्याग्रह की कहानी' पुस्तक तैयार की है। इस पुस्तक के माध्यम से उन्होंने कई नए तथ्यों की खोज की है, अनछुए पहलुओं को रेखांकित किया है, साथ ही चम्पारण सत्याग्रह के सिलसिलेवार इतिहास लेखन का प्रयास भी किया है।

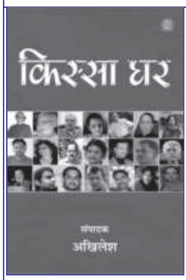

किस्सा घर

सं. : अखिलेश

Rs. 400.00 (P.B.); 700.00 (H.B.)

इस संग्रह की कहानियाँ पिछली लगभग डेढ़ दशक में 'तद्भव' में प्रकाशित होकर हिंदी कथा जगत में चर्चित हो चुकी हैं। पाठक को इस संकलन में दूधनाथ सिंह, काशीनाथ सिंह, रवीन्द्र कालिया, सुधा अरोड़ा, शिवमूर्ति, शशांक, गीतांजलि श्री, देवेन्द्र आदि लेखकों की कहानियाँ एक साथ पढ़ते हुए हिंदी कहानी की विकास-यात्रा के नए मोड़ों को समझने में भी सहायता मिलेगी।

श्वसन प्रणाली के रोग

ले. : डॉ. फणि भूषण दास

Rs. 180.00 (P.B.); 350.00 (H.B.)

शरीर साँस के आधार पर ही जीवित है। जीवन यदि सितार है, तो उसमें साँस के तार लगे हुए हैं, जो झनझनाते हैं तो शरीर जीवंत रहता हैं यदि साँस रुक जाए, तो शरीर भी मृत हो जाए। सामान्य पाठक, जिनकी चिकित्सा विज्ञान के संबंध में कोई जानकारी नहीं है, इस पुस्तक को पढ़कर श्वसन प्रणाली के रोगों और उनके उपचार के संबंध में पूरी जानकारी प्राप्त कर स्वस्थ रहने के प्रयास कर सकते हैं।

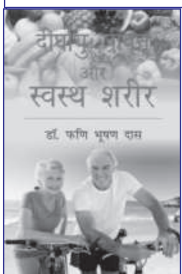

दीर्घायु जीवन और स्वस्थ शरीर

ले. : डॉ. फणि भूषण दास

Rs. 350.00 (P.B.); 600.00 (H.B.)

वर्तमान में चिकित्साशास्त्र में हिंदी भाषा में उपयोगी ग्रंथों का अभाव है। प्रसन्नता की बात है कि डॉ. फणि भूषण दास जी इस दिशा में सक्रिय हैं। आशा है जन सामान्य ऐसी पुस्तकों को हाथों-हाथ लेगा। पुस्तक की भाषा अत्यंत सरल एवं सुबोध है। अकारण पांडित्य प्रदर्शन से बचा गया है। इस वैशिष्ट्य ने ग्रंथ को और भी अधिक ग्राह्य बना दिया है।

कुछ सत्य, कुछ सुंदर

ले. : कृष्ण कुमार

Rs. 180.00 (P.B.); 350.00 (H.B.)

जाने-माने शिक्षाविद् और समाज-संस्कृति-विचारक प्रो. कृष्ण कुमार द्वारा समय-समय पर पत्र-पत्रिकाओं के लिए लिखे गए लेखों और टिप्पणियों के संग्रह 'कुछ सत्य, कुछ सुंदर' पाठकों के लिए निश्चय ही प्रेरणादायी है।

चम्पारण सत्याग्रह के सहयोगी

ले. : अरविन्द मोहन

Rs. 210.00 (P.B.); 400.00 (H.B.)

वर्ष 2017 महात्मा गांधी के चम्पारण आंदोलन का शताब्दी वर्ष है। गांधी जी ने अपना पहला आंदोलन चम्पारण के किसानों के समर्थन में किया था। इस पुस्तक के माध्यम से अरविन्द मोहन ने कई नए तथ्यों की खोज की है, अनछुए पहलुओं को रेखांकित किया है।

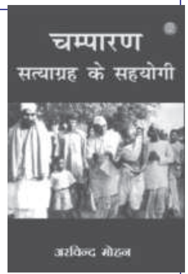

कर्मभूमि

ले. प्रेमचंद **सं. :** कमल किशोर गोयनका

Rs. 400.00 (P.B.); 600.00 (H.B.)

'कर्मभूमि' पिछली सदी के तीसरे दशक के भारतीय सामाजिक-सांस्कृतिक-राजनीतिक परिदृश्य का सजीव मानचित्र है। सन् 1932 में प्रकाशित इस उपन्यास में महात्मा गांधी द्वारा प्रेरित-परिचालित विभिन्न गतिविधियों—विशेष रूप से 1928-31 के बीच के आंदोलनों के यथार्थ का कथात्मक लेखा-जोखा है।

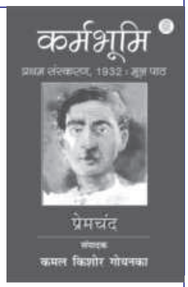

काशी प्रसाद जायसवाल संचयन (तीन खंडों में)

सं. : रतन लाल

Rs. 570.00 (P.B.); 1250.00 (H.B.)

हिंदी प्रदीप, सरस्वती, नागरी प्रचारिणी पत्रिका में छपे इतिहासविद् काशी प्रसाद जायसवाल के लेखों, कविताओं, जीवन-चरितों और यात्रा-वृत्तांतों को डॉ. रतन लाल ने यहाँ एकत्र किया है। दूसरी ओर हिंदी भाषा साहित्य को योगदान देने वाले अंग्रेज विद्वानों-अधिकारियों संबंधी दुर्लभ जानकारी भी यहाँ उपलब्ध है।

अप्रैल फूल और अन्य कहानियाँ

ले. : उषा शर्मा

Rs. 150.00 (P.B.); 350.00 (H.B.)

उषा शर्मा की कहानियाँ बच्चों को एक बेहतर मनुष्य बनने की सीख देनेवाली हैं। ये कहानियाँ सकारात्मक और नकारात्मक दोनों ही पद्धतियों से बच्चों को शिक्षा देती हैं। धन संपन्नता के घमंड में दूसरों की भावनाओं को ठेस पहुँचाने के प्रति, वृक्षों को काटकर पर्यावरण का नाश करने के प्रति आगाह करती हुई कहानियाँ ऐसे व्यवहार से बचने की सीख देती हैं।

2016-17 के महत्त्वपूर्ण प्रकाशन

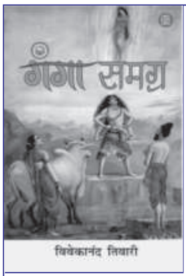

गंगा समग्र

ले. : विवेकानंद तिवारी

Rs. 400.00 (P.B.); 700.00 (H.B.)

गंगा के सभी पक्षों को एक स्थान पर रखकर करोड़ों लोगों की माँग को पूरा करने वाली यह पुस्तक उसके सभी पक्षों पर प्रकाश डालने का प्रयास करती है। आशा है यह पुस्तक धर्माचार्यों, शिक्षाविदों, शोधार्थियों, इतिहासकारों, जिज्ञासुओं एवं आम जन के लिए नितांत उपयोगी साबित होगी।

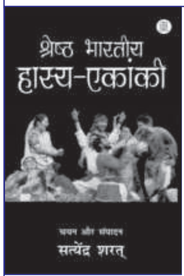

श्रेष्ठ भारतीय हास्य-एकांकी

चयन एवं संपादन : सत्येंद्र शरत्

Rs. 220.00 (P.B.); 450.00 (H.B.)

'श्रेष्ठ भारतीय हास्य एकांकी' में पाठकों को पूरे भारतीय साहित्य की संवेदना की एकरूपता का पता चलेगा। इस संकलन में हिंदी के अलावा बांग्ला, मराठी, गुजराती, पंजाबी, कश्मीरी, असमिया, तेलुगु, तमिल, मलयालम, उर्दू और कोंकणी के हास्य एकांकियों को शामिल की गई हैं। इन एकांकियों में न सिर्फ हास्य है बल्कि व्यंग्य के कटार भी हैं।

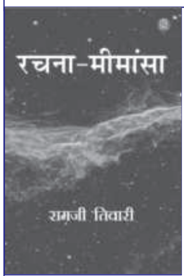

रचना-मीमांसा

सं. : रामजी तिवारी

Rs. 150.00 (P.B.); 300.00 (H.B.)

यह पुस्तक कला एवं साहित्य संबंधी आलोचनात्मक लेखों का संकलन है। इस पुस्तक में हजारी प्रसाद द्विवेदी के निबंध से लेकर टैगोर, गोविंद मिश्र, विनोद कुमार शुक्ल, डॉ. शिव प्रसाद सिंह, प्रभाकर श्रोत्रिय, नंददुलारे वाजपेयी, चंद्रकांत बांदिवडे़कर की रचनाओं पर भी विचार किया गया है। आशा है कि हिंदी के पाठकों के लिए यह पुस्तक सहायक सिद्ध होगी।

अद्‌भुत किस्से

सं. : रस्किन बॉण्ड

Rs. 130.00 (P.B.); 300.00 (H.B.)

यह हमारे लिए सुखद आश्चर्य है कि हिंदी के पाठकों ने रस्किन बॉण्ड की पुस्तकों को हाथोंहाथ लिया। यह पुस्तक 'अद्‌भुत किस्से' पाठकों के समक्ष प्रस्तुत है। इस पुस्तक में कुल पाँच खंड हैं। जैसा कि स्वयं रस्किन बॉण्ड से इन कहानियों के बारे में कहा है, पाठकों को इन कहानियों में शायद ही कोई उबाऊ क्षण मिले। हम भी यही विश्वास पाठकों को दिलाना चाहते हैं।

दिल को छू लेनेवाली कहानियाँ

सं.. : रस्किन बॉण्ड

Rs. 130.00 (P.B.); 300.00 (H.B.)

यह पुस्तक ऐसी मर्मस्पर्शी कहानियों से सुसज्जित है, जिसे आप बार-बार पढ़ना चाहेंगे। जैसे किसी प्रिय धुन को बार-बार सुनने का मन करता है या किसी मोहक कलाकृति को बार-बार देखने का मन करता है, उसी तरह इन कहानियों को बार-बार पढ़ने का मन करता है। ये कहानियाँ इतनी असाधारण, अनूठी और दिलचस्प हैं कि आप इन्हें भुला नहीं पाएँगे।

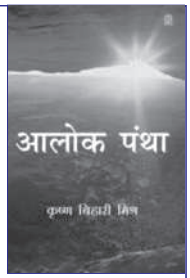

आलोक पंथा

ले. : कृष्ण बिहारी मिश्र

Rs. 120.00 (P.B.); 230.00 (H.B.)

'आलोक पंथा' सुपरिचित साहित्यकार कृष्ण बिहारी मिश्र के साहित्यिक निबंधों का संग्रह है। निबंधों के इस संग्रह में सर्वत्र भारतीय जीवन-दर्शन के उजले पक्षों का साक्षात होता है। इसमें सर्वत्र मानवता की सत्तात्मक, चित्तात्मक, आनंदात्मक दीप्ति का रस मिलता है। इस संग्रह में जिन-जिन महापुरुषों का वर्णन है, उन सबका जीवन हमारे लिए प्रेरणा का स्रोत है।

गोपालराम गहमरी : प्रसिद्ध जासूसी कहानियाँ

संकलन एवं संपादन. : संजय कृष्ण

Rs. 150.00 (P.B.); 300.00 (H.B.)

हिंदी साहित्य और पत्रकारिता के विकास में गोपालराम गहमरी का अतुलनीय और अविस्मरणीय योगदान है। साहित्य की ऐसी कोई विधा नहीं, जिसमें उन्होंने न लिखा हो। उनके संस्मरणों में हिंदी साहित्य के आरंभिक वर्षों, खड़ी बोली को लेकर चली बहस आदि के बारे में जानकारी मिलती है। इस पुस्तक में इनकी 8 प्रसिद्ध जासूसी कहानियाँ संकलित की गई हैं।

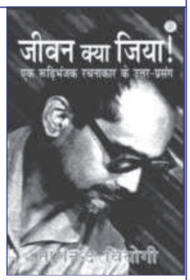

जीवन क्या जिया!

ले. : तारानन्द वियोगी

Rs. 160.00 (P.B.); 350.00 (H.B.)

राजकमल चौधरी मैथिली ही नहीं, हिंदी के भी विरल रचनाकार थे। अपनी अल्प आयु में ही उन्होंने विपुल साहित्य का सृजन किया, जो गुणवत्ता की दृष्टि से भी उत्कृष्ट मानी जाती है। अपने जीवनकाल में राजकमल मैथिली और हिंदी, दोनों साहित्यिक वर्ग में कुत्सित राजनीति के शिकार रहे यह बहुत दुखद है। आशा है उनकी यह पुस्तक पाठकों को पसंद आएगी।

गांधी : पत्रकारिता के प्रतिमान

ले. : कमल किशोर गोयनका

Rs. 220.00 (P.B.); 450.00 (H.B.)

यह पुस्तक गांधी के पत्रकार व्यक्तित्व का संपूर्ण रेखाचित्र प्रस्तुत करती है। सत्तरह अध्यायों में फैली इस पुस्तक में गांधी की पत्रकारिता, पत्रकारिता का मूलाधार : राष्ट्रीयता, पत्रकार : दायित्व और दायित्वहीनता, प्रेस की स्वतंत्रता, विज्ञापन का बहिष्कार, देशी भाषाओं में पत्रकारिता का विकास आदि महत्त्वपूर्ण प्रश्नों के मद्देनजर समग्रता से विचार किया गया है।

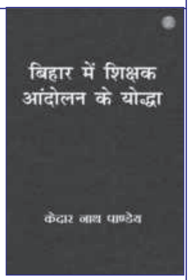

बिहार में शिक्षक आंदोलन के योद्धा

ले. : केदार नाथ पाण्डेय

Rs. 150.00 (P.B.); 300.00 (H.B.)

केदारनाथ पांडेय की यह पुस्तक बिहार के शिक्षक आंदोलनों से जुड़े व्यक्तियों पर लिखे गए संस्मरणों के माध्यम से बिहार की शिक्षा व्यवस्था का ऐतिहासिक दस्तावेज है। शिक्षा को मौलिक अधिकार मान लिए जाने के बावजूद आज की हमारी स्कूली शिक्षा व्यवस्था में अनेक तरह की समस्याएँ और सवाल मौजूद हैं। आशा है कि बिहार शिक्षक आंदोलनों संबंधी यह जानकारी शिक्षा और शिक्षकों की समस्याओं को सुधारने की दिशा में सक्रियता लाने में सहायक होगी।

2016-17 के महत्त्वपूर्ण प्रकाशन

आभास रूपक (खंड : एक)

हिंदी रूपांतरण एवं पुनर्रचना : प्रभात कुमार भट्टाचार्य

Rs. 220.00 (P.B.); 450.00 (H.B.)

पुस्तक के इस खंड में हमारे संस्कृत वाङ्मय में जीवन को दिशा देनेवाली भास के नाटकों पर आधारित बहुत सारी कहानियाँ, कविताएँ, नाटक आदि मौजूद हैं, जिससे आज की पीढ़ी अपरिचित है। आशा है नाटक में रुचि रखनेवाले पाठक, निर्देशक, अभिनेता इससे लाभान्वित होंगे।

नन्ही चिड़िया और अन्य कहानियाँ

ले. : श्रीप्रसाद

Rs. 150.00 (P.B.); 280.00 (H.B.)

आज का बालक ही कल का भविष्य होता है। बाल मन को जिस तरह गढ़ा जाएगा, उसी अनुरूप उसका विकास संभव हो सकेगा। चाहे 'नन्ही चिड़िया की कहानी' हो या फिर 'परियों की' या फिर 'शेर' या 'भालू' की, इन कहानियों के माध्यम से बाल मन के भीतर कोमलता, कल्पनाशीलता के साथ-साथ विपरीत परिस्थितियों से जूझने और बाहर निकलने की प्रवृत्ति निर्मित होती है।

बाल दिवस और अन्य कहानियाँ

ले. श्रीप्रसाद

Rs. 150.00 (P.B.); 280.00 (H.B.)

बाल मन को जिस तरह गढ़ा जाएगा, उसी अनुरूप उसका विकास संभव हो सकेगा। इन कहानियों के माध्यम से बाल मन के भीतर कोमलता, कल्पनाशीलता के साथ-साथ विपरीत परिस्थितियों से जूझने और बाहर निकलने की प्रवृत्ति निर्मित होती है। आशा है पाठक इन कहानियों का आनंद लेंगे और निश्चय ही इसकी रोचकता में खो जाएँगे।

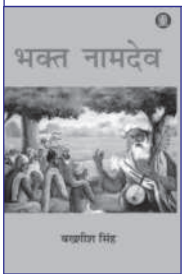

भक्त नामदेव

ले. बख्शीश सिंह

Rs. 120.00 (P.B.); 220.00 (H.B.)

भक्त नामदेव की बाणी मुख्य रूप में 'परमात्मा', 'गुरु और नाम' के सरोकारों पर केंद्रित है। इन तीनों के जो प्रसंग लेखक ने प्रस्तुत किए हैं वह भारतीय चिंतन की परम्परा में नए हैं। यह तीनों सरोकार आध्यात्मिक आधार पर त्रिगुणी चेतना से ऊपर, चौथे पद में विचरते हैं। आप परमात्मा को ज्योतिस्वरूप तसव्वुर करते हैं और इस ज्योति का प्रकाश हर इंसान के अंदर क़ायमदायम है।

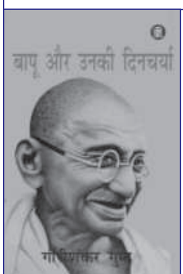

बापू और उनकी दिनचर्या

सं. : डॉ. गौरीशंकर गुप्त

Rs. 140.00 (P.B.); 250.00 (H.B.)

बापू महान थे। उनके कार्य महान थे। उनके जीवन की छोटी-छोटी बातों में महत्ता विद्यमान थी। बापू के सब काम काँटे-तौल होते। सब ओर कर्त्तव्यनिष्ठा, संयम, सत्य और प्रेम की महिमा अनुभूत होती। उनका एक-एक क्षण प्रभु के, मानवता को अर्पण था। शायद ही किसी महापुरुष ने इतनी ईमानदारी से जीवन व्यतीत किया होगा, जितनी ईमानदारी से बापू ने किया।

ईका-बीका-टीका

ले. : बसंत कुमार

200.00 (H.B.)

बसंत कुमार के इस कथा-संग्रह में जीवन के उन अवसरों को कथा की विषय-वस्तु बनाया गया है, जो जीवन को सकारात्मक ऊर्जा और जीवंतता प्रदान करते हैं। वास्तव में हमारे मौजूदा जीवन में भी आनंददायी अवसरों की कमी नहीं है। जरूरत है तो बस सांसारिक मकड़जाल को हटाकर जीवन के उन खूबसूरत लम्हों को अनुभूत करने की, जो हमें रचनात्मक ऊर्जा प्रदान कर सकते हैं।

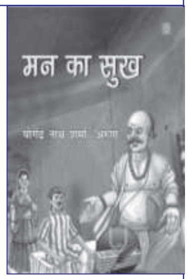

मन का सुख

ले. : योगेंद्र नाथ शर्मा 'अरुण'

Rs. 150.00 (P.B.); 300.00 (H.B.)

यह कथा संग्रह उन मूल्यपरक कहानियों का संग्रह है, जो धीरे-धीरे हमारे जीवन से छीनते जा रहे हैं। समाज में अनादिकाल से सत और असत के बीच संघर्ष चलता आ रहा है और हर किसी को अपने व्यक्तिगत जीवन में कभी-न-कभी इस संघर्ष का साक्षी और सहभोक्ता बनना पड़ता है, जो हमारे विचारों और चिंतन को झकझोरता है।

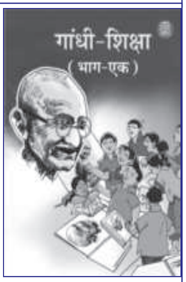

गांधी-शिक्षा (भाग-1-3)

Rs. 150.00 (P.B.)

इन तीनों खंडों में महात्मा गांधी की कई पुस्तकों में से चुनकर सामग्री इकट्ठी की गई है और उनके वे सब बुनियादी विचार शामिल कर लिए गए हैं, जो युवकों, विशेषकर स्कूलों और कॉलेजों के छात्रों और छात्राओं के चरित्र-निर्माण की दृष्टि से परम आवश्यक हैं।

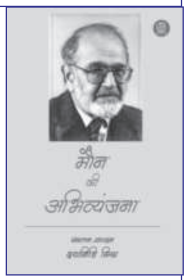

मौन की अभिव्यंजना

सं. : दयानिधि मिश्र

Rs. 150.00 (P.B.); 300.00 (H.B.)

अज्ञेय का साहित्य-कर्म अत्यंत समृद्ध है। चाहे कविता हो, कहानी, उपन्यास, डायरी, रिपोर्ताज, संस्मरण, यात्रा-वृत्तांत, पत्रकारिता, संपादन या समालोचना हो—अज्ञेय ने कुछ भी अधूरे मन या अनमने ढंग से नहीं किया। उनके यहाँ कुछ भी निष्प्रयोजन नहीं है। इस पुस्तक में उनके इसी मौन को व्याख्यायित करने की कोशिश की गई है।

विज्ञापन और ब्रांड

ले. : संजय सिंह बघेल

Rs. 250.00 (H.B.); 450.00 (H.B.)

वर्तमान बाजार संचालित समय में मानव जीवन के बीच विज्ञापन की बड़ी भूमिका है। यह पुस्तक विज्ञापन और ब्रांड के विभिन्न पहलुओं को विस्तार से व्याख्यायित करती है, जो इस क्षेत्र के अध्येताओं तथा रोजगार की तलाश करनेवाले पाठकों के लिए अत्यंत सहायक सिद्ध होगी।

2015-16 के महत्त्वपूर्ण प्रकाशन

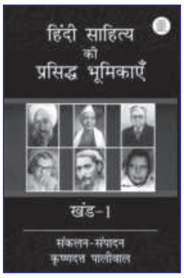

हिंदी साहित्य की प्रसिद्ध भूमिकाएँ (खंड-1)

संकलन-संपादन : कृष्णदत्त पालीवाल

Rs. 350.00 (P.B.); 600.00 (H.B.)

पुस्तक के इस खंड में निम्नलिखित भूमिकाएँ दी गई हैं—प्रियप्रवास, कबीर बचनावली, मेघनाद वध, मेघनाद वध और माइकेल, रुबाइयत उमर खय्याम, उमर खय्याम और उनकी कविता, तुलसी ग्रंथावली, भ्रमरगीत सार, जायसी ग्रंथावली, विश्व प्रपंच, पल्लव, परिमल, गीतिका, आधुनिक कवि-महादेवी तथा दीपशिखा।

अंग्रेजी राज के अधिकारियों की भूतों की कहानियाँ

सं. : रस्किन बॉण्ड

Rs. 130.00 (P.B.)

इस पुस्तक में भूतों के अस्तित्व को लेकर कोई अंधविश्वास नहीं फैलाया गया है, जैसा कि इस पुस्तक के संपादक रस्किन बाण्ड ने भूमिका में लिखा है कि भूतों की कहानियाँ डराने के लिए लिखी गई हैं, परंतु आप जानते हैं कि वे सिर्फ काल्पनिक हैं, ताकि आप भूतों से सतर्क हो सकें, ये दु:स्वप्न से जगाने के लिए हैं।

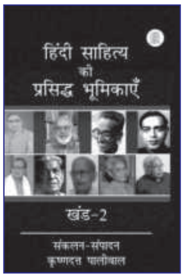

हिंदी साहित्य की प्रसिद्ध भूमिकाएँ (खंड-2)

संकलन-संपादन : कृष्णदत्त पालीवाल

Rs. 300.00 (P.B.); 600.00 (H.B.)

पुस्तक के इस खंड में निम्नलिखित भूमिकाएँ दी गई हैं—आधुनिक साहित्य, तारसप्तक, दूसरा सप्तक, तीसरा सप्तक, चौथा सप्तक, पुष्करिणी, रूपांबरा, चाँद का मुँह टेढ़ा है, चक्रवाल, आज के लोकप्रिय हिंदी कवि अज्ञेय, त्रिकाल संध्या, लोक जागरण और हिंदी साहित्य, आधुनिक कवि पुस्तक माला-24, पूर्वग्रह (पत्रिका)।

श्यामास्वप्न

ले. : ठाकुर जगमोहन सिंह, सं. : राजेन्द्र मिश्र

Rs. 110.00 (P.B.); 210.00 (H.B.)

भारतेंदु-युग के प्रसिद्ध रचनाकार ठाकुर जगमोहन सिंह का उपन्यास 'श्यामास्वप्न' अपनी काव्यात्मकता और प्रसन्न आधुनिकता की दृष्टि से अपूर्व कृति है। यह खड़ी बोली का पहला उपन्यास एक अद्भुत ढंग की अपनी अनूठी शैली में कलात्मक फैंटेसी है।

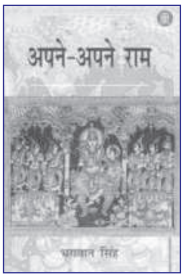

अपने-अपने राम

ले. : भगवान सिंह

Rs. 300.00 (P.B.); 500.00 (H.B.)

राम के व्यक्तित्व की यह विशेषता है कि विभिन्न भाषाओं में अब तक राम को आधार बनाकर हजारों रचनाएँ लिखी जा चुकी हैं। हिंदी में तुलसीदास से लेकर निराला तक और उसके बाद के रचनाकारों ने भी राम को आधार बनाकर महत्त्वपूर्ण कृति का सृजन किया। इस कड़ी में यह महाकाव्यात्मक औपन्यासिक रचना स्वयं में महान रचना स्थापित करता है।

शरारत की सजा

ले. : शैल तिवारी

Rs. 120.00 (P.B.); 200.00 (H.B.)

प्रस्तुत पुस्तक की कहानियों में आकस्मिक रूप से विविध जीवनानुभवों का सर्जनात्मक विस्फोट होता है। जीवन-जगत् की जटिल-संश्लिष्ट, सूक्ष्म वृत्तियों से वे अपने कथा-संसार का नया पाठ उठाती हैं। सभी कहानियां बड़े रोचक ढंग से सचित्र प्रस्तुत की गई हैं।

भारतीय नारी कोश

ले. : अमिताभ मिश्र

Rs. 100.00 (P.B.); 200.00 (H.B.)

'भारतीय नारी : विकास के सोपान : समर्पण और साधना' शीर्षक ग्रंथ के संपादक थे—भवानीप्रसाद मिश्र और यशपाल जैन। इन दोनों महानुभावों ने इस ग्रंथ में 'प्रसिद्ध भारतीय नारियाँ' नाम से एक भारतीय नारी कोश तैयार करवाया था और इसे तैयार किया था—अमिताभ मिश्र ने।

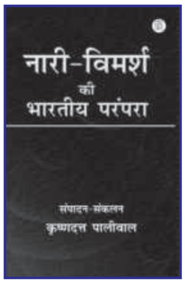

नारी विमर्श की भारतीय परंपरा

संकलन-संपादन : कृष्णदत्त पालीवाल

Rs. 175.00 (P.B.); 300.00 (H.B.)

स्वातंत्र्योत्तर भारत में नारी-विमर्श का स्वर प्रबलता से सुनाई देता है। मूलत: नारी-विमर्श या फेमिनिज्म एक पाश्चात्य अवधारणा है और मर्दवाद के समकक्ष नारियों की राजनीतिक, सामाजिक समानता का आंदोलन। प्रस्तुत पुस्तक के निबंध भारतीय चिंतकों के नारी-विमर्श-स्वर का एक नया रूप लिए हैं। इनका प्रबुद्ध पाठक अपने-अपने ढंग से भाष्य करेंगे।

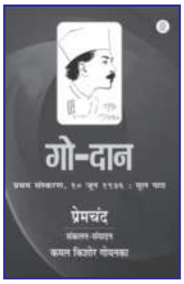

गोदान

संकलन-संपादन : कमल किशोर गोयनका

Rs. 320.00 (P.B.); 600.00 (H.B.)

'गो-दान' क्लासिक उपन्यास है। हिंदी उपन्यास की कीर्ति का शिखर है और विश्व के श्रेष्ठ उपन्यासों में से एक अद्भुत रचना। इस दृष्टि से पाठकों के सामने 'गो-दान' का वह पाठ आना ही चाहिए जिसे प्रेमचंद ने अपने जीवनकाल में स्वयं प्रकाशित किया था। 'गो-दान' का प्रथम संस्करण का प्रकाशन 10 जून 1936 को हुआ।

क्या पूरब क्या पच्छिम

ले. : विद्यानिवास मिश्र

Rs. 120.00 (P.B.); 220.00 (H.B.)

पं. विद्यानिवास मिश्र के निबंधों का यह रम्य संकलन उनके साहित्य-आराधक बंधु दयानिधि मिश्र ने बड़ी लगन और निष्ठा से तैयार किया है। पं. गिरीश्वर मिश्र ने इस संकलन की भूमिका लिखी है। इसमें बहुकेंद्रित विश्व की अवधारणा नई-नई अर्थापत्तियों के साथ प्रस्तुत है।

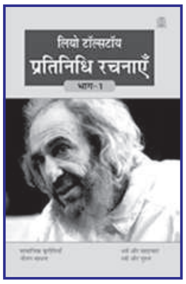

लियो टॉल्सटॉय : प्रतिनिधि रचनाएँ

(तीन खंडों में)

संपादक

कृष्णदत्त पालीवाल

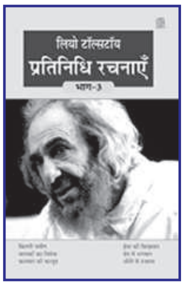

भाग-1	भाग-2	भाग-3
500/- (H.B.) 220/- (P.B.)	600/- (H.B.) 290/- (P.B.)	500/- (H.B.) 220/- (P.B.)

विश्वप्रसिद्ध चिंतक टॉल्सटॉय के साहित्य से हिंदी के पाठक भलीभाँति परिचित हैं। 'सस्ता साहित्य मंडल' से प्रकाशित उनके साहित्य का हिंदी अनुवाद अपार लोकप्रियता हासिल कर चुका है। वस्तुत: टॉल्सटॉय के साहित्य की उपादेयता देश-काल तक सीमित नहीं है, वह सब काल और सबके लिए समान रूप से उपयोगी है। इन रचनाओं के माध्यम से जो लेखक के उदात्त विचार सामने आते हैं वे आज भी हर व्यक्ति के लिए प्रेरक और ग्राह्य हैं।

दिल को छू लेने वाली कहानियाँ
अनु. : **स्वर्णकांता**
Rs. 300.00 (H.B.)
Rs. 130.00 (P.B.)

अंग्रेजी के अति लोकप्रिय लेखक रस्किन बॉण्ड द्वारा लिखित एवं संपादित पुस्तकें अब हिंदी में प्रकाशित

हिंदी के अलावा अन्य भारतीय एवं विदेशी भाषाओं के श्रेष्ठ साहित्य, हिंदी के पाठकों को उपलब्ध कराना 'सस्ता साहित्य मंडल' का ध्येय रहा है। इस क्रम में हम अंग्रेजी के अति लोकप्रिय लेखक पद्मश्री रस्किन बॉण्ड द्वारा लिखित एवं संपादित पुस्तकें पहली बार हिंदी पाठकों को सुलभ करा रहे हैं। प्रथम चरण में मंडल द्वारा प्रकाशित होनेवाली पुस्तकें हैं : *हनुमान आए बचाने, बहुत सारी परेशानियाँ, अजीबोगरीब लोग और अजीबोगरीब जगहें, भूतों से मुठभेड़, हर रास्ता गंगा की ओर, भारतीय दंतकथाएँ, अपराध-कथाएँ, हिमालय की कहानियाँ, क्रुद्ध नदी, अद्‌भुत किस्से, दिल को छू लेने वाली कहानियाँ, अंग्रेजी राज के अधिकारियों की भूतों की कहानियाँ और महान रोमांचक कथाएँ*। रस्किन बॉण्ड की शेष लोकप्रिय पुस्तकें भी जल्द ही हम पाठकों को उपलब्ध कराने जा रहे हैं। रस्किन बॉण्ड भारतीय संस्कृति और परिवेश से भली-भाँति परिचित हैं, यही कारण है कि वे जहाँ भारतीय दंतकथाओं का संग्रह करते हैं वहीं रामकथा का अपना एक अलग पाठ प्रस्तुत करते हैं। उनकी पुस्तकें सभी उम्र और वर्ग में लोकप्रिय रही हैं। आशा ही नहीं, हमें पूरा विश्वास है कि हिंदी के पाठक भी इन पुस्तकों में पूरी रुचि दिखाएँगे।

भारतीय दंतकथाएँ
अनु. : **मनीषा ख़लख़ो**
Rs. 250.00 (H.B.)
Rs. 100.00 (P.B.)

अजीबोगरीब लोग और अजीबोगरीब जगहें
अनु. : **सरिता शर्मा, अभिषेक कश्यप**
Rs. 200.00 (H.B.)
Rs. 100.00 (P.B.)

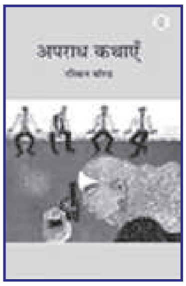

अपराध कथाएँ
अनु. : **सरिता शर्मा, अभिषेक कश्यप**
Rs. 250.00 (H.B.)
Rs. 100.00 (P.B.)

भूतों से मुठभेड़
अनु. : **अमित कुमार चौधरी**
Rs. 170.00 (H.B.)
Rs. 80.00 (P.B.)

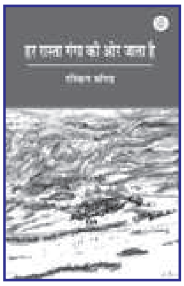

हर रास्ता गंगा की ओर
अनु. : **सुमन बाजपेयी**
Rs. 150.00 (H.B.)
Rs. 70.00 (P.B.)

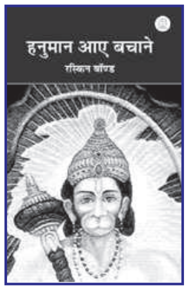

हनुमान आए बचाने
अनु. : **सुमन बाजपेयी**
Rs. 100.00 (H.B.)
Rs. 50.00 (P.B.)

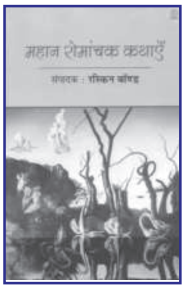

महान रोमांचक कथाएँ
अनु. : शमीम खान
Rs. 300.00 (H.B.)
Rs. 150.00 (P.B.)

क्रुद्ध नदी
अनु. : **डॉ. इंदु दत्ता**
Rs. 70.00 (P.B.)

अंग्रेजी राज के अधिकारियों की भूतों की कहानियाँ
अनु. : विपिन चौधरी
Rs. 130.00 (P.B.)

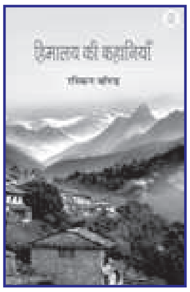

हिमालय की कहानियाँ
अनु. : **डॉ. इंदु दत्ता**
Rs. 160.00 (H.B.)
Rs. 75.00 (P.B.)

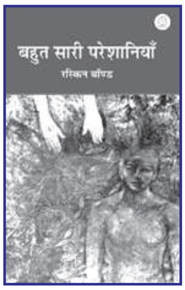

बहुत सारी परेशानियाँ
अनु. : **सुमन बाजपेयी**
Rs. 100.00 (H.B.)
Rs. 60.00 (P.B.)

अद्‌भुत किस्से
सं. : रस्किन बॉण्ड
Rs. 130.00 (P.B.)
Rs. 300.00 (H.B.)

हमारे प्रमुख प्रकाशन

इतिहास, संस्कृति और राजनीति

मेरी कहानी (संपूर्ण) : जवाहरलाल नेहरू 350.00
लेखक की विचार-प्रेरक तथा ज्ञानवर्द्धक आत्म-कथा।

मेरी कहानी (संक्षिप्त) : जवाहरलाल नेहरू 100.00
'मेरी कहानी' का युवकोपयोगी संस्करण।

विश्व-इतिहास की झलक (संपूर्ण : दो खंड) : जवाहरलाल नेहरू 800.00
'विश्व-इतिहास की झलक' का लोक-सुलभ संस्करण।

विश्व-इतिहास की झलक (संक्षिप्त) : जवाहरलाल नेहरू 250.00
'विश्व-इतिहास की झलक' का लोक-सुलभ संस्करण।

हिंदुस्तान की कहानी (संपूर्ण) : जवाहरलाल नेहरू 300.00
भारतीय इतिहास की अनमोल पुस्तक।

हिंदुस्तान की कहानी (संक्षिप्त) : जवाहरलाल नेहरू 100.00
'हिंदुस्तान की कहानी' का युवकोपयोगी संस्करण।

इतिहास के महापुरुष : जवाहरलाल नेहरू 100.00
विश्व के अनेक महापुरुषों का जीवन-परिचय और दर्शन।

राजनीति से दूर : जवाहरलाल नेहरू 65.00
सरस, प्रेरक तथा ललित निबंधों और मार्मिक संस्मरणों का संग्रह।

भारतीय स्वाधीनता संग्राम का इतिहास : इंद्र विद्यावाचस्पति 250.00
1857 की क्रांति से स्वाधीनता प्राप्ति तक की प्रमुख घटनाओं तथा आंदोलनों का वर्णन।

दक्षिण अफ्रीका के सत्याग्रह का इतिहास : गांधीजी 200.00
राजनीति के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर सत्याग्रह के पहले प्रयोग का इतिहास।

बापू की कारावास-कहानी : डॉ. सुशीला नैयर 300.00
आगा खाँ महल में बंदी जीवन का अभूतपूर्व दैनिक इतिहास।

गांधी साहित्य : मेरे समकालीन : सं. विष्णु प्रभाकर 250.00
अपने समय के राजनीतिज्ञों तथा सामान्य लोक सेवकों के गांधीजी द्वारा लिखित संस्मरण।

भारत की मूलभूत एकता : राधा कुमुद मुखर्जी : अनु. विपिन कुमार 50.00
लेखक की प्रासंगिक पृष्ठभूमि पर रचित 'फंडामेंटल युनिटी ऑफ इंडिया' का हिंदी रूपांतर।

भारतीय परंपरा की खोज : भगवान सिंह 150.00
भारतीय परंपरा और संस्कृति के कई प्रच्छन्न तत्त्वों को उद्घाटित करनेवाली पुस्तक।

प्राचीन भारत के इतिहासकार : भगवान सिंह 150.00
प्राचीन भारत के इतिहास पर काम करनेवाले इतिहासकारों के मूल्यांकन पर आधारित पुस्तक।

इतिहास के सवाल : नंदकिशोर आचार्य 100.00
यह पुस्तक सैद्धांतिक एवं व्यवहारिक इतिहास लेखन का अनुपम संयोजन है।

आर्य-द्रविड़ भाषाओं का अंतःसंबंध : भगवान सिंह 160.00
आर्य-द्रविड़ भाषाओं के मूल्यांकन पर आधारित पुस्तक।

प्रथम स्वाधीनता आंदोलन और लोकगीतों की संवेदना : सत्य प्रिय पाण्डेय 50.00
1857 के लोकगीतों पर आधारित पुस्तक।

पिता के पत्र पुत्री के नाम : सं. कृष्णदत्त पालीवाल 90.00
जवाहरलाल नेहरू द्वारा इंदिरा नेहरू को लिखे पत्रों का संग्रह।

महात्मा गांधी के पत्र जवाहरलाल नेहरू के नाम : सं. कृष्णदत्त पालीवाल 100.00
महात्मा गांधी द्वारा जवाहरलाल नेहरू को लिखे पत्रों का संग्रह।

Mithila Rising : Narenra Jha 250.00
This book has also portraits the ancient glory of Mithila Region.

चंपारण सत्याग्रह की कहानी : अरविंद मोहन 250.00
महात्मा गांधी के चम्पारण सत्याग्रह का सिलसिलेवार इतिहास।

चंपारण सत्याग्रह के सहयोगी : अरविंद मोहन 250.00
इस पुस्तक में महात्मा गांधी के चंपारण सत्याग्रह के सहयोगियों का वर्णन है।

बिहार में शिक्षा आंदोलन के योद्धा : केदार नाथ पाण्डेय 150.00
बिहार में शिक्षा आंदोलन से जुड़े लोगों के संघर्ष की कहानियाँ।

सिक्खों का इतिहास (दो भागों में) : बख्शीश सिंह 340.00
सिक्खों के इतिहास पर प्रकाश डालती लोकप्रिय पुस्तक।

झारखंड का इतिहास : शत्रुघ्न कुमार पाण्डेय 225.00
झारखंड पर एक उपयोगी एवं लोकप्रिय पुस्तक।

आत्मकथा और जीवनी

आत्मकथा (संपूर्ण) : गांधीजी (HB) 150.00
ऊँचे आदर्शों की ओर प्रेरित करनेवाली गांधीजी की (PB) 150.00
स्वलिखित जीवनी। रोचक, सरल और हृदयग्राही।

आत्मकथा (संक्षिप्त) : गांधीजी 80.00
आत्मकथा का युवकोपयोगी संस्करण।

आत्मकथा (संपूर्ण) : डॉ. राजेंद्र प्रसाद 300.00
डॉ. राजेंद्र प्रसाद द्वारा लिखी रोचक, सरल एवं ऊँचे आदर्शों की ओर प्रेरित करनेवाली उनकी जीवनी।

आत्मकथा (संक्षिप्त) : डॉ. राजेंद्र प्रसाद 150.00
डॉ. राजेंद्र प्रसाद द्वारा लिखी रोचक, सरल एवं ऊँचे आदर्शों की ओर प्रेरित करनेवाली उनकी संक्षिप्त जीवनी।

गांधी : एक जीवनी : बी. आर. नंदा 175.00
गांधीजी के जीवन और उनके राजनैतिक आंदोलनों का चित्रण, उनके लक्ष्यों, सफलताओं तथा उपलब्धियों का विवेचन।

मेरा जीवन-प्रवाह : वियोगी हरि 20.00
हिंदी के विशिष्ट लेखक की सुपाठ्य आत्मकथा।

एक महान साधिका की कहानी : वीणा गवाणकर
अनु. प्रतिभा डिके 30.00
एक विदेशी महिला की भारत-सेवा की अपूर्व गाथा।

अमृतस्य कन्या : शीला कड़कीआ 25.00
आचार्य विनोबा के आश्रम की अनन्य साधिका सुशीला के साधनामय जीवन की बोधप्रद कहानी।

आधुनिक शिक्षा-शिल्पी : कर्मवीर भाऊराव पाटिल
अनु. अ.भा. मगदुम 20.00
महाराष्ट्र के यशस्वी शिक्षाविद् की अनुपम जीवनी।

इंदु से प्रधानमंत्री : कृष्णा हठीसिंग 100.00
श्रीमती इंदिरा गांधी की पारिवारिक जीवन-कथा, एक दर्जन दुर्लभ भावपूर्ण चित्रों सहित।

गांधी की कहानी : लुई फिशर 150.00
सुप्रसिद्ध अमरीकी पत्रकार द्वारा लिखित सुपाठ्य जीवनी।

सबके बापू : बाबूराव जोशी 45.00
गांधीजी के जीवनी का संक्षिप्त एवं सुलभ छात्रोपयोगी संस्करण।

भारतीय नारियाँ : मानिक बच्छावत 65.00
आधुनिक भारत के निर्माण में प्रमुख भूमिका निभानेवाली महिलाओं की जीवनी।

ये कीर्ति स्तंभ : मानिक बच्छावत 65.00
भारत की महान विभूतियों की जीवनियाँ।

साहित्यकार होना : गोविन्द मिश्र 110.00
लेखक गोविन्द मिश्र की आत्मकथात्मक पुस्तक।

बंदियों की आत्मकथाएँ : सुरेंद्र कुमार शर्मा 90.00
प्रस्तुत पुस्तक में हरिद्वार और देहरादून जेल के बंदियों की आत्मकथाएँ हैं।

माँ, मैं जेल में हूँ : सुरेंद्र कुमार शर्मा 110.00
प्रस्तुत पुस्तक में हरिद्वार और देहरादून जेल के तरुण बंदियों की आत्मकथाएँ हैं।

हिमालय में महात्मा गांधी के सिपाही :
सुन्दरलाल बहुगुणा : खड्ग सिंह वल्दिया 180.00
यह पुस्तक पर्यावरण रक्षा आंदोलन में जन भागीदारी का इतिहास भी है।

संस्मरण, रेखाचित्र एवं डायरी

राष्ट्रपिता : जवाहरलाल नेहरू 120.00
गांधीजी के संपर्क, संसर्ग तथा उनके प्रकाश में स्वाधीनता-संग्राम की ज्ञानवर्द्धक गाथा।

सेतु निर्माता : यशपाल जैन 35.00
विदेशों में रहनेवाले भारत और भारतीय संस्कृति के उन्नायकों के हृदयस्पर्शी संस्मरण।

मील के पत्थर : रामवृक्ष बेनीपुरी 50.00
हृदयस्पर्शी रेखाचित्र तथा संस्मरण।

दिव्य जीवन की झाँकियाँ : यशपाल जैन 35.00
बोध-कथाएँ, विशिष्ट पुरुषों के जीवन-प्रसंग तथा देश-विदेश के प्रवासों की शिक्षाप्रद अनुभूतियाँ।

गांधीजी का जीवन-प्रभात : सं. अशोक 50.00
गांधीजी के जीवन की प्रमुख घटनाएँ, आत्मकथा से संकलित।

बीते दिन, वे लोग : लक्ष्मीनिवास बिड़ला 25.00
विभिन्न व्यक्तियों के मधुर और मार्मिक संस्मरण।

कोई शिकायत नहीं : कृष्णा हठीसिंग 20.00
नेहरू परिवार की अंतरंग हृदय-स्पर्शी कहानी, त्याग और देशभक्ति का मर्मस्पर्शी विवरण।

आपबीती : कृष्णा मेहता 35.00
कश्मीर पर हमला और उसके बाद की घटनाओं तथा जवाहरलाल नेहरू के वात्सल्य की मर्मस्पर्शी कहानी।

आधुनिक भारत की विभूतियाँ : यशपाल जैन 80.00
भारत के कतिपय निर्माताओं के जीवन-वृत्त तथा संस्मरण।

बापू : घनश्याम दास बिड़ला 65.00
गांधीजी के संपर्क में आए हुए लेखक का रोचक संस्मरण।

मेरी जीवन यात्रा : जानकीदेवी बजाज 90.00
एक आदर्श नारी की जीवन-गाथा का सरल, सुबोध एवं भावपूर्ण संस्मरण।

कर्मठ माता : दुलह सिंह कोठारी 30.00
हृदयस्पर्शी, रोचक एवं प्रेरणादायक संस्मरण।

बाबा की छत्रछाया में : तारा सिन्हा 150.00
डॉ. राजेंद्र प्रसाद की पौत्री द्वारा राष्ट्रपति भवन के उस समय की विभिन्न गतिविधियों का संस्मरण।

बीता युग नई याद : सीताराम सेकसरिया 110.00
आधुनिक भारत के निर्माण में भूमिका निभानेवाले प्रमुख विभूतियों का सरस स्मरण किया गया है।

दरवाज़ा खुला रखना : सं.-पद्मा सचदेव 130.00
डोगरी की प्रसिद्ध लेखिका पद्मा सचदेव के द्वारा इब्ने इंशा का आत्मीय स्मरण किया गया है

श्री रमण महर्षि : सं.-प्रो. लक्ष्मीनारायण 220.00
नई पीढ़ी श्री रमण महर्षि के विचारों को अपनाने के साथ-साथ भारतीय अध्यात्म परंपरा से जुड़ने का प्रयास करेगी।

कृति और कृतिकार : मृदुला गर्ग 90.00
इस कृति में ग्यारह सहयात्रियों के आत्मीय संस्मरण हैं।

महात्मा की छाया में : सं.-इला रमेश भट्ट 100.00
गांधीवादी डॉक्टर मणिधर के जीवन में घटनेवाली महत्त्वपूर्ण घटनाओं पर आधारित एक डायरी।

बापू हमारे साथ : रीमा नाणावटी 60.00
इस पुस्तक को पढ़ने से नई पीढ़ी में परसेवा का भाव जागृत होगा।

इंदिरा गांधी : मेरी माँ : पद्मा सचदेव 60.00
इस पुस्तक में गांधी के मातृत्व प्रेम को दर्शाया गया है।

कठिन मोड़: निवेदिता बक्शी 55.00
इस पुस्तक में जीवन के संघर्षों से उभरने की प्रेरणा दी गई है।

धीरे-धीरे, धीरे-धीरे: अजितकुमार 90.00
अजितकुमार की 'अंकन' कला से संपन्न कृति।

बापू और उनकी दिनचर्या : सं. : डॉ. गौरीशंकर गुप्त 150.00
लेखक ने इस पुस्तक के माध्यम से बापू की दिनचर्या को प्रस्तुत करने का सराहनीय प्रयास किया है ताकि लोग उनका अनुकरण कर सकें।

बारहदरी : पद्मा सचदेव 150.00
यह पुस्तक साहित्य की विभिन्न विधाओं का कोलॉज है।

जीवन क्या जिया! : तारानन्द वियोगी 160.00
एक रूढ़िभंजक साहित्यकार के उत्तर-प्रसंग।

काशी प्रसाद जायसवाल : रतन लाल 250.00
जायसवाल जी पर आधारित संस्मरणों का संकलन।

गांधी जी : स्मृति लेखों का आलोक : कृष्णदत्त पालीवाल 200.00
गांधी जी द्वारा लिखित संस्मरणों का संकलन।

गांधी जी : स्वाधीनता संग्राम की सगोतिया : कृष्णदत्त पालीवाल 175.00
गांधी जी द्वारा लिखित संस्मरणों का संकलन।

गांधी अभिनंदन ग्रंथ : सं. सर्वपल्ली राधाकृष्णन 250.00
गांधी जी पर देश-विदेश के विद्वानों के संस्मरणों का संकलन।

कहानी साहित्य/संचयन

बहता पानी निर्मला : भागीरथ कानोडिया 200.00
राजस्थान की सौ से अधिक मनोरंजक और बोधप्रद कथाएँ।

सप्तदशी : सं. विष्णु प्रभाकर 45.00
हिंदी की सतरह प्रतिनिधि कहानियाँ।

कुब्जा सुंदरी : चक्रवर्ती राजगोपालाचार्य 70.00
विचार-प्रेरक तथा शिक्षाप्रद कहानियाँ।

दु:खी दुनिया : चक्रवर्ती राजगोपालाचार्य 15.00
मार्मिक कहानियों का संग्रह।

जातक कथाएँ : भदंत आनंद कौसल्यायन 90.00
भगवान बुद्ध के पूर्व जीवन की चुनी हुई कथाएँ।

प्रकाश की रेखा : रणजित भट्टाचार्य 20.00
दैनिक जीवन की घटनाओं का शिक्षाप्रद विवरण।

नैतिक कथाएँ : यशपाल जैन 60.00
जीवनोपयोगी लघुकथाओं का संग्रह।

अमर कथाएँ : यशपाल जैन 45.00
जीवन की दिशा-दर्शक लघु कथाएँ।

आदर्श कथाएँ : यशपाल जैन 50.00
उदात्त जीवन की प्रेरक कथाएँ।

ज्ञान-कथाएँ : यशपाल जैन 60.00
मानवीय मूल्यों की उद्‍बोधक कथाएँ।

कहावतों की कहानियाँ : महाबीर प्रसाद पोद्दार 60.00
चुनी हुई कहावतें और उनकी रोचक कहानियाँ।

प्रेरक कथाएँ : यशपाल जैन 45.00
पठनीय, मननीय तथा अनुकरणीय लघु कथाएँ।

आलोक कथाएँ : यशपाल जैन 50.00
जीवन की दिशा-दर्शक लघु कथाएँ।

पीड़ पराई : मकरंद दवे 30.00
मानवीय संवेदनाओं से ओत-प्रोत मर्मस्पर्शी लघु कहानियाँ तथा जीवन प्रसंग।

खंडित पूजा : विष्णु प्रभाकर 80.00
मौलिक कहानियों का रोचक संग्रह।

जीवन पराग : विष्णु प्रभाकर 40.00
मनुष्य के जीवन पर आधारित सच्ची एवं रोचक कहानी।

रास्ते की तलाश : विजयदान देथा बिज्जी 90.00
प्रतिनिधि कहानियों का संकलन।

सिस्टर यू आर ग्रेट : प्रो० गिरिराज किशोर 100.00
पाठकों की पसंदीदा कहानी संग्रह।

मनोज दास कृत कहानी संग्रह : मनोजदास : अनु. अजय कु. पटनायक 70.00
उड़िया कहानियों का हिंदी रूपांतर।

एक औरत एक जिन्दगी : रामदरश मिश्र 70.00
ग्यारह कहानियों का रोचक संग्रह।

उन्नीस प्रतिनिधि कहानियाँ : मिथिलेश्वर 140.00
चर्चित कथाकार मिथिलेश्वर की श्रेष्ठ कहानियों का संग्रह।

अचर्चित लघु कहानियाँ : शकुंतला दुबे 40.00
सफल मनोचिकित्सक की दस कहानियों का संग्रह।

नगा पर्वत की एक घटना : अज्ञेय 85.00
अज्ञेय की प्रतिनिधि कहानियाँ।

कथा सरित्सागर : सोमदेव, संपा.-विष्णु प्रभाकर 220.00
सोमदेव रचित प्रसिद्ध ग्रंथ कथा सरित्सागर का हिंदी अनुवाद।

श्रेष्ठ कहानियाँ : हिमांशु जोशी 100.00
हिमांशु जोशी की श्रेष्ठ कहानियाँ।

भारतीय दंतकथाएँ : रस्किन बॉण्ड, अनु.-मनीषा ख़लखो 100.00
लोकप्रिय लेखक रस्किन बॉण्ड द्वारा लिखित पुस्तक का अंग्रेजी से हिंदी अनुवाद।

अपराध-कथाएँ : रस्किन बॉण्ड, अनु.-सरिता शर्मा, अभिषेक कश्यप 100.00
लोकप्रिय लेखक रस्किन बॉण्ड द्वारा लिखित पुस्तक का अंग्रेजी से हिंदी अनुवाद।

अजीबोगरीब लोग और अजीबोगरीब जगहें : रस्किन बॉण्ड, अनु.-सरिता शर्मा, अभिषेक कश्यप 100.00
लोकप्रिय लेखक रस्किन बॉण्ड द्वारा लिखित पुस्तक का अंग्रेजी से हिंदी अनुवाद।

भूतों से मुठभेड़ : सं.-रस्किन बॉण्ड, अनु.-अमित कुमार चौधरी 80.00
लोकप्रिय लेखक रस्किन बॉण्ड द्वारा संपादित पुस्तक का अंग्रेजी से हिंदी अनुवाद।

हर रास्ता गंगा की ओर : रस्किन बॉण्ड, अनु.-सुमन बाजपेयी 70.00
लोकप्रिय लेखक रस्किन बॉण्ड द्वारा लिखित पुस्तक का अंग्रेजी से हिंदी अनुवाद।

हनुमान आए बचाने : रस्किन बॉण्ड, अनु.-सुमन बाजपेयी 50.00
लोकप्रिय लेखक रस्किन बॉण्ड द्वारा लिखित पुस्तक का अंग्रेजी से हिंदी अनुवाद।

बहुत सारी परेशानियाँ : रस्किन बॉण्ड, अनु.-सुमन बाजपेयी 60.00
लोकप्रिय लेखक रस्किन बॉण्ड द्वारा लिखित पुस्तक का अंग्रेजी से हिंदी अनुवाद।

पशु प्रेम की कहानियाँ : द.न. मामिन-सिबिर्याक, सं.-हेमचंद्र पांडे 70.00
द.न. मामिन-सिबिर्याक द्वारा लिखित रूसी कहानियों का हिंदी अनुवाद ।

हिमालय की कहानियाँ : रस्किन बॉण्ड 75.00
इस पुस्तक में हिमालय क्षेत्र की कहानियों को रस्किन बॉण्ड ने अपने अंदाज में पेश किया है।

दस कहानियाँ : रामकुमार मुखोपाध्याय 65.00
बांग्ला के चर्चित कथाकार रामकुमार मुखोपाध्याय के कहानियों का हिंदी अनुवाद।

और रमा लौट आई : डॉ. योगेंद्रनाथ शर्मा 'अरुण' 75.00
जीवन की आपाधापी के बीच जीवन-मूल्यों के राग को सुरक्षित रखनेवाली कहानियाँ।

रवींद्रनाथ की कहानियाँ : दस नारियाँ : सं.-रामकुमार मुखोपाध्याय 150.00
प्रस्तुत पुस्तक में रवींद्रनाथ ठाकुर की चुनी हुई प्रतिनिधि कहानियाँ हैं जो हर पाठक वर्ग के लिए संग्रहणीय है।

महाविजय : डॉ. योगेंद्रनाथ शर्मा 'अरुण' 90.00
डॉ. योगेंद्रनाथ शर्मा 'अरुण' ने बड़े ही मनोयोगपूर्वक इन बाल कथाओं को एक सूत्र में पिरोया है।

रुको, इंतजार हुसैन : राजी सेठ 110.00
14 कहानियों का यह संकलन लेखिका के कथा-सरोकार और उसके वृहतर आयाम को पाठकों के समक्ष रखता है।

प्रतिनिधि मलयालम कहानियाँ : सं.-पी.के. राधामणि 170.00
इस संकलन में मलयालम के इकतीस प्रतिनिधि कथाकारों की कहानियाँ संकलित की गई हैं।

उपदिष्ट तथा अन्य कहानियाँ : सुधा सिन्हा 75.00
इस संकलन में सुधा सिन्हा की 18 कहानियाँ संकलित की गई हैं।

हिंदी@स्वर्ग.इन : दिव्या माथुर 220.00
इस संकलन में प्रसिद्ध लेखिका दिव्या माथुर की पच्चीस कहानियाँ संकलित की गई हैं।

रोशनी वाली खिड़की : माधव कौशिक 110.00
इस संकलन में प्रसिद्ध कहानीकार माधव कौशिक की पच्चीस कहानियाँ संकलित की गई हैं।

टी.वी. में चंपा : संजय सिंह 150.00
इस संकलन में प्रसिद्ध युवा कथाकार संजय सिंह की सत्रह कहानियाँ संकलित की गई हैं।

प्रेमचंद : प्रतिनिधि संचयन : सं.-कमल किशोर गोयनका 350.00
इस संकलन में प्रेमचंद के बहुचर्चित 'निर्मला' उपन्यास सहित पच्चीस श्रेष्ठ कहानियाँ, पत्र, लेख एवं प्रेमचंद की अन्य महत्त्वपूर्ण रचनाएँ संकलित हैं।

महान रोमांचक कथाएँ : सं. रस्किन बॉण्ड 150.00
इस संकलन में अनेक रोमांचक कहानियों के माध्यम से प्रेरणा दी गई है।

प्रेमचंद :संपूर्ण दलित कहानियाँ : सं.-कमल किशोर गोयनका 250.00
इस पुस्तक में प्रेमचंद की चालीस कहानियों का संग्रह है।

एकतीस कहानियाँ : ले.-सुदर्शन वशिष्ठ 210.00
इस पुस्तक में प्रेरणा देने वाली 31 कहानियों का संग्रह है।

समुद्र पार की विशिष्ट कहानियाँ : सत्येंद्र शरत 120.00
इस पुस्तक में विदेशी लेखकों की विशिष्ट कहानियों का संग्रह है।

तुम्हें पाकर : पुष्पा सक्सेना 130.00
इस संकलन में अनेक कहानियों के माध्यम से प्रेरणा दी गई है।

अंग्रेजी राज के अधिकारियों की भूतों की कहानियाँ :
सं. : रस्किन बॉण्ड 130.00
लेखक ने इस पुस्तक के माध्यम से भूतों के अस्तित्व को लेकर अनेक कहानियाँ प्रस्तुत की हैं ताकि लोग वास्तविक सच्चाई को जान सकें।

अद्भुत किस्से : सं. रस्किन बॉण्ड 130.00
इस संकलन में अनेक कहानियों के माध्यम से प्रेरणा दी गई है।

दिल को छू लेनेवाली कहानियाँ : सं. रस्किन बॉण्ड 130.00
इस संकलन में अनेक कहानियों के माध्यम से प्रेरणा दी गई है।

नया मानसरोवर (8 खंडों में) : प्रेमचंद : सं. कमल किशोर गोयनका 3200.00
इस पुस्तक में प्रेमचंद के 299 कहानियों को संकलित किया गया है।

किस्सा घर : सं. अखिलेश 400.00
इस पुस्तक में प्रसिद्ध लेखकों की 21 कहानियाँ प्रकाशित की गई हैं।

गोपालराम गहमरी : प्रसिद्ध जासूसी कहानियाँ : सं. संजय कृष्ण 150.00
इस पुस्तक में गोपालराम गहमरी की 8 प्रसिद्ध जासूसी कहानियाँ प्रकाशित की गई हैं।

गांधी संचयन : सं. प्रो. गिरीश्वर मिश्र एवं डॉ. डी.एन. प्रसाद 150.00
जीवन के विभिन्न पक्षों को उजागर करती गांधी जी के विचारों को संक्षिप्त संग्रह।

काशी प्रसाद जायसवाल संचयन (तीन खंडों में) : सं. रतन लाल 570.00
जायसवाल जी पर केंद्रित एक जीवनोपयोगी संग्रह।

मंदिर... गाँव किनारे : गोविंद मिश्र 120.00
शिक्षाप्रद कहानियों का संग्रह।

उपन्यास साहित्य

आँचल और आग : लक्ष्मीनिवास बिड़ला 12.00
बलिदान और प्रेम की गाथा पर लिखित रोचक, ऐतिहासिक उपन्यास।

प्रेम की देवी : लक्ष्मीनिवास बिड़ला 40.00
राजस्थान की महान नारी कोड़म दे के साहसिक, त्यागपूर्ण आख्यान पर रचित हृदयस्पर्शी उपन्यास।

सुल्तान और निहालदे : लक्ष्मीनिवास बिड़ला 15.00
ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर रचित, संवेदना से परिपूर्ण, रोचक तथा मार्मिक उपन्यास।

गौरप्रिया : डॉ. सुमति क्षेत्रमाडे 40.00
चैतन्य महाप्रभु के दिव्य जीवन पर आधारित उपन्यास।

मोगरा फूला : वि. स. खांडेकर 35.00
सामाजिक पृष्ठभूमि पर रचित मार्मिक उपन्यास।

अग्निशिखा : गोपाल नीलकंठ दांडेकर : अनु. मीरा नाँदगाँवकर 25.00
महान संत समर्थ रामदास के क्रांतिकारी जीवन पर प्रेरणादायी उपन्यास।

अथाह की थाह : गोपाल नीलकंठ दांडेकर : अनु. मीरा नाँदगाँवकर 20.00
जीवन को उदात्त बनाने की प्रेरणा से ओत-प्रोत उपन्यास।

तूफान और ज्योति : सुमति घनवटे 50.00
एक नारी के संघर्षमय जीवन पर आधारित मार्मिक उपन्यास।

चट्टान नहीं पिघलती : यशपाल जैन 20.00
सुपाठ्य, विचार-प्रेरक, मार्मिक उपन्यास।

अमृतघट : यशपाल जैन 50.00
देश की वर्तमान अवस्था पर आधारित विचार-प्रेरक तथा मूल्य-परक उपन्यास।

कित्तूर की रानी : अ. न. कृष्णराव 15.00
कर्णाटक की वीरांगना रानी चेन्नमा के रोमांचकारी जीवन पर आधारित ऐतिहासिक उपन्यास।

ज्वालामुखी : अनंत गोपाल शेवड़े 20.00
सन् 1942 की क्रांति पर रचित मार्मिक उपन्यास।

नवीन यात्रा : मनोज बसु 20.00
वास्तविक शिक्षा का बोध करानेवाला उपन्यास।

भोर की आहट : यशपाल जैन 50.00
देश की वर्तमान दुरवस्था का चित्रण करनेवाला उपन्यास।

राजकुमार की प्रतिज्ञा : यशपाल जैन 40.00
मनोरंजक तथा रोमांचकारी उपन्यास।

प्रियदर्शी अशोक : हरिभाऊ उपाध्याय 90.00
सम्राट अशोक के जीवन पर आधारित काल्पनिक उपन्यास।

जागो तभी सवेरा : जय भिक्खु 55.00
ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर रचित लोकोपयोगी साहित्य।

देवदासी : बालकृष्ण भगवंत वोरकर 90.00
गोआ पर लिखी गई हृदयस्पर्शी व सामाजिक उपन्यास।

अब ना बनेगी देहरी : पद्मा सचदेव 100.00
रोमांचकारी विश्व-विख्यात उपन्यास।

अमृत फल : मनोजदास; अनु. सुधा 110.00
सरस्वती सम्मान द्वारा सम्मानित उड़िया उपन्यास का हिंदी अनुवाद।

मधुश्रावणी : शैलेंद्र मोहन झा; अनु. प्रोमिला 70.00
प्रसिद्ध मैथिली उपन्यास का हिंदी अनुवाद।

जिंदगी की किताब : के.पी. रामनुण्णी; अनु. डॉ.पी.के. राधामणि 200.00
मलयालम के बहुचर्चित उपन्यास का हिंदी अनुवाद।

नीली चमेली की रहस्यमयी घाटी : अमित दासगुप्ता; अनु. विपिन कुमार 100.00
रहस्य और मिथ के तानों-बानों से रचे अंग्रेजी उपन्यास का हिंदी अनुवाद।

यथा प्रस्तावित : गिरिराज किशोर 120.00
इस उपन्यास में दलित श्री बालेश्वर राम चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी की कथा-व्यथा का समाजशास्त्रीय एवं मनोवैज्ञानिक अंतर-इतिहास है।

काले कोस : प्रमोद त्रिवेदी 140.00
प्रस्तुत उपन्यास में महानगरों की हकीकतों से रूबरू करवाया गया है।

महाभिषग : भगवान सिंह 120.00
भगवान बुद्ध पर आधारित एक महत्वपूर्ण उपन्यास।

उन्माद : भगवान सिंह 220.00
सांप्रदायिक दंगों पर आधारित महत्वपूर्ण उपन्यास।

प्रभंजन : मनोज दास 150.00
उड़िया के प्रसिद्ध उपन्यास का हिंदी रूपांतरण।

गोदान : संकलन-संपादन कमलकिशोर गोयनका 320.00
प्रेमचंद का बहुचर्चित क्लासिक उपन्यास।

श्यामास्वप्न : ठाकुर जगमोहन सिंह 110.00
खड़ी बोली का पहला प्रसिद्ध उपन्यास।

अपने-अपने राम : ले. : भगवान सिंह 300.00
यह महाकाव्यात्मक औपन्यासिक रचना स्वयं में एक महान कृति है।

नक्सल : उद्भ्रांत 110.00
उद्भ्रांत का सुप्रसिद्ध उपन्यास।

कर्मभूमि : प्रेमचंद; सं. कमल किशोर गोयनका 400.00
प्रेमचंद का बहुचर्चित उपन्यास।

यान : एस.एल. भैरप्पा 250.00
अंतरिक्ष विज्ञान पर एक बहुचर्चित उपन्यास।

समाज और संस्कृति

भारत सावित्री : वासुदेवशरण अग्रवाल 300.00
महाभारत का सारगर्भित अध्ययन, आदि पर्व से विराट पर्व, उद्योग पर्व से स्त्री पर्व तथा शांति, अनुशासन एवं अन्य पर्व।

युगांत : इरावती कर्वे 75.00
महाभारत के पात्रों का समीक्षात्मक विश्लेषण।

रामायणकालीन संस्कृति : शा. ना. व्यास 275.00
वाल्मीकि-रामायण में वर्णित सामाजिक, आर्थिक तथा प्रशासनिक व्यवस्था का प्रामाणिक और ज्ञानवर्द्धक अध्ययन।

रामायणकालीन समाज : शा. ना. व्यास 275.00
वाल्मीकि-रामायण में वर्णित आचार, विचार, कला, साहित्य, विज्ञान, धर्म और दर्शन का सारगर्भित अध्ययन।

भारतीय संस्कृति : साने गुरुजी 130.00
भारतीय संस्कृति की विशेषताओं का सरल तथा मानवीय विवेचन।

हमारी संस्कृति के प्रतीक : महादेव शास्त्री जोशी 75.00
भारतीय संस्कृति के प्रमुख तेरह प्रतीकों का भाव-पूर्ण परिचय।

संस्कृति क्या है ? : विष्णु प्रभाकर 90.00
मनुष्य को सभ्य बनाने में संस्कृति ही कारण बनती है और यही मनुष्य को विनम्र बनाती है। संस्कार-विहीन संस्कृति का नाम विकृति है। इस बात को विष्णु प्रभाकर जी ने बड़े ही सरल ढंग से वर्णन किया है।

हिंदू धर्म : वियोगी हरि 50.00
हिंदू धर्म का संक्षिप्त, सरल, सुबोध विवेचन।

हमारी पुरातन कथाएँ : वियोगी हरि 75.00
चुनी हुई शिक्षाप्रद कहानियाँ।

जीवन की चुनौती : लक्ष्मीनिवास बिड़ला 35.00
विचार-प्रेरक निबंधों में वर्तमान महत्त्वपूर्ण प्रश्नों पर प्रकाश।

कहिए समय विचारि : लक्ष्मीनिवास बिड़ला 25.00
मनोविज्ञान पर आधारित, गहन अनुभव से युक्त निबंध।

एक मॉरीशसवासी की हिंदी-यात्रा : सोमदत्त बखोरी 20.00
भारत के पड़ोसी देश मॉरीशस में हिंदी के विकास की कहानी।

धर्म, अध्यात्म और दर्शन

विनय पत्रिका : तुलसीदास। संपा. टीकाकार : वियोगी हरि 200.00
जीवन में आध्यात्मिक प्रेरणा देनेवाली विख्यात पुस्तक।

संत सुधासार : वियोगी हरि 300.00
संतों के वचनों का संग्रह।

भागवत धर्म : हरिभाऊ उपाध्याय (दो भाग) 260.00
श्रीमद्भागवत के एकादश स्कंध के एक से अन्तिम इकतीसवें अध्याय तक का विवेचन।

ओम् नमो भगवते वासुदेवाय : संकलनकर्ता : घनश्याम दास बिड़ला 75.00
श्रीमद्भागवत की विविध स्तुतियों से 11 परम भागवतों की स्तुतियों का संकलन।

मानव और धर्म : इंद्रचंद्र शास्त्री 50.00
जीवन में धर्म के महत्त्व का विवेचन।

हमारी परंपरा : वियोगी हरि 300.00
भारतीय धर्म तथा संस्कृति का संक्षिप्त परिचय।

सहस्रधारा : पाण्डुरंग राव 100.00
'विष्णु सहस्रनाम' के प्रत्येक नाम का मूल्य-परक विवेचन।

धर्म-नीति : महात्मा गांधी 100.00
जीवन संबंधी नैतिक और धार्मिक कृतियों तथा लेखों का संग्रह।

भगवद्गीता : चक्रवर्ती राजगोपालाचार्य 50.00
जीवन-शोधन के लिए अपूर्व प्रकाशन।

भजगोविंदम् स्तोत्र : चक्रवर्ती राजगोपालाचार्य 35.00
अनु. लक्ष्मी देवदास गांधी, पद्यानुवाद सियारामशरण गुप्त।
श्री शंकराचार्य का भजगोविंदम् स्तोत्र, उसके सरस, सुबोध तथा रोचक पद्यानुवाद सहित।

स्थितप्रज्ञ दर्शन : विनोबा 80.00
गीता प्रवचन के उपरांत स्थितप्रज्ञ के लक्षणों पर आचार्यजी के व्याख्यानों का संग्रह।

जागे मंगल प्रेरणा : सत्यनारायण गोयनका 100.00
मानव-जीवन के उत्कर्ष के लिए उद्‌बोधक विचार।

निर्मल धारा धर्म की : सत्यनारायण गोयनका 65.00
जीवन को स्वस्थ तथा समुन्नत बनानेवाली पुस्तक।

अमृतानुभव : ज्ञानेश्वरः संकलन तथा टीकाः सुशीला,ज्योति पाटणकर 35.00
जीवन के मर्म का बोध करानेवाली पोथी।

साधना पथ : शिवदयाल सजि. 20.00, अजि. 15.00
जीवन के उत्कर्ष के लिए पठनीय सामग्री का संकलन।

गीता-बोध : गांधीजी 50.00
गीता के प्रत्येक अध्याय का सार।

गीता की महिमा : गांधीजी 45.00
गीता के महत्त्व पर प्रकाश डालनेवाले लेख।

गीता-माता : गांधीजी 150.00
गीता का गांधीजी द्वारा हिंदी अनुवाद, सार, शब्द-कोश तथा स्फुट लेख, इत्यादि का संग्रह।

अनासक्ति योग : गांधीजी 100.00
श्रीमद्‌भगवद्‌गीता, अनुवाद सहित।

ध्यान और नाम : भरतसिंह उपाध्याय 25.00
ध्यान और भगवद् नाम का सारगर्भित विवेचन।

उपनिषदों का बोध : काकासाहब कालेलकर 50.00
उपनिषद्-साहित्य में से चुने हुए वचनों का अनुशीलन।

उपनिषद् : चक्रवर्ती राजगोपालाचार्य 35.00
सरल-सुबोध शैली में उपनिषदों का विवेचन।

वेदांत : चक्रवर्ती राजगोपालाचार्य 40.00
ऋषियों के ज्ञान को अपने बहुमूल्य अनुभवों के परिपक्व निष्कर्षों के साथ मिलाकर प्रस्तुतीकरण।

तमिल वेद : संत तिरुवल्लुवर 45.00
दक्षिण भारत के महान संत तिरुवल्लुवर द्वारा रचित 'तिरुक्कुरल' का चरित्र-निर्माण की प्रेरणा से ओतप्रोत भावानुवाद।

बुद्धवाणी : सं. वियोगी हरि 50.00
गौतम बुद्ध के मूल्यवान वचनों का संग्रह।

बुद्ध और बौद्ध साधक : भरतसिंह उपाध्याय 50.00
भगवान बुद्ध और उनके कतिपय शिष्य-शिष्याओं के जीवन-वृत्त।

बोधिवृक्ष की छाया में : भरतसिंह उपाध्याय 65.00
बुद्ध और बौद्ध धर्म संबंधी निबंध।

बुद्ध : जीवन और दर्शन : डॉ. सद्धातिस्स, अनु. विट्ठलदास मोदी 50.00
भगवान बुद्ध की जीवनी के साथ उनके विचारों का विकास-क्रम, उनका साधना-पथ, उनके धर्म की रूपरेखा और उनके उपदेश।

संतवाणी : सं. वियोगी हरि 80.00
विभिन्न संतों के चुने हुए वचन।

गोस्वामी तुलसीदास के सुबोध दोहे : सं. वियोगी हरि 35.00
बोधप्रद दोहे और उनका भावार्थ।

कबीर साहब की सुबोध साखियाँ : सं. वियोगी हरि 40.00
शिक्षाप्रद साखियाँ और उनका भावानुवाद।

वृंद कवि के सुबोध दोहे : सं. वियोगी हरि 30.00
नीति की प्रेरणा देनेवाले दोहे और उनका सुगम भावार्थ।

रहीम के सुबोध दोहे : सं. वियोगी हरि 45.00
चुने हुए दोहे और उनका भावानुवाद।

गिरिधर की सुबोध कुंडलियाँ : सं. वियोगी हरि 30.00
चुनी हुई कुंडलियाँ, सरल अर्थ सहित।

कविवर बिहारी के सुबोध दोहे : सं. वियोगी हरि 30.00
बोधप्रद दोहे तथा उनका अर्थ। उर्दू में भावपूर्ण पद्यानुवाद।

भक्तवर सूरदास के सुबोध पद : सं. वियोगी हरि 40.00
सरस पद, सरल भावार्थ सहित।

मीराबाई के सुबोध पद : सं. वियोगी हरि 30.00
प्रेरणादायक पद और सुबोध भावार्थ।

ईशावास्योपनिषद् : विनोबा 25.00
मूल, पद-पाठ, अर्थ तथा हिंदी पद्यानुवाद सहित।

ईशावास्यवृत्ति : विनोबा 25.00
ईशावास्योपनिषद् पर उद्‌बोधक टिप्पणी।

सप्त सरिता : काका कालेलकर 25.00
भारत की सात पौराणिक नदियाँ और उनके जन्मदाता पर्वतों का सरस और ज्ञानवर्द्धक परिचय।

गीता का नीतिशास्त्र : दिवाकर शास्त्री 120.00
गीता के नीतिशास्त्र संबंधी पहलुओं पर विचारात्मक अध्ययन।

ध्यान और मनोबल : डॉ. इंद्रचंद्र शास्त्री 140.00
जीवन में ध्यान का संबंध आत्मा, ईश्वर आदि अतींद्रिय तत्त्वों का आध्यात्मिक प्रेरणा देनेवाली पुस्तक।

पौराणिक कथाएँ (भाग-1): डॉ. बालशौरि रेड्डी 85.00
पुराणों में बिखरे कहानियों का संक्षिप्त एवं सरल भाषा में लेखन।

पौराणिक कथाएँ (भाग-2) : डॉ. बालशौरि रेड्डी 75.00
पुराणों में बिखरे कहानियों का संक्षिप्त एवं सरल भाषा में लेखन।

उपनिषद् की कहानियाँ : इला कुमार 60.00
प्रस्तुत पुस्तक की कहानियों में नए विमर्शों के साथ हमारी सांस्कृतिक परंपरा के अनेक पाठ मौजूद हैं।

आदिकवि वाल्मीकि : राधावल्लभ त्रिपाठी 120.00
महर्षि वाल्मीकि पर आधारित पुस्तक।

माँ के अपमान का बदला : योगेन्द्रनाथ शर्मा 'अरुण' 90.00
महान आदर्शों तथा प्रेरक-मूल्यों की अत्यंत सार्थक एवं मनोहारी ढंग से अभिव्यक्ति है।

जापानी साधक शिनरेन् के भक्ति-गीत : भरत सिंह उपाध्याय 80.00
संत शिनरेन् जापान के धार्मिक इतिहास में एक लक्षणीय व्यक्तित्व हैं।

बुद्ध के व्यक्तित्व का लोकोत्तर रूप : भरत सिंह उपाध्याय 50.00
बुद्ध के व्यक्तित्व का बड़ा ही सजीव एवं रोचक तथ्य है।

बौद्ध धर्म में भक्तियोग का विकास : भरत सिंह उपाध्याय 90.00
बौद्ध धर्म पर एक रोचक एवं ज्ञानवर्द्धक पुस्तक।

गंगा समग्र : विवेकानंद तिवारी 400.00
गंगा पर एक रोचक एवं ज्ञानवर्द्धक पुस्तक।

श्रीनारायण गुरु : सामाजिक जागरण के अग्रदूत : पी.के. राधामणी 150.00
केरल के संत श्रीनारायण गुरु के जीवन को रेखांकित करती पुस्तक।

हमारे देवी-देवता : राधावल्लभ त्रिपाठी 150.00
प्रमुख देवताओं के प्रतीकत्व को स्पष्ट करती हुई ज्ञानवर्धक पुस्तक।

भारतीय प्रतीकों का लोक : श्यामसुंदर दुबे 150.00
इस पुस्तक में भारतीय प्रतीकों का वैज्ञानिक विश्लेषण किया गया है।

उपनिषद्-नवनीत : मिथिलेश चतुर्वेदी 110.00
उपनिषदों की व्याख्या करती एक उपयोगी पुस्तक।

Hinduism : Ganga Somany 299.00

सनातन समागम महाकुम्भ : विवेकानंद तिवारी प्रकाशनाधीन
कुम्भ पर एक महत्वपूर्ण पुस्तक।

नीति, आचार एवं शिक्षा

रामकृष्ण उपनिषद् : चक्रवर्ती राजगोपालाचार्य 24.00
जीवनोपयोगी उपदेशों का प्रेरक विवेचन।

नवयुवकों से दो बातें : क्रोपॉटकिन 30.00
नवयुवकों के लिए सारगर्भित लेख।

मंगल प्रभात : गांधीजी 45.00
एकादश व्रतों का सरल तथा बोधप्रद विवेचन।

बापू की सीख : गांधीजी 40.00
शिक्षा-संबंधी बालोपयोगी रचनाओं का संग्रह।

सर्वोदय : गांधीजी 40.00
रस्किन की क्रान्तिकारी पुस्तक 'अन्टू दिस लास्ट' का भावानुवाद।

तुकाराम गाथासार : अनु. नारायण प्रसाद जैन 30.00
महाराष्ट्र के महान संत के चुने हुए अभंगों का हिंदी रूपांतर।

अमृत की बूँदें : संग्राहक : आनंद कुमार 60.00
बोध-पद सुभाषितों का संग्रह।

सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास : शिवदयाल
शिक्षार्थियों को संस्कारवान बनानेवाली अनमोल पुस्तक।
पहला पुष्प : 6 से 9 वर्ष के शिक्षार्थियों के लिए। 50.00
दूसरा पुष्प : 10 से 13 वर्ष के शिक्षार्थियों के लिए। 60.00
तीसरा पुष्प : कक्षा 9 से 12 के शिक्षार्थियों के लिए। 60.00

चेतना के स्वर : यशपाल जैन 25.00
चिंतन और मनन के लिए प्रेरक पोथी।

गांधीजी ने कहा था : गांधीजी 60.00
भारत के राजनेताओं, उद्योगपतियों, किसानों, मज़दूरों, युवकों, स्त्रियों आदि को कर्तव्य-पालन का आह्वान।

अहिंसा का अमोघ अस्त्र : सं. यशपाल जैन 40.00
देश-विदेश में अहिंसा के प्रति नयी चेतना जाग्रत करनेवाली पुस्तक।

हिंद स्वराज : गांधीजी 70.00
महात्मा गांधी का जीवन दर्शन।

स्वराज्य का अर्थ : गांधीजी 45.00
स्वतंत्र भारत के स्वरूप और देश की प्रमुख समस्याओं पर गांधीजी के उद्बोधक विचार।

कैसे-कैसे भ्रम : वियोगी हरि 25.00
आत्म-शोधन के लिए नीति-संबंधी मूल्यवान विचारों का निरूपण।

नीति की बातें : वियोगी हरि 30.00
नीति-संबंधी तत्त्वों का विवेचन।

परम सखा मृत्यु : काका कालेलकर 80.00
जीवन के प्रति नया दृष्टिकोण देनेवाले उद्बोधक विचार।

सच्चे इनसान बनो : फ़ादर वालेस 35.00
चरित्र को ऊँचा उठाने की प्रेरणा देनेवाले तथा मानवीय मूल्यों पर आधारित लघु निबंध-संग्रह।

आप भले जग भला : श्रीमन्नारायण 40.00
सुपाठ्य तथा प्रेरक लघु निबंध।

मानवता के रजत कण : यशपाल जैन 50.00
जीवन में नैतिक मूल्यों का समावेश करने की प्रेरणा देनेवाली पुस्तक।

सफल जीवन के सोपान : यशपाल जैन 50.00
मानवीय मूल्यों का विवेचन।

सूफी संत चरित : भगवान 55.00
चुने हुए मुस्लिम संतों के जीवन-परिचय और उपदेश।

विनोबा के विचार 160.00
विभिन्न विषयों पर चुने हुए लेखों और प्रवचनों का विचार-प्रेरक तथा तल-स्पर्शी संग्रह।

आत्म-रहस्य : रतनलाल जैन 60.00
आत्मा, सत्य और दर्शन मीमांसा पर आधारित।

आत्म-दर्शन : सत्यनारायण गोयनका 100.00
जीवन में वास्तविक सुख और शांति की प्राप्ति का मार्ग-निर्देश।

धारण करो तो धर्म : सत्यनारायण गोयनका 100.00
धर्म के वास्तविक स्वरूप पर प्रकाश।

आत्म-चिंतन : चक्रवर्ती राजगोपालाचार्य 50.00
यूनानी तत्त्ववेत्ता मार्कस ऑरिलियस के बोधप्रद विचार।

भगवान हमारा मित्र : चक्रवर्ती राजगोपालाचार्य 20.00
संत लारेन्स का 'सौहृद योग'। जीवन-निर्माण के लिए प्रेरक विचार।

तिरुप्पावै : गोदा 20.00
एक भक्त कवयित्री के साधना-विषयक पद और उनका अर्थ।

जीवन और साधना : इंद्रसेन 70.00
जीवन के ध्येय को समझने और समुन्नत करने का मार्ग।

जीवन-ज्योति : यशपाल जैन 30.00
नैतिक मूल्यों की उपासना के लिए दिशा-सूचक विचार।

गांधी विचार दोहन : किशोरलाल घ. मशरूवाला 100.00
सरल-सुबोध शैली में गांधीजी के सिद्धांतों का प्रतिपादन।

गांधीजी के सिद्धांत : नयी पीढ़ी की दृष्टि : गुणवंत शाह 35.00
सरल-सुबोध शैली में गांधीजी के सिद्धांतों का विवेचन।

सुभाषित सप्तशती : सं. मंगलदेव शास्त्री 35.00
वैदिक, संस्कृत तथा पालि-वाङ्मय से पठन और मनन करने योग्य प्रेरणाप्रद सुभाषितों का संग्रह।

दिव्य जीवन : अनु. सुखसंपत्ति राय भंडारी 25.00
स्वेट मार्डेन के 'दि मिरैकिल्स ऑफ राइट थौट' का संक्षिप्त अनुवाद।

हमारे संस्कार सूत्र : लक्ष्मीराम शास्त्री 40.00
भारतीय ज्ञान-दर्शन के मूल तत्त्वों पर प्रकाश डालनेवाले सुभाषित सूत्रों का संग्रह।

महाभारत के सूक्तिरत्न : संग्राहक : डॉ. इंद्रचंद्र शास्त्री 30.00
शान्ति पर्व तथा अनुशासन पर्व के चुने हुए सुभाषितों का संग्रह।

वेदमंत्रों के प्रकाश में : संपूर्णानंद 45.00
विचार-प्रेरक तथा जीवन निर्माणकारी कहानियाँ।

पंचतंत्र की कहानियाँ : भगवान सिंह 200.00
अनौपचारिक शिक्षा की विश्वप्रसिद्ध पुस्तक।

पशु, पंछी, मनुष्य और प्रकृति : कविता ए. शर्मा 275.00
महाभारत की कथाओं में प्रकृति, प्राणि-जगत और मनुष्य की अभिन्नता की भारतीय परिकल्पना को सामने लाती महत्वपूर्ण पुस्तक।

निबंध, व्यंग्य, आलोचना एवं साक्षात्कार

कल्पवृक्ष : वासुदेवशरण अग्रवाल 30.00
प्राचीन भारतीय संस्कृति के दिग्दर्शक निबंध।

पृथ्वी पुत्र : वासुदेवशरण अग्रवाल 80.00
भूमि, जल एवं संस्कृति संबंधी व्याख्यात्मक लेखों का संग्रह।

भारत : आजादी और संस्कृति : डॉ. लक्ष्मीमल्ल सिंघवी 130.00
विवेचनात्मक निबंधों का संकलन।

देहरी की बात : रमेशचंद्र शाह 60.00
विचार-प्रधान निबंधों का संग्रह।

आओ, विचारें आज मिलकर : विजय बहादुर सिंह 50.00
आलोचनात्मक निबंध।

महात्मा गांधी : सहस्राब्द का महानायक : सं. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी 150.00
गांधी संबंधी चिंतन-परक निबंध।

हिंद स्वराज : गांधी का शब्द अवतार : गिरिराज किशोर 170.00
गिरिराज किशोर द्वारा हिंद स्वराज की एक मौलिक व्याख्या।

हिंद स्वराज का सच : कनक तिवारी 125.00
हिंद स्वराज की संवेदना को सामने लानेवाली महत्त्वपूर्ण कृति।

त्रिशंकु : अज्ञेय, सं.-कृष्णदत्त पालीवाल 80.00
साहित्य, संस्कृति एवं कला विषयक निबंधों का संग्रह।

साहित्य, संस्कृति और समाज परिवर्तन की प्रक्रिया : अज्ञेय
सं.- कृष्णदत्त पालीवाल 90.00
साहित्य, संस्कृति और सामाजिक परिवर्तन पर लिखे गए निबंध।

भारतीय कलादृष्टि : अज्ञेय, सं. कृष्णदत्त पालीवाल 100.00
प्रसिद्ध विद्वानों के कला विषयक लेखों का संकलन।

आधुनिक हिंदी साहित्य : अज्ञेय, सं. कृष्णदत्त पालीवाल 90.00
अज्ञेय द्वारा संपादित हिंदी साहित्य पर केंद्रित लेखों का अद्भुत संकलन।

प्रतिनिधि निबंध : रवींद्रनाथ ठाकुर 180.00
भारतीय नवजागरण के अग्रदूत कवींद्र रवींद्रनाथ ठाकुर के प्रतिनिधि निबंधों का अनुपम संग्रह।

अगुन-सगुन बिच : रमेशचंद्र शाह 100.00
साहित्य, संस्कृति, सभ्यता, मिथ और मनोजगत विषयक निबंधों का संग्रह।

हीरानंद शास्त्री स्मारक व्याख्यान माला (भाग-1)
सं.-कृष्णदत्त पालीवाल 275.00

हीरानंद शास्त्री स्मारक व्याख्यान माला (भाग-2)
सं.-कृष्णदत्त पालीवाल 275.00

वत्सल निधि प्रकाशन माला : संवित्ति : सं. कृष्णदत्त पालीवाल 350.00
वत्सल निधि द्वारा आयोजित लेखक शिविरों में पढ़े गए प्रसिद्ध लेखकों के निबंधों का संकलन।

भाषा साहित्य एवं राष्ट्रीयता : डॉ. कृष्ण कुमार 90.00
इस पुस्तक में भाषा की अस्मिता एवं अस्तित्व की खोज का प्रयास किया गया है।

कला स्वाद का मर्म : अज्ञेय 75.00
अज्ञेय ने प्रसिद्ध कलाकार सतीश गुजराल, कुमारिल स्वामी, महजूर कश्मीरी, ब्रजमोहन जिज्जा, अवनी सेन तथा अवनींद्रनाथ तथा राजनीति सिंह की कलाकृतियों पर विचार किया है।

अज्ञेय से बातचीत : सं.-कृष्णदत्त पालीवाल 150.00
प्रस्तुत पुस्तक में अज्ञेय के 25 साक्षात्कार संकलित हैं।

भारत की जातीय पहचान : सनातन मूल्य : कृष्ण बिहारी मिश्र 150.00
प्रस्तुत पुस्तक नई और भटकी पीढ़ी को अपनी जड़ों से जुड़ने में सहायक सिद्ध होगी।

स.ही. वात्स्यायन अज्ञेय के अभिभाषण (भाग-1) :
सं.-कृष्णदत्त पालीवाल 250.00

स.ही. वात्स्यायन अज्ञेय के अभिभाषण (भाग-2) :
सं.-कृष्णदत्त पालीवाल 200.00
इन पुस्तकों में सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' की अभिभाषणों का संकलन किया गया है।

गंगा तट से भूमध्यसागर तक : विद्यानिवास मिश्र, रॉफेल अरगुलॉइ 90.00
इस पुस्तक में विद्यानिवास मिश्र एवं रॉफेल अरगुलॉइ के बीच के संवादों को संकलित किया गया है।

भारतीय चिंतन परंपराएँ : नए आयाम, नई दिशाएँ :
सं.-कृष्णदत्त पालीवाल 90.00
इस पुस्तक में हीरानंद शास्त्री व्याख्यान माला के अंतर्गत प्रसिद्ध चिंतक दयाकृष्ण के दो महत्त्वपूर्ण व्याख्यान संकलित हैं।

लोकतंत्र का लक्ष्य : इंद्रचंद्र शास्त्री 140.00
इस पुस्तक में लोकतंत्र के बुनियादी सिद्धांतों का विवेचन किया गया है।

भारतीय अस्मिता और दृष्टि : कृष्णदत्त पालीवाल 200.00
भारतीय अस्मिता पर आधारित विभिन्न विद्वानों के वक्तव्य।

कहते-कहते बात को : ज्योत्स्ना मिलन 110.00
विभिन्न विद्वानों द्वारा ज्योत्स्ना मिलन से साक्षात्कार की प्रस्तुति।

परत-दर-परत : देवराज; सं. राजी सेठ 220.00

'युग साक्षी' पत्रिका में प्रकाशित संपादकीयों का संग्रह।

आलोचना के शिलालेख : धनंजय वर्मा 250.00

इस संग्रह में गत दो-तीन दशकों में लिखे गए लेखों-भाषणों-व्याख्यानों का संग्रह है।

नैमित्तिक : रमेशचंद्र शाह 180.00

गत दो-तीन दशकों में लिखे गए लेखों-भाषणों-व्याख्यानों का संकलन।

बहस में स्त्री : राधावल्लभ त्रिपाठी 80.00

यह पुस्तक हीरानंद शास्त्री स्मृति व्याख्यान माला का विस्तारित रूप है।

सप्तकों की भूमिकाएँ : अज्ञेय : संकलन : कृष्णदत्त पालीवाल 90.00

इस पुस्तक में अज्ञेय जी के विचारों की स्वतंत्र यात्रा का प्रामाणिक इतिहास है।

क्या पूरब क्या पच्छिम! : विद्यानिवास मिश्र 120.00

भारतीय साहित्य के शिखर पुरुष पं. विद्यानिवास मिश्र के निबंधों का रम्य संकलन।

परंपरा का पुरुषार्थ : कृष्ण बिहारी मिश्र 180.00

पं. विद्यानिवास मिश्र के कृतित्व का रचनात्मक मूल्यांकन।

नारी विमर्श की भारतीय परंपरा : संपादन : कृष्णदत्त पालीवाल 175.00

नारी विमर्श पर सुप्रसिद्ध साहित्यकारों के निबंध।

शिक्षा के सरोकार : प्रेमपाल शर्मा 110.00

आधुनिक शिक्षा के समस्याओं और विसंगतियों पर आधारित निबंध।

सीधी बात साहित्यकारों से : लालित्य ललित 160.00

प्रसिद्ध लेखकों के साक्षात्कार पर केंद्रित पुस्तक।

हिंदी साहित्य की प्रसिद्ध भूमिकाएँ (खंड-1)

संकलन-संपादन : कृष्णदत्त पालीवाल 350.00

इस खंड में सन् 1914 से 1942 के बीच प्रकाशित हिंदी की उत्कृष्ट रचनाओं की भूमिकाएँ संकलित हैं।

हिंदी साहित्य की प्रसिद्ध भूमिकाएँ (खंड-2)

संकलन-संपादन : कृष्णदत्त पालीवाल 300.00

इस खंड में सन् 1943 से 2007 के बीच प्रकाशित महत्त्वपूर्ण पुस्तकों एवं पत्रिकाओं की भूमिकाएँ संकलित हैं।

मौन की अभिव्यंजना : सं. : दयानिधि मिश्र 150.00

अज्ञेय का साहित्य-कर्म अत्यंत समृद्ध है। इस पुस्तक में उनके इसी मौन को व्याख्यायित करने की कोशिश की गई है।

ईका-बीका-टीका : ले. : बसंत कुमार 200.00

यह एक व्यंग्यात्मक कहानियों का अनूठा संग्रह है।

गांधी पत्रकारिता के प्रतिमान : ले. : कमल किशोर गोयनका 250.00

यह पुस्तक गांधी जी के पत्रकार व्यक्तित्व का संपूर्ण रेखाचित्र प्रस्तुत करती है।

आलोक पंथा : कृष्ण बिहारी मिश्र 120.00

प्रसिद्ध साहित्यिक निबंध पर आधारित पुस्तक।

भूतनी की चूड़िया : ले. : बसंत कुमार 200.00

इस संकलन की कहानियाँ कला की श्रेष्ठता का दंभ नहीं भरती बल्कि अपनी मासूमियत और सहजपन में उन बातों को पाठकों के सामने रख देती हैं।

रचना मीमांसा : रामजी तिवारी 150.00

यह पुस्तक कला एवं साहित्य संबंधी आलोचनात्मक लेखों का संकलन है।

कुछ सत्य, कुछ सुंदर : कृष्ण कुमार 180.00

इस पुस्तक में लोकप्रिय लेखों का संकलन है।

विचारों का जनतंत्र : सं. अखिलेश 450.00

'तद्भव' पत्रिका में प्रकाशित लोकप्रिय लेखों का संकलन।

भारतीय आधुनिकता की तलाश : रमेश चन्द्र शाह 160.00

उपयोगी लेखों का संकलन।

साहित्य में अनामंत्रित : अभय कुमार दुबे 350.00

आलोचनात्मक लेखों का संकलन।

कविता और संवेदना : विजय बहादुर सिंह 200.00

आलोचनात्मक लेखों का संकलन।

कहानीकार जैनेन्द्र कुमार : पुनर्विचार : मधुरेश 180.00

जैनेन्द्र कुमार पर आलोचनात्मक लेखों का संकलन।

साहित्यालोचन : डॉ. श्यामसुंदर दास

पाठ्यक्रमों के लिए उपयोगी पुस्तक। 145.00

जायसी ग्रंथावली : आचार्य रामचंद्र शुक्ल 225.00

पाठ्यक्रमों के लिए उपयोगी पुस्तक।

नाटक, एकांकी एवं यात्रा-साहित्य

नव प्रभात : विष्णु प्रभाकर 45.00

कलिंग युद्ध और उसके फलस्वरूप अशोक के हृदय-परिवर्तन की कथा पर आधारित नाटक।

शारदीया : जगदीशचंद्र माथुर 25.00

हिंदू-मुस्लिम एकता और भाई-चारे की भावना पर आधारित मराठा वंश पर प्रकाश डालनेवाला नाटक।

नई राह : हरिकृष्ण 'प्रेमी' 20.00

देशवासियों को रचनात्मक दृष्टि से राष्ट्र-सेवा करने की प्रेरणा देने वाला नाटक।

सागर के आर-पार : यशपाल जैन 20.00

ट्रिनीडाड और टुबैगो, सूरीनाम, कैनेडा और अमरीका की यात्राओं के जीवंत तथा विशद् वर्णन।

गदर की चिनगारियाँ : शरद सिंह 150.00

1857 की क्रांति में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली 13 वीरांगनाओं के संघर्षों को एकांकी के रूप में प्रस्तुत किया गया है।

एक नहीं था अफलातून : रमेश दवे 60.00

अफलातून नाटक सत्ता की शक्ति को विचार-शक्ति की चुनौती है।

संस्कृति के भावनायकों की लीलास्थली : स.ही. वात्स्यायन 'अज्ञेय' 90.00

भागवत भूमि यात्रा का सांस्कृतिक वृत्तांत।

काँवर श्रवण कुमार की : देवेंद्र दीपक 80.00

श्रवण कुमार की मातृ एवं पितृ भक्ति पर आधारित नाटक।

चल हंसा वा देश : एकांत श्रीवास्तव 120.00

देश-विदेश की यात्राओं का विवरण।

ग्लोब और गुब्बारे : ले. : प्रयाग शुक्ल 100.00

इस पुस्तक में विभिन्न यात्राओं के समय लिखी गई टिप्पणियाँ संकलित हैं।

आभास रूपक (खंड-1) : प्रभात कुमार भट्टाचार्य 220.00

पुस्तक के इस खंड में हमारी संस्कृत वाङ्मय में जीवन को दिशा देनेवाली भास के नाटकों पर आधारित बहुत सारी कविताएँ, नाटक हैं।

श्रेष्ठ भारतीय हास्य एकांकी : सं. सत्येंद्र शरत् 220.00

विभिन्न भाषाओं के श्रेष्ठ हास्य एकांकियों का संग्रह।

नावें, समुद्र और जहाज : राजेन्द्र उपाध्याय 200.00

देश-विदेश की यात्राओं का विवरण।

कविता संग्रह/शायरी

हुल्लड़ के दोहे और कुंडलिया : हुल्लड़ मुरादाबादी 20.00

हास्य कवि का व्यंग्यात्मक छोटे-छोटे दोहे और छन्द।

पुष्करिणी : अज्ञेय 110.00

मैथिलीशरण गुप्त, माखनलाल चतुर्वेदी, दिनकर, प्रसाद, पंत, महादेवी आदि की प्रतिनिधि कविताओं का संकलन।

छंद है यह फूल : अज्ञेय 100.00

अज्ञेय की प्रतिनिधि कविताओं का संचयन।

गीतांजलि : रवींद्रनाथ ठाकुर 200.00

नोबेल पुरस्कार प्राप्त विश्वप्रसिद्ध कृति *गीतांजलि* का बांग्ला और अंग्रेजी के समस्त पदों का प्रामाणिक अनुवाद।

बाबा फरीद : बख्शीश सिंह 110.00

दरवेश कवि बाबा फरीद के वचनों का सरल एवं प्रामाणिक हिंदी अनुवाद।

निरुपमा, करना मुझको क्षमा : अनु.-प्रयाग शुक्ल 75.00

इस पुस्तक में विश्वकवि रवींद्रनाथ ठाकुर के 57 चुने हुए गीतों को संकलित किया गया है।

उर्दू शायरी : एक चयन : सं.-शाहीना तबस्सुम/ कुलदीप सलील 150.00

इस संकलन में वली दकनी से लेकर फैज अहमद फैज, बशीर बद्र, निदा फाजमी तक को आप एक साथ पाएँगे।

अन्न हैं मेरे शब्द : एकान्त श्रीवास्तव 90.00

प्रसिद्ध कवि एकान्त श्रीवास्तव की कविताओं का संकलन।

सूफी कवि बुल्लेशाह : बख्शीश सिंह 120.00

सूफी कवि बुल्लेशाह के वचनों का सरल एवं प्रामाणिक हिंदी अनुवाद।

भक्त नामदेव : ले. बख्शीश सिंह 120.00

इस पुस्तक में प्रस्तुत भक्त नामदेव की बाणी मुख्य रूप में 'परमात्मा', 'गुरु और नाम' के सरोकारों पर केंद्रित है।

भगत कबीर : ले. बख्शीश सिंह 200.00

इस पुस्तक में भगत कबीर जी के 243 श्लोक, जो कि श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी (पृ. 1364-1377) संग्रहित हैं।

स्वत्व का विलोपन : ले. शकुंतला दुबे 250.00

संवेदनशील कविताओं का संग्रह।

Gems of Hindi Poetry : Kuldip Salil 225.00

प्रसिद्ध कवियों की हिंदी कविताओं का अंग्रेजी में अनुवाद।

परित्यक्ता के आँसू : सुधांशु चतुर्वेदी 80.00

मलयालम कवि कुमारन आशान की कविताओं का हिंदी अनुवाद।

संध्या और चयनित कविताएँ : सं./अनु. सुधांशु चतुर्वेदी 110.00

मलयालम कवि जी. शंकर कुरुप की कविताओं का हिंदी अनुवाद।

दलित एवं स्त्री साहित्य/कोश

दलितों के दलित : हरकिशन संतोषी 80.00

दलित समाज की वर्तमान दुर्दशा का मार्मिक चित्रण।

अछूत मतवाद के सच : गांधी और अंबेडकर : डॉ. विवेकानंद तिवारी 300.00

गांधी और अंबेडकर की अस्पृश्यता विरोधी दृष्टि का तटस्थ मूल्यांकन करनेवाली पुस्तक।

डॉ. अंबेडकर : अस्वीकार का साहस : कृष्णदत्त पालीवाल 250.00

यह पुस्तक डॉ. भीमराव अंबेडकर पर आधारित है।

दलित साहित्य विमर्श : कृष्णदत्त पालीवाल 150.00

दलित साहित्य पर एक उपयोगी पुस्तक।

भारतीय नारी कोश : अमिताभ मिश्र 100.00

प्रसिद्ध भारतीय नारियों पर आधारित कोश।

हमारा कलंक : गांधी जी 175.00

अस्पृश्यता निवारण पर महात्मा गांधी के लेखों का संग्रह।

विज्ञापन

विज्ञापन और ब्रांड : ले. : संजय सिंह बघेल 250.00

यह पुस्तक विज्ञापन और ब्रांड के विभिन्न पहलुओं को विस्तार से व्याख्यायित करती है।

सूचना का अधिकार

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 : हरकिशन संतोषी 220.00

इस पुस्तक में सूचना के अधिकार अधिनियम, 2005 के विविध पहलुओं की जानकारी विस्तार से सरल भाषा में दी गई है।

विश्वकोश

हिंदी विश्वकोश (खंड-1) : पृथ्वी एवं भूगोल

प्रधान संपादक : इन्द्र नाथ चौधुरी 1600.00

हिंदी विश्वकोश (खंड-2) : गणित

प्रधान संपादक : इन्द्र नाथ चौधुरी 3500.00

हिंदी विश्वकोश (खंड-3) : विज्ञान

प्रधान संपादक : इन्द्र नाथ चौधुरी 4200.00

हिंदी भाषियों के लिए एक उपयोगी तथा ज्ञानवर्धक ग्रंथ।

पुस्तक माला सीरिज

सांस्कृतिक कथा माला

महाभारत कथा : चक्रवर्ती राजगोपालाचार्य 180.00

महाभारत का कथात्मक शैली में रोचक तथा सजीव वर्णन।

दशरथ-नंदन श्रीराम : चक्रवर्ती राजगोपालाचार्य 150.00

वाल्मीकि रामायण के आधार पर श्रीराम की सरल, सरस तथा शिक्षाप्रद कथा।

राजाजी की लघु कथाएँ : चक्रवर्ती राजगोपालाचार्य 55.00

मनोरंजक और शिक्षाप्रद लघुकथाएँ।

भागवत-कथा : संक्षेपकर्ता : सूरजमल मोहता 200.00

श्रीमद्भागवत कथा का सरल और संक्षिप्त रूपांतर।

रामकीर्ति : स्वामी सत्यानंद पुरी 45.00

थाईलैंड में प्रचलित रामकथा : रोचक तथा ज्ञानवर्धक।

रामायण के पात्र : नानाभाई भट्ट (अनु. काशीनाथ त्रिवेदी) 150.00

राम, सीता, लक्ष्मण, भरत, कैकेयी, हनुमान, विभीषण, मंदोदरी तथा रावण आदि का बड़ा ही सरस, मनोहारी व उद्बोधक चरित्र-चित्रण।

हिंदुओं के व्रत और त्योहार : कुँवर कन्हैयाजू 90.00

वर्ष भर के व्रतों, त्योहारों की जानकारी, उनकी कथाओं के साथ।

वाल्मीकिकृत रामकथा : सूरजमल मोहता 150.00

वाल्मीकिकृत रामायण के आधार पर लिखी सरल, सुबोध तथा प्रेरक रामकथा।

महाभारतसार : सूरजमल मोहता 150.00

महाभारत का लोकोपयोगी विवेचन।

कृष्णकथा : सूरजमल मोहता 100.00

भगवान श्री कृष्ण के चरित्र का रोचक तथा शिक्षाप्रद वर्णन।

तुलसीकृत रामकथा : विश्वम्भर सहाय प्रेमी 150.00

रामचरितमानस के आधार पर भगवान राम की सरस, रोचक एवं प्रेरक कथा।

नैतिक शिक्षा पुस्तक माला

नैतिक शिक्षा पुस्तक माला (दो भाग) 180.00

भारतीय संस्कृति, परंपरा तथा नैतिक मूल्यों की बोधप्रद और प्रेरक पुस्तकें।

जीवन कल्याण पुस्तक माला

जीवन कल्याण माला (12 पुस्तकें) प्रति सेट मूल्य : 540.00

1. गांधी दर्शन	45.00
2. सत्य और धर्म	45.00
3. अहिंसा और क्षमा	45.00
4. ब्रह्मचर्य और आत्मसंयम	45.00
5. अस्वाद और रस-लालसा	45.00
6. अस्तेय और आत्म-तोष	45.00
7. अपरिग्रह और अनासक्ति	45.00
8. आत्मविश्वास और अभय	45.00
9. सर्वधर्म समभाव	40.00
10. शरीर-श्रम और कार्य-साधना	45.00
11. अस्पृश्यता-निवारण	45.00
12. स्वदेशी और राष्ट्रचेतना	45.00

नीतिमय जीवन संबंधी व्रत-विचारों की लोकोपयोगी पुस्तकें।

नवोदय साहित्य माला

नवोदय साहित्य माला (12 पुस्तकें) प्रति सेट मूल्य : 460.00

1. हमारा कर्तव्य	20.00
2. बढ़ते कदम	50.00
3. सच्ची बुनियाद	50.00
4. चार नाटक	20.00
5. हमारे संत	40.00
6. आदर्श जीवन	20.00
7. पावन प्रसंग	50.00
8. उत्तर भारत के तीर्थ	50.00
9. दक्षिण भारत के तीर्थ	20.00
10. साहस के पुतले	35.00
11. मेल की महिमा	60.00
12. ज्ञान की बातें	45.00

कर्तव्य बोध जगाने तथा सच्चाई से जीना सिखानेवाली पुस्तकें।

गांधी आख्यान माला

गांधी आख्यान माला (दो भाग) प्रति सेट मूल्य : 300.00

गांधीजी के निकटतम व्यक्तियों के लिखे छोटे-छोटे प्रेरणादायक प्रसंग। गांधीजी के जीवन और मनोवृत्ति के अनुरूप।

लोक-कथा माला

लोक-कथा माला (11 पुस्तकें) प्रति सेट मूल्य : 420.00

हमारी लोक-कथाएँ : संग्राहक : शिवसहाय चतुर्वेदी 60.00

हिंदी परिवार की लोक-कथाएँ, हिंदी अनुवाद सहित।

जैसी करनी वैसी भरनी : शिवसहाय चतुर्वेदी 50.00

बुंदेलखंड की लोक-कथाओं का सरस और रोचक संकलन।

पुण्य की जड़ हरी : आदर्श कुमारी 70.00

ब्रज की पंद्रह लोक-कथाएँ सरल और सुबोध भाषा-शैली में।

कर भला होगा भला : भगवानचंद्र 'विनोद' 60.00

मैथिली की सरस लोक-कथाएँ।

आकाश दानी दे पानी : गोविंद चातक 50.00

गढ़वाली लघु लोक-कथाओं का सुपाठ्य संकलन।

सतवंती : चंद्रशेखर दुबे 50.00

मालवा की रोचक तथा प्रेरक लोक-कथाएँ।

लखटकिया : लक्ष्मीनिवास बिड़ला 30.00

राजस्थान की रोचक और मनोरंजक लोक-कथाएँ।

चौबोली रानी : लक्ष्मीनिवास बिड़ला 25.00

सरस, मनोरंजक तथा शिक्षाप्रद लोक-कथाएँ।

भाग्य की बलिहारी : लक्ष्मीनिवास बिड़ला 50.00

मनोरंजक तथा प्रेरक लोक-कथाएँ।

सिद्ध का प्रसाद : लक्ष्मीनिवास बिड़ला 50.00

राजस्थान की रोचक तथा मनोरंजक लोक-कथाएँ।

नसीहत का फल : चौधरी शिवनाथसिंह शांडिल्य 50.00

विभिन्न देशों की लोक-कथाएँ।

हिंदी, ब्रज, बुंदेलखण्ड, गढ़वाल, राजस्थान, मैथिली, मालवा आदि की सरल, सुबोध, रोचक तथा प्रेरक जनपदीय लोक-कथाएँ।

देश-देश की लोक-कथाएँ

देश-देश की लोक-कथाएँ (8 पुस्तकें) प्रति सेट मूल्य : 240.00

मॉरीशस की शकुंतला (मॉरीशस) : प्रह्लाद रामशरण 35.00

मॉरीशस की रोचक तथा मनोरंजक लोक-कथाएँ।

इल्या की बहादुरी (रूस) : संकलन 25.00

रूस की सरस तथा रोमांचकारी लोक-कथाएँ।

दिव्यात्मा का चमत्कार (चीन) : संकलन 60.00

चीन की मनोरम लोक-कथाएँ।

सात काले कौवे (चैक) : दागमार मारकोवा 50.00

चैकोस्लोवाकिया की रोचक और मनोरंजक लोक-कथाएँ।

उपकार का बदला (बर्मा) : ओमप्रकाश 50.00

बर्मा की शिक्षाप्रद तथा रोमांचक लोक-कथाएँ।

सुनहरा पंख (उक्रेन) : जाकिर अली 'रजनीश' 20.00

उक्रेन की रोचक कथाएँ।

सितारों की भाषा (अरब) : जाकिर अली 'रजनीश' 60.00

अरब की लोक-कथाएँ।

मछुआरा और राजकुमारी (जापान) : रीतारानी पालीवाल 70.00

जापान की मनोरंजक लोक-कथाएँ।

मॉरीशस, चैकोस्लोवाकिया, चीन, रूस, बर्मा और जापान की सरल, सुबोध तथा प्रेरक लोक-कथाएँ।

संस्कार साहित्य माला

संस्कार साहित्य माला (दो भाग) प्रति सेट मूल्य : 170.00

जीवन को चरित्र-निर्माण, संस्कार-युक्त करके समाज और राष्ट्र को संबर्द्धित करनेवाली पुस्तकों का संग्रह।

धर्म कथा भारती

धर्म कथा भारती (12 पुस्तकें) प्रति सेट मूल्य : 410.00

1. जैन कहानियाँ	30.00
2. बौद्ध कहानियाँ	40.00
3. ईसाई कहानियाँ	30.00
4. मुस्लिम कहानियाँ	25.00
5. सिख कहानियाँ	30.00
6. पारसी कहानियाँ	40.00
7. भागवत कहानियाँ	30.00
8. रामायण कहानियाँ	40.00
9. महाभारत कहानियाँ	40.00
10. विदेशी कहानियाँ	40.00
11. भारतीय कहानियाँ	40.00
12. मानवीय कहानियाँ	25.00

विभिन्न धर्मों की सरस, रुचिकर तथा शिक्षाप्रद कहानियाँ।

महाभारत पात्र माला

महाभारत पात्र माला : नानाभाई भट्ट (11 पुस्तकें) प्रति सेट मूल्य : 310.00

1. सूतपुत्र कर्ण	40.00
2. पांचाली द्रौपदी	20.00
3. दुर्योधन	20.00
4. महावीर भीमसेन	35.00
5. महारथी अर्जुन	30.00
6. धर्मराज युधिष्ठिर	25.00
7. कुंती : गांधारी	20.00
8. द्रोण : अश्वत्थामा	20.00
9. पितामह भीष्म	40.00
10. धृतराष्ट्र	20.00
11. श्रीकृष्ण	40.00

गुजराती के महान लेखक नानाभाई भट्ट की सशक्त लेखनी से उद्भूत महाभारत के प्रमुख पात्रों का सजीव, रोचक, संक्षिप्त तथा शिक्षा-प्रद चरित्र-चित्रण।

समाज-विकास माला

समाज-विकास माला (7 पुस्तकें) प्रति सेट मूल्य : 105.00

1. पावभर आटा	15.00
2. सोने का कंगन	15.00
3. निषाद और शबरी	15.00
4. माटी की मूरत जागी	15.00
5. शिशुपाल वध	15.00
6. हमारे पड़ोसी	15.00
7. अजंता एलोरा	15.00

शिक्षा-प्रद तथा सच्चाई से जीना सिखानेवाली प्रेरणादायक एवं लोकोपयोगी पुस्तकें।

संस्कृत साहित्य सौरभ

संस्कृत की प्रसिद्ध ग्रंथों में वर्णित कथा की हिंदी में सरल एवं रोचक प्रस्तुति

संस्कृत साहित्य सौरभ (4 खंड) प्रति सेट मूल्य : 790.00

1. संस्कृत साहित्य सौरभ (भाग-1)	250.00
2. संस्कृत साहित्य सौरभ (भाग-2)	200.00
3. संस्कृत साहित्य सौरभ (भाग-3)	120.00
4. संस्कृत साहित्य सौरभ (भाग-4)	220.00

विश्व क्लासिकी

ख़लील जिब्रान-साहित्य

ख़लील जिब्रान : प्रतिनिधि रचनाएँ Rs. 900.00 HB; 400.00 PB

खलील जिब्रान-साहित्य (14 पुस्तकें) प्रति सेट मूल्य : 450.00

जीवन संदेश	30.00
हीरे और मोती	20.00
बटोही	25.00
विद्रोही आत्माएँ	70.00
आँसू और मुस्कान	50.00
पागल	20.00
धरती के देवता	25.00
शैतान	15.00
तूफ़ान	20.00
अंतिम संदेश	20.00
बिंधा पंख	55.00
लोक यात्रा	25.00
सागर कन्याएँ	35.00
सवेरे की रोशनी	50.00

पाठकों को झकझोर देनेवाली, विश्व-विख्यात लेखक की लोमहर्षक कहानियों, गद्य-गीतों तथा अनुभूतियों की पुस्तक।

टॉल्सटॉय-साहित्य

लियो टॉल्सटॉय : प्रतिनिधि रचनाएँ (भाग-1) Rs. 500.00 HB; 220.00 PB

लियो टॉल्सटॉय : प्रतिनिधि रचनाएँ (भाग-2) Rs. 600.00 HB; 290.00 PB

लियो टॉल्सटॉय : प्रतिनिधि रचनाएँ (भाग-3) Rs. 500.00 HB; 220.00 PB

टॉल्सटॉय-साहित्य (14 पुस्तकें) प्रति सेट मूल्य : 525.00

कलवार की करतूत	20.00
बुराई कैसे मिटे	45.00
ईसा की सिखावन	25.00
बालकों का विवेक	20.00
धर्म और सदाचार	30.00

प्रेम में भगवान	55.00
मेरी मुक्ति की कहानी	40.00
हम करें क्या	100.00
जीवन-साधना	40.00
अँधेरे में उजाला	30.00
सामाजिक कुरीतियाँ	50.00
स्त्री और पुरुष	30.00
हमारे ज़माने की गुलामी	20.00
कितनी ज़मीन ?	20.00

रूस के अंतर्राष्ट्रीय ख्याति के लेखक की विचार-प्रेरक तथा चरित्र-निर्माणकारी सुपाठ्य पुस्तकें।

विश्व साहित्य

विराट : स्टीफन ज़्विग : अनु. यशपाल जैन 25.00
भारतीय पृष्ठभूमि पर रचित विख्यात लेखक का मर्मस्पर्शी उपन्यास।

भाग्य की विडंबना : स्टीफन ज़्विग : अनु. आदर्श कुमारी जैन 15.00
दो भावपूर्ण तथा मार्मिक उपन्यासों के हिंदी रूपांतर।

ज़िंदगी दाँव पर : स्टीफन ज़्विग : अनु. आदर्श कुमारी जैन 30.00
जीवन के उतार-चढ़ावों से युक्त, मर्मस्पर्शी उपन्यासों का सरल, सुबोध अनुवाद।

प्रेम और प्रकाश : आन्द्रे जींद : अनु. अन्नदा पाटनी 15.00
नोबेल पुरस्कार विजेता लेखक की मानवीय पृष्ठभूमि पर रचित हृदयस्पर्शी कृति 'पास्टोरल सिम्फ़नी' का सरस हिंदी रूपांतर।

प्रेम प्रपंच : तुर्गनेव 25.00
'फाउस्त' नामक पुस्तक का भावपूर्ण रूपांतर।

टाम काका की कुटिया : हेरियट बीचर स्टो 150.00
अमानुषिक अत्याचारों का रोमांचकारी विख्यात उपन्यास।

'वन्य जीवों का अनोखा संसार'

'वन्य जीवों का अनोखा संसार' पुस्तक माला : रामेश बेदी (8 पुस्तकें) प्रति सेट मूल्य : 110.00

जंगल का राजकुमार : तेंदुआ 15.00
सिंह-बिरादरी के सबसे सतर्क जीव का जीवन्त वर्णन।

सबका प्यारा : भालू 15.00
बच्चों और बड़ों के लाड़ले प्राणी की अंतरंग कथा।

पानी का राजा : घड़ियाल 15.00
अपना अस्तित्व बनाये रखने के लिए संघर्षशील जीव का वृत्तांत।

राष्ट्रीय पक्षी : मोर 15.00
नयनाभिराम पक्षी की सचित्र, प्रामाणिक गाथा।

सुगंध का भंडार : कस्तूरी मृग 15.00
अनूठे मृग की अनूठी कहानी।

आदि-युग का पशु : गैंडा 15.00
पुरातन पशु का सरल शैली में चित्रण।

जंगल की शान : हाथी 20.00
विख्यात जीवन का सचित्र आकर्षक चित्रांकन।

जंगल का राजा : शेर 20.00
विख्यात जीवों का सचित्र, रोमांचकारी वृत्तांत।
विशेषज्ञ द्वारा लिखित शेर, तेंदुआ, भालू, घड़ियाल, कस्तूरी मृग, मोर, गैंडा और हाथी पर सचित्र सारगर्भित पुस्तकें।

'ज्ञान-विज्ञान' पुस्तक माला

गुणों की खान तुलसी : रामेश बेदी 55.00
धार्मिक महत्त्व और स्वास्थ्य के लिए तुलसी की गुणवत्ता का परिचय।

हमारी पुष्पश्री : रामेश बेदी 45.00
हमारे प्रमुख पुष्पों का सचित्र परिचय।

इतना तो जानिए : आनंद कुमार 40.00
दैनिक उपयोग में आनेवाली वस्तुओं की ज्ञानवर्द्धक जानकारी।

बूझो तो जानें : आनंद कुमार 30.00
बालोपयोगी पहेलियों का संग्रह।

कृषि, सहकारिता, ग्रामोद्योग तथा सामुदायिक विकास

भूदान-यज्ञ : विनोबा 15.00
भूदान-यज्ञ की रूपरेखा और उसकी दार्शनिक पृष्ठभूमि।

स्वास्थ्य और प्राकृतिक चिकित्सा

सरल योगासन : धर्मचंद सरावगी 50.00
महत्त्वपूर्ण योगासनों का सचित्र परिचय, साथ ही यह जानकारी भी कि कौन आसन किस रोग को दूर करता है।

तंदुरुस्त रहने के उपाय : धर्मचंद सरावगी 45.00
प्राकृतिक चिकित्सा-संबंधी ज्ञान तथा अनुभव की उपयोगिता पर प्रकाश।

योग-साधन : देवकीनंदन विभव 60.00
स्वास्थ्य के लिए योग के महत्त्व तथा योगासनों की उपयोगिता पर प्रकाश।

निरोग होने का सच्चा उपाय : डॉ. आर. टी. ट्रॉल, रूपा. : वासुदेवशरण 50.00
रोगी व्यक्ति द्वारा प्रकृति की सहायता से अपनी जीवन-शक्ति को बढ़ाकर रोग-मुक्त होने का उपाय।

दीर्घजीवी कैसे हों : महेंद्रपाल सिंह 40.00
स्वास्थ्य की रक्षा के उपाय।

आकृति से रोग की पहचान : लुई कूने, अनु. : म. प्र. पोद्दार 60.00
शरीर के विभिन्न अंगों को देखकर रोग की जानकारी देनेवाली सचित्र और प्रामाणिक पुस्तक।

कब्ज़ : कारण और निवारण : महाबीर प्रसाद पोद्दार 60.00
कब्ज को सब रोगों का कारण मानकर उसे हटाने के उपायों का वर्णन।

प्राकृतिक चिकित्सा : क्या व कैसे : संपा. महाबीर प्रसाद पोद्दार 40.00
रोगों के कारण और बीमार पड़ने पर प्राकृतिक उपचारों से रोग-मुक्त होने की जानकारी।

चंगा करे खुदाई : महाबीर प्रसाद पोद्दार 60.00
रोग-मुक्त रहने के उपायों पर प्रकाश डालनेवाले लेख।

नवीन चिकित्सा : महाबीर प्रसाद पोद्दार 70.00
प्राकृतिक चिकित्सा की सरल विधि।

प्राकृतिक चिकित्सा के चमत्कार : महाबीर प्रसाद पोद्दार 130.00
रोगों के निवारण की चिकित्सा-विधि तथा रोगियों के अनुभव।

वैज्ञानिक मालिश : सत्यपाल 60.00
स्वास्थ्य के लिए मालिश के महत्त्व और सही ढंग से मालिश करने पर विचार, अनेक चित्रों सहित।

आहार-विज्ञान : सत्यपाल 60.00
भोजन-विषयक व्यावहारिक ज्ञान करानेवाली सचित्र पुस्तक।

तंदुरुस्ती हज़ार नियामत : सव्यसाची 25.00
स्वास्थ्य संबंधी गांधीजी के उपयोगी विचार।

मैं तन्दुरुस्त हूँ या बीमार : लुई कूने 40.00
स्वस्थ अथवा रोगी शरीर को पहचानने के उपाय।

योग से रोग निवारण : स्वामी शिवानंद सरस्वती 150.00
योगासनों द्वारा रोगों का निदान।

द पावर ऑफ एन : मीता लाल 150.00
स्वास्थ और पोषण से संबंधित महत्त्वपूर्ण पुस्तक।

दीर्घायु जीवन और स्वस्थ शरीर : डॉ. फणि भूषण दास 350.00
स्वास्थ संबंधित जानकारी से भरपूर एक महत्त्वपूर्ण पुस्तक।

श्वसन प्रणाली के रोग : डॉ. फणि भूषण दास 180.00
श्वसन संबंधी रोग एवं उसके निराकरण पर एक महत्त्वपूर्ण पुस्तक।

वृद्धावस्था और स्वास्थ्य की समस्याएँ : डॉ. फणि भूषण दास 180.00
वृद्धावस्था एवं उसकी देखभाल पर आधारित एक महत्त्वपूर्ण पुस्तक।

हृदय और हृदयावरण : डॉ. फणि भूषण दास 180.00
हृदय रोग उससे जुड़ी समस्याओं पर एक आकर्षक पुस्तक।

बाल एवं किशोर साहित्य

चिड़िया जीती राजा हारा : गौरीशंकर 'लहरी' 30.00
आठ मनोरंजक तथा शिक्षाप्रद कहानियाँ।

जब दीदी भूत बनी : विष्णु प्रभाकर 40.00
वीरता और साहस की चार प्रेरणादायक कहानियाँ।

कुंती के बेटे : विष्णु प्रभाकर 40.00
तीन छोटे-छोटे रोचक और प्रेरक नाटक।

सेवा करे सो मेवा पावे : यशपाल जैन 15.00
पांच सुपाठ्य और शिक्षाप्रद बाल-कहानियाँ।

मूरखों की दुनिया : नारायणदत्त पांडे 15.00
चार रोचक और सीख देनेवाली कहानियाँ।

दुनिया के अचरज : मुरारीलाल शर्मा 20.00
संसार की ग्यारह आश्चर्यजनक धरोहरों का परिचय।

सच्चाई का फल : चौ. शिवनाथसिंह शांडिल्य 30.00
रोचक तथा शिक्षाप्रद कहानियाँ।

बौने का वरदान : प्रह्लाद रामशरण 50.00
मॉरीशस में प्रचलित मनोरंजक कहानियाँ।

युवक की चतुराई : आनंद कुमार 30.00
शिक्षाप्रद कहानियाँ।

अनोखी सूझबूझ : आनंद कुमार 50.00
सरल तथा रोचक कहानियाँ।

सोने की नदी : सुधा जैन 50.00
बालोपयोगी शिक्षाप्रद उपन्यास।

बाल राम-कथा : सुदक्षिणा 35.00
रामायण के आधार पर लिखी गई सरल, सुबोध बालोपयोगी कहानी।

बहादुरी का भूत : विश्वनाथ गुप्त 35.00
योद्धा बनने की रोचक घटनाओं पर आधारित मनोरंजक एवं शिक्षाप्रद कहानियाँ।

तीसमार खाँ : चौधरी शिवनाथ सिंह शांडिल्य 50.00
तीन मनोरंजक कहानियाँ।

सभी धर्म महान : डॉ. योगेंद्र नाथ शर्मा 'अरुण' 90.00
शिक्षाप्रद बाल-कहानियाँ।
सरल भाषा तथा बड़े टाइप में प्रेरणाप्रद बालोपयोगी कथा-साहित्य।
अनेक चित्र, दोरंगी छपाई।

स्वर्ण घाटी की जनगाथा : मनोज दास 90.00
किशोर तथा बाल उपयोगी जीवन-मूल्यों की सीख देनेवाली पुस्तक।

चौथा सखा : मनोज दास 65.00
किशोर एवं बाल उपयोगी पर्यावरण के प्रति जागरूक करनेवाली पुस्तक।

क्रुद्ध नदी : रस्किन बॉण्ड 70.00
किशोर एवं बाल उपयोगी पुस्तक।

लूशिएन का रहस्य : हरिकृष्ण देवसरे 150.00
बच्चों के लिए रोमांचक विज्ञान कथा।

महाराज छत्रसाल : हरिकृष्ण देवसरे 90.00
इस पुस्तक में महाराज छत्रसाल के कृतित्व एवं व्यक्तित्व की अद्भुत झाँकी प्रस्तुत की गई है।

संत एकनाथ : हरिकृष्ण देवसरे 90.00
महाराष्ट्र के संत एवं कवि एकनाथ की जीवनी आकर्षक शैली में।

संत तुकाराम : हरिकृष्ण देवसरे 90.00
महाराष्ट्र के संत तुकाराम की जीवनी, जीवन-दर्शन, भक्ति एवं जीवन संदेश को सरस एवं रोचक शैली में प्रस्तुत किया गया है।

अमीर खुसरो : हरिकृष्ण देवसरे 90.00
अमीर खुसरों की जीवनी आकर्षक शैली में।

सोने का दरवाजा : मानवेंद्र बंद्योपाध्याय 120.00
बांग्ला के प्रसिद्ध लेखक मानवेंद्र बंद्योपाध्याय की अत्यंत लोकप्रिय एवं प्रसिद्ध कृति 'सोनार दुआर' का हिंदी अनुवाद।

मैं पढ़ नहीं सका : हरिकृष्ण देवसरे 100.00
यह पुस्तक किशोर कहानियों का लुभावना संग्रह है।

अपने भीतर झाँको : दिविक रमेश 100.00
बच्चों के लिए उपयोगी एवं ज्ञानवर्द्धक बाल-कहानियों का संग्रह।

जागो बच्चो : अपर्णा शर्मा 35.00
बच्चों के लिए मोहक कविताओं का संग्रह।

नीड सभी का प्यारा है : अपर्णा शर्मा 35.00
बच्चों के लिए मोहक एवं प्रेरक कविताओं का संग्रह।

मैं किशोर हूँ : अपर्णा शर्मा 45.00
बच्चों के लिए मोहक एवं प्रेरक कविताओं का संग्रह।

चतुर राजकुमार : अपर्णा शर्मा 70.00
बाल-पाठकों के लिए एक रोचक एवं ज्ञानवर्द्धक उपन्यास।

विरासत में मिली कहानियाँ : अपर्णा शर्मा 50.00
बाल उपयोगी कहानियों का विशिष्ट संग्रह।

संत-महात्माओं की कहानियाँ : 'बचपन' के सौजन्य से 150.00
संत-महात्माओं पर केंद्रित इस पुस्तक में जीवनानुभवों का प्रेम-रस प्रवाहित है।

शरारत की सजा : शैल तिवारी 120.00
बाल-कहानियों का संग्रह।

कैलासी बाबा: विभा देवसरे 90.00
बाल-कहानी संग्रह।

जय-जय रघुवीर समर्थ : हरिकृष्ण देवसरे 90.00
समर्थ गुरु रामदास की जीवनी।

सवेरे की रोशनी : खलील जिब्रान 50.00

छुट्कल-मुट्कल बाल कविताएँ : ले. : दिविक रमेश 100.00
दिविक रमेश की ये कविताएँ बच्चों के लिए एक भरा-पूरा संसार लेकर आती हैं।

खुशी खोजें स्कूल में : ले. : रमेश दवे 160.00
यह निबंध बच्चों से अधिक उन शिक्षकों एवं अभिभावकों के लिए लाभदायक हैं जो बच्चों की समस्याओं को अपने बने-बनाए फ्रेम में कैद करना चाहते हैं।

तुम डाल-डाल हम पात-पात : ले. : हरिकृष्ण देवसरे 100.00
इस पुस्तक में डॉ. देवसरे ने हमारे रोजमर्रा के जीवन में प्रयोग किए जानेवाले मुहावरों पर आधारित रोचक कहानियों की रचना की है।

रहिमन पानी राखिए : ले. : हरिकृष्ण देवसरे 120.00
इस पुस्तक की रचना बाल एवं किशोर पाठकों को ध्यान में रखकर की गई है ताकि पाठक इससे लाभान्वित हो सकें।

राजा भोज की कहानियाँ : ले. : हरिकृष्ण देवसरे 120.00
इस पुस्तक में उज्जयिनी के राजा और कवि भोज की जीवनी को डॉ. हरिकृष्ण देवसरे ने अपनी विशिष्ट एवं आकर्षक शैली में प्रस्तुत किया है।

भगवान ने चाहा तो... : ले. : गोविन्द मिश्र 120.00
यह पुस्तक किशोर मन की कहानियों के मनोविश्लेषण को समझने में सहायक होगी।

बाल दिवस और अन्य कहानियाँ : ले. : श्रीप्रसाद 150.00
यह पुस्तक अनेक प्रेरणादायक कहानियों का संग्रह है।

नन्ही चिड़िया और अन्य कहानियाँ : ले. : श्रीप्रसाद 150.00
यह पुस्तक अनेक बाल उपयोगी कहानियों का संग्रह है।

मन का सुख : ले. : योगेंद्र नाथ शर्मा 'अरुण' 150.00
अनेक बाल उपयोगी कहानियों का संग्रह है।

गांधी शिक्षा (भाग 1) : 60.00

गांधी शिक्षा (भाग 2) : 60.00

गांधी शिक्षा (भाग 3) : 60.00
गांधी जी की कई पुस्तकों में से चुनकर इस संकलन को तैयार किया गया है जो बहुत ही बाल उपयोगी संग्रह है।

अप्रैल फूल और अन्य कहानियाँ : ले. : उषा शर्मा 150.00
यह पुस्तक अनेक प्रेरणादायक कहानियों का संग्रह है।

मॉरिशस में दीक्षा एवं दादी माँ : मनोरमा विश्वाल महापात्र 50.00
बाल उपयोगी कहानी।

अफ्रीकी दंत कथाएँ : संजीव ठाकुर 80.00
बाल उपयोगी दंत कथाएँ।

सुबोध साहित्य माला

सुबोध साहित्य माला (16 पुस्तकें) प्रति सेट मूल्य : 670.00

भारतीय लोक-कथाएँ 60.00
विभिन्न जनपदों की रोचक और प्रेरक लोक-कथाएँ।

पथ के आलोक 40.00
महावीर, बुद्ध, ईसा, नानक, मुहम्मद, हजरत उमर आदि महापुरुषों की प्रेरक घटनाएँ।

बापू का पथ 35.00
बापू के मार्ग की सूक्ष्म झाँकी।

हमारे संत-महात्मा 50.00
गुरुनानक, नरसी मेहता, चैतन्य महाप्रभु तथा दक्षिण की मीरा की प्रेरक और बोधगम्य जीवनियाँ।

संतों की सीख 20.00
संतों की प्रेरक जीवन-कथाएँ।

हमारी बोध-कथाएँ 45.00
चुनी हुई 83 प्रेरक और रोचक बोध-कथाएँ।

हमारे प्रमुख तीर्थ 35.00
बद्रीनाथ, द्वारिका, जगन्नाथपुरी, रामेश्वरम् का सचित्र एवं रोचक वर्णन।

हमारी आदर्श नारियाँ 30.00
झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई, देशभक्त अजीजन, महारानी अहिल्याबाई, राष्ट्रमाता कस्तूरबा गांधी के जीवन का सचित्र एवं रोचक वर्णन।

हमारी नदियाँ 50.00
गंगा, यमुना, नर्मदा और कावेरी का सचित्र रोचक वर्णन।

विश्व की श्रेष्ठ कहानियाँ 60.00
विश्व के प्रसिद्ध लेखकों की शिक्षाप्रद कहानियों का संग्रह।

बड़ों की बड़ी बातें 40.00
संतों तथा महापुरुषों के शिक्षाप्रद प्रसंग।

ईंट की दीवार : चौ. शिवनाथसिंह शांडिल्य 50.00
एक महान संत की शिक्षाप्रद कहानियाँ।

बेताल पच्चीसी : यशपाल जैन 50.00
बेताल पच्चीसी की रोचक तथा मनोरंजक कथाएँ।

सिंहासन बत्तीसी : यशपाल जैन 40.00
रोचक तथा शिक्षाप्रद कहानियाँ।

सफलता की कुँजी : यशपाल जैन 15.00
मानव की गुणवत्ता तथा कर्तव्य की दिशा बताने वाली पुस्तक।

हारिए न हिम्मत 70.00
साहस तथा उत्साह से काम करने की प्रेरणा देनेवाली कहानियाँ।

भारतीय संस्कृति की पृष्ठभूमि पर सुबोध भाषा में बालकों, किशोरों और प्रौढ़ों के लिए ज्ञानवर्द्धक तथा शिक्षा-संस्थानों और ग्राम-पंचायतों के लिए महत्त्वपूर्ण पुस्तकें।

सचित्र बाल-साहित्य

सचित्र बाल-साहित्य के अंतर्गत **धीरा वर्मा** एवं **स्नेहलता श्रीवास्तव** की 28 पुस्तकों का सेट हिंदी एवं अंग्रेजी में एक साथ। आज के भागम-भाग भरे समय में हमारे बच्चे जिस प्रकार आदर्शहीन, नैतिकता एवं आत्मविश्वासविहीन होते जा रहे हैं, ऐसे में ये पुस्तकें उनके चरित्र निर्माण में सहायक सिद्ध हो सकती हैं। बाल मनोविज्ञान को ध्यान में रखकर लिखी गई इन पुस्तकों के शीर्षक इस प्रकार हैं : अर्जुन, चाणक्य, चतुर पीटर, सुखी कौन, बुद्धिमान बीरबल, सिद्धार्थ, बहू की खोज, सेर को सवा सेर, कंकड़ की सब्जी, मोनिका, बाघ आया बाघ आया, पंडित जी, सूरज और चाँद, ग्वाला भइया। साथ ही **सुरेखा पाणंदीकर** की 'चुलबुली चानी', 'माँ माँ ही है' एवं 'चिड़ियाघर में चिटकू'; **इंदिरा बागची** की बाल पुस्तकें 'बूजो का जन्मदिन' एवं 'तितली और मकड़ी' तथा **इंदिरा अनंतकृष्णन** की 'जंगली कौआ पालतू बना' एक साथ हिंदी एवं अंग्रेजी में प्रकाशित। हिंदी और अंग्रेजी में एक साथ पढ़ते हुए बच्चे अनुवाद की प्रक्रिया से भी परिचित होंगे।

चुलबुली चानी
ले. : सुरेखा पाणंदीकर
Rs. 60.00 (P.B.)

Chulbuli Chani
Surekha Panandikar
Rs. 60.00 (P.B.)

बूज़ो का जन्मदिन
ले. : इंदिरा बागची
Rs. 60.00 (P.B.)

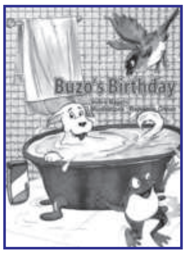

Buzo's Birthday
Indira Bagchi
Rs. 55.00 (P.B.)

जंगली कौआ पालतू बना
ले. : इंदिरा अनंतकृष्णन
Rs. 60.00 (P.B.)

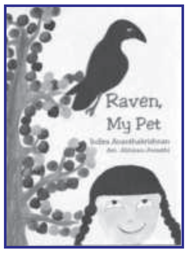

Raven, My Pet
Indira Ananthakrishnan
Rs. 60.00 (P.B.)

तितली और मकड़ी
ले. : इंदिरा बागची
Rs. 50.00 (P.B.)

Butterfly and the Spider
Indira Bagchi
Rs. 60.00 (P.B.)

माँ माँ ही है
ले. : सुरेखा पाणंदीकर
Rs. 55.00, P.B.

Mother is always there
Surekha Panandikar
Rs. 55.00 (P.B.)

चिड़ियाघर में चिटकू
ले. : सुरेखा पाणंदीकर
Rs. 75.00 (P.B.)

Chitku in the Zoo
Surekha Panandiker
Rs. 80.00 (P.B.)

गिजुभाई की बालोपयोगी शिक्षाप्रद पुस्तकें

स्व. गिजुभाई बधेका शिक्षा-क्षेत्र की एक महान विभूति थे। अपने प्रयोगों और अनुभवों के आधार पर उन्होंने निश्चय किया था कि बच्चों के सही विकास के लिए, उन्हें देश का उत्तम नागरिक बनाने के लिए, किस प्रकार की शिक्षा देनी चाहिए और किस ढंग से। इसी ध्येय को सामने रखकर उन्होंने बहुत-सी बालोपयोगी कहानियाँ लिखीं। ये कहानियाँ गुजराती में दस पुस्तकों में प्रकाशित हुई हैं। इन्हीं कहानियों को हमने पाँच पुस्तकों में प्रकाशित किया है। इन कहानियों को बालक चाव से पढ़ें, उन्हें पढ़ते या सुनते समय, वे उसमें लीन हो जाएँ, इस बात का लेखक ने पूरा ध्यान रखा है। संभव-असंभव, स्वाभाविक-अस्वाभाविक, इसकी चिंता लेखक ने नहीं की। यही कारण है कि इन कहानियों की बहुत-सी बातें अनहोनी-सी लगती हैं। पर बच्चों के लिए तो कहानियों में रस प्रधान होता है, कुतूहल महत्त्व रखता है, और ये दोनों ही चीजें इन कहानियों में भरपूर हैं। गिजुभाई के जन्म-शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में इन कहानियों को पाठकों को सुलभ किया गया था। हमें पूरा विश्वास है कि पाठक, विशेषकर हमारे बालक, इन कहानियों को चाव से पढ़ेंगे और इनसे शिक्षा ग्रहण करेंगे।

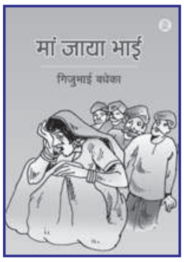

प्रत्येक पुस्तक का मूल्य : रु. 70/-

अर्जुन
ले. : धीरा वर्मा
Rs. 50.00 (P.B.)

सेर को सवा सेर
ले. : धीरा वर्मा
Rs. 50.00 (P.B.)

चाणक्य
ले. : धीरा वर्मा
Rs. 40.00 (P.B.)

मोनिका
ले. : धीरा वर्मा
Rs. 50.00 (P.B.)

चतुर पीटर
ले. : धीरा वर्मा
Rs. 45.00 (P.B.)

बाघ आया बाघ आया
ले. : धीरा वर्मा
Rs. 40.00 (P.B.)

सुखी कौन
ले. : धीरा वर्मा
Rs. 50.00 (P.B.)

कंकड़ की सब्जी
ले. : धीरा वर्मा
Rs. 40.00 (P.B.)

बुद्धिमान बीरबल
ले. : धीरा वर्मा
Rs. 40.00 (P.B.)

पंडित जी
ले. : धीरा वर्मा
Rs. 40.00 (P.B.)

सिद्धार्थ
ले. : धीरा वर्मा
Rs. 50.00 (P.B.)

सूरज और चाँद
ले. : धीरा वर्मा
Rs. 50.00 (P.B.)

बहू की खोज
ले. : धीरा वर्मा
Rs. 40.00 (P.B.)

ग्वाला भइया
ले. : स्नेहलता श्रीवास्तव
सं. : धीरा वर्मा
Rs. 60.00 (P.B.)

Arjun
Dheera Verma
Trans.: Sunanda V. Asthana
Rs. 60.00 (P.B.)

Tit for Tat
Dheera Verma
Trans.: Sunanda V. Asthana
Rs. 60.00 (P.B.)

Chanakya
Dheera Verma
Trans.: Sunanda V. Asthana
Rs. 45.00 (P.B.)

Monika
Dheera Verma
Trans.: Sunanda V. Asthana
Rs. 60.00 (P.B.)

Clever Peter
Dheera Verma
Trans.: Sunanda V. Asthana
Rs. 45.00 (P.B.)

Results of Telling a Lie
Dheera Verma
Trans.: Sunanda V. Asthana
Rs. 45.00 (P.B.)

Who is Happy
Dheera Verma
Trans.: Sunanda V. Asthana
Rs. 60.00 (P.B.)

Stone Curry
Dheera Verma
Trans.: Sunanda V. Asthana
Rs. 45.00 (P.B.)

Wise Birbal
Dheera Verma
Trans.: Sunanda V. Asthana
Rs. 45.00 (P.B.)

Pandit Ji
Dheera Verma
Trans.: Sunanda V. Asthana
Rs. 45.00 (P.B.)

Siddharth
Dheera Verma
Trans.: Sunanda V. Asthana
Rs. 60.00 (P.B.)

Sun and the Moon
Dheera Verma
Trans.: Sunanda V. Asthana
Rs. 60.00 (P.B.)

In Search of a Suitable Bride
Dheera Verma
Trans.: Sunanda V. Asthana
Rs. 45.00 (P.B.)

Gwala Bhaiya
Snehlata Srivastava
Edited: Dheera Verma
Trans.: Sunanda V. Asthana
Rs. 70.00 (P.B.)

आगामी प्रकाशन

हिंदी आलोचना का उत्तर आधुनिक विमर्श : कृष्णदत्त पालीवाल
भविष्य की सैर : कल्पना कुलश्रेष्ठ
सतरंगे बाल नाटक : सुरेखा पाणंदीकर, इंदिरा बागची
बुद्ध प्रसंग : भरत सिंह उपाध्याय
हिंदी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल

मैथिलीशरण गुप्त : जेल के दिनों का लेखन *कुणाल गीत और पत्राचार* : मैथिलीशरण गुप्त
जठरांत्रिक प्रणाली के रोग : डॉ. फणि भूषण दास
देश सेवकों के संस्मरण : गांधी जी
गांधी जी की देन : डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
गांधी जी और उनके सपने : वियोगी हरि

बालोपयोगी शिक्षाप्रद पुस्तकें

बिम्बी की कहानी 40.00
बिल्ली की सरल, रोचक एवं सचित्र बाल कहानी।

खूब मिले 50.00
पशु-पक्षी की रोचक, सुगम और सचित्र बाल कहानी।

संगीत की कहानी : रेखा जैन 50.00
संगीत के विकास पर सुबोध, सरल और सचित्र बाल पोथी।

पढ़ेंगे-लिखेंगे : सुशीला 45.00
अपढ़ता को दूर करने की प्रेरणा देनेवाली सचित्र बाल पोथी।

अच्छा किया या बुरा ? : आत्माराम बेहकी 40.00
जीवन की उलझनें, उनसे बचाव तथा लोभ-लालच से बचने संबंधी उपयोगी पुस्तक।

हीरे का राजकुमार : मंदाकिनी 35.00
राजकुमार की सुंदर, रोचक एवं सचित्र बाल कहानी।

तीन कुमार : पृथिवी कुमार 40.00
जातक कथा पर आधारित बच्चों की शिक्षाप्रद कहानी।

गोरा-बादल : सुंदरलाल त्यागी 35.00
राजस्थान के इन वीरों की त्याग, बलिदान और वीरता की भावपूर्ण कहानी।

हिरण और राजा : पृथिवी कुमार 40.00
बच्चों की जातक कथा सदृश सरल, सुबोध एवं शिक्षाप्रद कहानी।

साहसी मोहन : दयाशंकर मिश्र 'दद्दा' 45.00
साहसी कारनामे से वीरता की भावना जगाने वाली बालोपयोगी रोचक उपन्यास।

बकुल पेड़ की कथा : डॉ. श्रीमती मनोरमा विश्वाल महापात्र 50.00
बकुल पेड़ की सुंदर, सचित्र एवं शिक्षाप्रद बालोपयोगी कहानी।

सुनहरी मछली की कहानी : डॉ. श्रीमती मनोरमा विश्वाल महापात्र 35.00
छोटी-छोटी सुंदर मछली की रोचक व सचित्र बाल कहानी।

पिंजरा : सुमन वाजपेयी 30.00
बाल मनोविज्ञान पर केंद्रित कहानियाँ।

आओ चाँदीपुर चलें : डॉ. श्रीमती मनोरमा विश्वास महापात्र 30.00
सचित्र बालोपयोगी कहानियाँ।

विज्ञान साहित्य माला

पृथ्वी बनी : देवीप्रसाद चट्टोपाध्याय 40.00
पृथ्वी के जन्म की रोचक एवं सरस कहानी।

मनुष्य जन्मा : देवीप्रसाद चट्टोपाध्याय 35.00
पृथ्वी पर प्राणियों की उत्पत्ति और क्रम-विकास की कहानी।

मनुष्य का बचपन : देवीप्रसाद चट्टोपाध्याय 50.00
मानव-समाज की सभ्यता एवं उनके आरंभिक विकास की रोचक कहानी।

धरती की कहानी : ओमप्रकाश 30.00
धरती के विषय में रोचक एवं जानकारी संबंधी बातें।

एवरेस्ट की कहानी : प्रो. आल अहमद सुरदर 45.00
संसार के सबसे ऊंचे पर्वत पर की चढ़ाइयों की रोचक एवं सचित्र कहानी।

गर्मी की कहानी : ब्रह्मानंद गुप्त, रमेश वेदी 45.00
गर्मी के बारे में जानने योग्य रोचक बातों का सुलभ वर्णन।

ध्वनि की लहरें : ब्रह्मानंद गुप्त, नरेश वेदी 50.00
आवाज संबंधी बातों की जानकारी सरल और रोचक ढंग से चित्रों के साथ।

प्रकाश की बातें : ब्रह्मानंद गुप्त, नरेश वेदी 45.00
प्रकाश के बारे में जानने योग्य बातों का सुलभ भाषा में अनोखी पुस्तक।

हमारा भोजन : ओमप्रकाश त्रिखा 40.00
स्वास्थ्योपयोगी भोजन की वैज्ञानिक जानकारी।

पक्षियों की दुनिया : सुरेश सिंह 50.00
पशु-पक्षियों का विकास तथा उनके रूप-रंगों का सचित्र वर्णन।

धरती और आकाश : छोटू भाई सुथार 50.00
धरती और आकाश की जानकारी चित्रों के साथ सरल भाषा में।

आकाश दर्शन : छोटू भाई सुथार 50.00
आकाश गंगा तथा आकाश की अन्य विषयों के बारे में जानने योग्य पुस्तक।

आओ विमान चलायें : देवव्रत वसु 50.00
विमान के बारे में सरल एवं सुबोध तरीके से जानकारी की पुस्तक।

जीव आया : देवीप्रसाद चट्टोपाध्याय 40.00
पृथ्वी पर जीवन के आविर्भाव की रोचक कहानी।

जड़-जगत की कहानियाँ : नंदलाल जैन 50.00
विभिन्न वस्तुओं की सचित्र एवं ज्ञानवर्द्धक बालोपयोगी वैज्ञानिक पुस्तक।

रेंगने वाले जीव : सुरेश सिंह 50.00
रेंगने वाले जीवों की शरीर रचना एवं स्वभाव संबंधी ज्ञान की पुस्तक।

समुद्र के जीव-जंतु : सुरेश सिंह 50.00
समुद्र में रहनेवाले जीव-जंतुओं का परिचय तथा उनकी जानकारी की बातें।

जानवरों का जगत : सुरेश सिंह 60.00
जानवरों का परिचय, उनकी शरीर-रचना तथा स्वभाव संबंधी ज्ञान की बातें।

कीड़े-मकोड़े : सुरेश सिंह 40.00
कीड़े-मकोड़ों की शरीर-रचना तथा उनके स्वभाव संबंधी जानकारी की पुस्तक।

आग से रक्षा 50.00
आग लगने एवं रोकने संबंधी ज्ञान के लिए अत्यंत उपयोगी पुस्तक।

जान बचाने के तरीके 80.00
जान बचाने एवं प्राथमिक चिकित्सा की जानकारी संबंधी उपयोगी पुस्तक।

भले रहो! चंगे रहो! : काशीनाथ त्रिवेदी 40.00
सरल एवं रोचक बालोपयोगी सचित्र पुस्तक।

रसायन विज्ञान आजकल : सी.एन.आर. राव 150.00
इस पुस्तक में पाठकों के लिए रसायन विज्ञान के विकास एवं महत्त्व के बारे में महत्त्वपूर्ण जानकारी दी गई है।

Chemistry Today : C.N.R. Rao 150.00
A interesting scientific book on Chemistry.

भारतीय गणितज्ञ : हरिकृष्ण देवसरे 120.00
इस पुस्तक में भारतीय गणितज्ञों की शिक्षाप्रद जीवनियाँ संकलित हैं।

विज्ञान के रत्न : हरिकृष्ण देवसरे 120.00
इस पुस्तक में वैज्ञानिकों की शिक्षाप्रद जीवनियाँ संकलित हैं।

विज्ञान प्रसार (विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के अंतर्गत स्वायत्त संस्थान) के साथ संयुक्त प्रकाशित पुस्तकें

घर में मनोरंजन एवं विज्ञान : ज्योति भंसाली, प्रो. एल.एस. कोठारी 150.00
सरल प्रयोगों के द्वारा घर में विज्ञान सीखने की एक मात्र पुस्तक।

प्रकृति की प्रयोगशाला : निखिल मोहन पटनाइक, पुष्प श्री पटनाइक 150.00
गतिविधि आधारित प्रकृति अध्ययन के लिए मार्ग निर्देशिका।

साइकिल की कहानी : विजय गुप्ता; अनु. अरविन्द गुप्ता 65.00
साइकिल के जन्म की कहानी सहज एवं सरल भाषा में।

चार्ल्स डार्विन की आत्मकथा : चार्ल्स डार्विन 75.00
चार्ल्स डार्विन द्वारा लिखी गई वैज्ञानिक उपलब्धियों पर प्रेरित करनेवाली उनकी जीवनी।

फर्मी के प्रश्न या अनुमान लगाने की कला : विनय. बी. काम्बले; अनु. प्रवीर अस्थाना 45.00
फर्मी के प्रश्नों का हल ढूँढ़ने में सहायक तरीका।

अँगूठे की छाप : अरविंद गुप्ता 50.00
अँगूठों की छाप से आकर्षक चित्र बनाना।

ग्रहण : मिथक और यथार्थ : नारायण चंद्र राणा; अनु. सुनील कु. सिंह 50.00
ग्रहणों से संबंधित अंधविश्वासों का संग्रह।

आयोडीन सैनिक : डॉ. विजय गुप्ता 60.00
आयोडीन की कमी एवं उसकी रोकथाम की कहानी।

कहानी रसायन विज्ञान की : अनिर्वान हाजरा; अनु. देवेंद्र मेवाड़ी 150.00
रसायन विज्ञान के प्राचीन काल से लेकर आधुनिक विज्ञान बन जाने तक की कहानी।

भौतिकी की कहानी : थनु पद्मनाभन 100.00
सरल और मनोरंजन तरीके से विज्ञान की घटनाओं का वर्णन।

दिल्ली लौह-स्तंभ : तं. रा. अनंतरमण; अनु. राम प्र. एवं रामनिवास आर्य 150.00
प्राचीन भारतीय धातु शिल्प का चमत्कार।

प्रकाश बत्ती का रासायनिक इतिहास : माइकेल फैराडे 150.00
प्रकाश बत्ती पर रोचक निबंधों का संग्रह।

देखा परखा सच : हरिकृष्ण देवसरे 150.00
विज्ञान पर केंद्रित बाल उपयोगी पुस्तक।

कहानी माप-तोल की : बलदेव राज दावर 80.00
माप-तोल संबंधी विज्ञान पुस्तक।

साबुन के बुलबुले : सी.वी. बॉयज 100.00
वैज्ञानिक व्याख्यों का संग्रह।

ऊर्जा और आत्मनिर्भरता : सी.वी. बॉयज 100.00
आत्मनिर्भरता पर एक रोचक पुस्तक

पर्यावरण और आत्मनिर्भरता : सी.वी. बॉयज 100.00
आत्मनिर्भरता पर एक रोचक पुस्तक

क्यों और कैसे : सी.वी. बॉयज 100.00
बच्चों के लिए रोचक पुस्तक

पत्तों का चिड़ियाघर : सी.वी. बॉयज 100.00
आत्मनिर्भरता पर एक रोचक पुस्तक

प्रकाशन विभाग (सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार) के साथ संयुक्त प्रकाशित पुस्तकें

अजेय क्रांतिकारी राजगुरु : अनिल वर्मा 125.00
राजगुरु की जीवनी।

हमारे संस्कार और संस्कृति : साने गुरुजी 95.00
भारतीय संस्कृति पर आधारित एक उपयोगी पुस्तक।

प्राचीन भारत के स्त्री रत्न : रामचंद्र वर्मा, शंकरलाल वर्मा, रीतारानी पालीवाल 90.00
प्राचीन भारत की प्रसिद्ध स्त्रियों की जीवनी।

आदिकवि और उनकी रामायण : राधावल्लभ त्रिपाठी 95.00
आदिकवि वाल्मीकि पर आधारित एक उपयोगी पुस्तक।

कालिदास के नाटक : सं. विष्णु प्रभाकर 55.00
कालिदास के नाटकों का कथासार ।

कालिदास की काव्य रचनाएँ : सं. विष्णु प्रभाकर 55.00
कालिदास के काव्य ग्रंथों का कथासार।

भवभूति के नाटक : सं. विष्णु प्रभाकर 50.00
भवभूति के नाटकों का कथासार।

भास के नाटक : सं. विष्णु प्रभाकर 70.00
भास के नाटकों का कथासार।

श्रुति और स्मृति : सं. वियोगी हरि 95.00
वेद, उपनिषद् और स्मृति पर उपयोगी निबंध।

संस्कृति के आंतरिक लय के स्रोत : सं. वियोगी हरि 110.00
रामायण और महाभारत पर आधारित उपयोगी पुस्तक।

भक्ति : उत्तर और दक्षिण का समन्वय सूत्र : सं. वियोगी हरि 100.00
उत्तर और दक्षिण भारत के सांस्कृतिक और साहित्यिक संबंध पर आधारित।

आओ पर्यावरण बचाएं और धरा को स्वर्ग बनाएं : स्नेहलता श्रीवास्तव प्रकाशनाधीन
पर्यावरण पर आधारित एक शिक्षाप्रद पुस्तक।

केरल की जन-जागृति के अद्भुत गायक :कुमारन आशान : सुधांशु चतर्वेदी 85.00
कुमारन आशान पर संबंधित पुस्तक।

हमारे समय में उपनिषद् : सुधांशु चतर्वेदी 85.00
कुमारन आशान पर संबंधित पुस्तक।

पुस्तकालय संस्करण (Library Editions)

जवाहरलाल नेहरू वाङ्मय : खण्ड 1 से 11 तक ...	10000.00
कांग्रेस का इतिहास : पट्टाभि सीतारामय्या (तीन भागों में)	3000.00
मेरी कहानी (संपूर्ण) : जवाहरलाल नेहरू	400.00
विश्व इतिहास की झलक (संपूर्ण) : जवाहरलाल नेहरू	1200.00
हिंदुस्तान की कहानी (संपूर्ण) : जवाहरलाल नेहरू	450.00
मेरे समकालीन : सं. विष्णु प्रभाकर	300.00
भारतीय स्वाधीनता संग्राम का इतिहास : इंद्र विद्यावाचस्पति	400.00
दक्षिण अफ्रीका के सत्याग्रह का इतिहास : गांधी जी	300.00
संत सुधासार : वियोगी हरि	300.00
विनोबा के विचार	200.00
हमारी परंपरा : वियोगी हरि	500.00
भागवत धर्म : हरिभाऊ उपाध्याय (दो भाग)	260.00
दलितों के दलित : हरिकिशन संतोषी	250.00
आत्मकथा (संपूर्ण) : गांधी जी (चित्रों सहित)	400.00

आत्मकथा : डॉ. राजेंद्र प्रसाद	300.00
दशरथ-नंदन श्री राम : चक्रवर्ती राजगोपालाचार्य	250.00
भारत सावित्री : वासुदेवशरण अग्रवाल	300.00
टाम काका की कुटिया : हेरियर बीचर स्टो	300.00
प्रियदर्शी अशोक : हरिभाऊ उपाध्याय	200.00
ओम नमो भगवते वासुदेवाय : संक. घनश्याम दास बिड़ला	75.00
मेरी जीवन यात्रा : जानकी देवी बजाज	90.00
अब ना बनेगी देहरी : पद्मा सचदेव	200.00
पृथिवी पुत्र : वासुदेवशरण अग्रवाल	200.00
देहरी की बात : रमेशचंद्र शाह	150.00
आओ, विचारें आज मिलकर : विजयबहादुर सिंह	125.00
भारत : आजादी और संस्कृति : डॉ. लक्ष्मीमल्ल सिंघवी	130.00
महात्मा गांधी : सहस्राब्द का महानायक : सं. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी	300.00
मछुआरा और राजकुमारी : रीतारानी पालीवाल	150.00
एक औरत एक जिन्दगी : रामदरश मिश्र	150.00
घर में मनोरंजन एवं विज्ञान : ज्योति भंसाली, प्रो.एल.एस. कोठारी	150.00
दिल्ली लौह-स्तंभ : तं. रा.अनंतरमण	200.00
चार्ल्स डार्विन की आत्मकथा : चार्ल्स डार्विन	150.00
प्रकृति की प्रयोगशाला : निखिल मोहन पटनाइक, पुष्प श्री पटनाइक	150.00
कहानी रसायन विज्ञान की : अनिर्वान हाजरा	150.00
भौतिकी की कहानी : थनु पद्मनाभन	150.00
योग से रोग निवारण : स्वामी शिवानंद सरस्वती	300.00
गांधी की कहानी : लुई फिशर	200.00
हारिए न हिम्मत	150.00
जीवन और साधना : इंद्रसेन	150.00
सभी धर्म महान : डॉ. योगेंद्रनाथ शर्मा 'अरुण'	150.00
कथा सरित्सागर : सोमदेव, संपा.-विष्णु प्रभाकर	495.00
मधुश्रावणी : शैलेन्द्र मोहन झा, अनु.-प्रोमिला	170.00
हिंद स्वराज : गांधी का शब्दअवतार, गिरिराज किशोर	300.00
खलील जिब्रान : प्रतिनिधि रचनाएँ, संपा.-कृष्णदत्त पालीवाल	900.00
लियो टॉल्सटॉय : प्रतिनिधि रचनाएँ (भाग-1), सं.-कृष्णदत्त पालीवाल	500.00
लियो टॉल्सटॉय : प्रतिनिधि रचनाएँ (भाग-2), सं.-कृष्णदत्त पालीवाल	600.00
लियो टॉल्सटॉय : प्रतिनिधि रचनाएँ (भाग-3), सं.-कृष्णदत्त पालीवाल	500.00
हिंद स्वराज का सच : कनक तिवारी	200.00
त्रिशंकु : अज्ञेय, संपा.-कृष्णदत्त पालीवाल	200.00
नगा पर्वत की एक घटना : अज्ञेय, संपा.-कृष्णदत्त पालीवाल	180.00
भारतीय कलादृष्टि : अज्ञेय, संपा.-कृष्णदत्त पालीवाल	250.00
साहित्य, संस्कृति और समाज परिवर्तन की प्रक्रिया : अज्ञेय संपा.-कृष्णदत्त पालीवाल	190.00
पुष्करिणी : अज्ञेय, संपा.-कृष्णदत्त पालीवाल	250.00
आधुनिक हिंदी साहित्य : अज्ञेय, संपा.-कृष्णदत्त पालीवाल	200.00
जिंदगी की किताब : के.पी. रामनुण्णी, अनु.-डॉ. पी.के. राधामणि	500.00
नीली चमेली की रहस्यमयी कहानी : अमित दासगुप्ता, अनु.विपिन कुमार	250.00
श्रेष्ठ कहानियाँ : हिमांशु जोशी	300.00
भारतीय दंतकथाएँ : रस्किन बॉण्ड, अनु.-मनीषा ख़लख़ो	250.00
अपराध कथाएँ : रस्किन बॉण्ड, अनु.-सरिता शर्मा, अभिषेक कश्यप	250.00
अजीबोगरीब लोग और अजीबोगरीब जगहें : रस्किन बॉण्ड, अनु.-सरिता शर्मा, अभिषेक कश्यप	200.00
भूतों से मुठभेड़ : रस्किन बॉण्ड, अनु.-अमित कुमार चौधरी	170.00
हर रास्ता गंगा की ओर : रस्किन बॉण्ड, अनु.-सुमन बाजपेयी	150.00
हनुमान आए बचाने : रस्किन बॉण्ड, अनु.-सुमन बाजपेयी	100.00
बहुत सारी परेशानियाँ : रस्किन बॉण्ड, अनु.-सुमन बाजपेयी	100.00
छंद है यह फूल : अज्ञेय, सं.-कृष्णदत्त पालीवाल	275.00
पशु प्रेम की कहानियाँ : द.न. मामिन-सिबिर्याक, सं.-हेमचंद्र पांडे	150.00
Indian Music : Richa Varma	175.00
संस्कृति साहित्य सौरभ (भाग-1) : सं.-विष्णु प्रभाकर	450.00
संस्कृति साहित्य सौरभ (भाग-2) : सं.-विष्णु प्रभाकर	350.00
संस्कृति साहित्य सौरभ (भाग-3) : राधावल्लभ त्रिपाठी	250.00
संस्कृति साहित्य सौरभ (भाग-4) : राधावल्लभ त्रिपाठी	420.00
भारतीय परंपरा की खोज : भगवान सिंह	350.00
प्राचीन भारत के इतिहासकार : भगवान सिंह	350.00
पंचतंत्र की कहानियाँ : भगवान सिंह	450.00
हीरानंद शास्त्री स्मारक व्याख्यान माला (भाग-1) : सं.-कृष्णदत्त पालीवाल	500.00
हीरानंद शास्त्री स्मारक व्याख्यान माला (भाग-2) : सं.-कृष्णदत्त पालीवाल	500.00
वत्सल निधि प्रकाशन माला : संवित्ति : सं.-अज्ञेय	650.00
कला स्वाद का मर्म : अज्ञेय	160.00
अज्ञेय से बातचीत : सं.-कृष्णदत्त पालीवाल	300.00
अछूत मतवाद के सच : गांधी और अंबेडकर : डॉ. विवेकानंद तिवारी	500.00
गदर की चिनगारियाँ : शरद सिंह	300.00
हिमालय की कहानियाँ : रस्किन बॉण्ड	160.00
इतिहास के सवाल : नंदकिशोर आचार्य	250.00
अगुन-सगुन बिच : रमेशचंद्र शाह	270.00
भारतीय नारियाँ : मानिक बच्छावत	160.00
ये कीर्ति स्तंभ : मानिक बच्छावत	155.00
प्रतिनिधि निबंध : रवींद्रनाथ ठाकुर	400.00
गीतांजलि : रवींद्रनाथ ठाकुर	400.00
दस कहानियाँ : रामकुमार मुखोपाध्याय	155.00
और रमा लौट आई : डॉ. योगेंद्रनाथ शर्मा 'अरुण'	160.00
भाषा, साहित्य एवं राष्ट्रीयता : डॉ. कृष्ण कुमार	200.00
बाबा फरीद : बख्शीश सिंह	200.00
पौराणिक कथाएँ (भाग-1): डॉ. बालशौरि रेड्डी	160.00
पौराणिक कथाएँ (भाग-2) : बालशौरि रेड्डी	160.00
बीता युग नई याद : सीताराम सेकसरिया	250.00
बाबा की छत्रछाया में : तारा सिन्हा	300.00
स्वर्णघाटी की जनगाथा : मनोज दास	160.00
रवींद्रनाथ की कहानियाँ : दस नारियाँ : सं.-रामकुमार मुखोपाध्याय	350.00
निरुपमा, करना मुझको क्षमा : अनु.-प्रयाग शुक्ल	170.00
दरवाज़ा खुला रखना : सं.-पद्मा सचदेव	300.00
द पावर ऑफ एन : मीता लाल	350.00
महाविजय : योगेंद्रनाथ शर्मा 'अरुण'	200.00
भारत की जातीय पहचान : सनातन मूल्य : कृष्ण बिहारी मिश्र	350.00
रुको, इंतजार हुसैन : राजी सेठ	250.00
प्रतिनिधि मलयालम कहानियाँ : सं.-पी.के. राधामणि	400.00
सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 : हरकिशन संतोषी	400.00
श्री रमण महर्षि : सं.-प्रो. लक्ष्मीनारायण	400.00
लूशिएन का रहस्य : हरिकृष्ण देवसरे	250.00
महाराज छत्रसाल : हरिकृष्ण देवसरे	160.00
संत एकनाथ : हरिकृष्ण देवसरे	160.00
संत तुकाराम : हरिकृष्ण देवसरे	160.00
अमीर खुसरो : हरिकृष्ण देवसरे	160.00

सोने का दरवाजा : मानवेंद्र बंद्योपाध्याय 220.00
संस्कृति के भावनायकों की लीलास्थली : स.ही. वात्स्यायन 'अज्ञेय' 200.00
उपदिष्ट तथा अन्य कहानियाँ : सुधा सिन्हा 160.00
Fun with Mathematics :
L.S. Kothari & Om Prakash 250.00
Fun with Mathematics at Home : L.S. Kothari &
S. Bhansali 250.00
प्रेमचंद : प्रतिनिधि संचयन : सं.-कमल किशोर गोयनका 600.00
स.ही. वात्स्यायन 'अज्ञेय' के अभिभाषण (भाग-1) :
सं.-कृष्णदत्त पालीवाल 500.00
स.ही. वात्स्यायन 'अज्ञेय' के अभिभाषण (भाग-2) :
सं.-कृष्णदत्त पालीवाल 400.00
यथा प्रस्तावित : गिरिराज किशोर 220.00
कृति और कृतिकार : मृदुला गर्ग 180.00
आर्य-द्रविड़ भाषाओं का अंत:संबंध : भगवान सिंह 350.00
उर्दू शायरी : एक चयन : सं.-शाहीना तबस्सुम, कुलदीप सलील 350.00
महात्मा की छाया में : सं.-इला रमेश भट्ट 180.00
हिंदी@स्वर्ग.इन : दिव्या माथुर 400.00
रोशनीवाली खिड़की : माधव कौशिक 200.00
टी.वी. में चंपा : संजय सिंह 350.00
मैं पढ़ नहीं सका : हरिकृष्ण देवसरे 180.00
गंगा तट से भूमध्यसागर तक : विद्यानिवास मिश्र, रॉफेल अरगुलॉइ 180.00
भारतीय चिंतन परंपराएँ : नए आयाम, नई दिशाएँ :
सं.-कृष्णदत्त पालीवाल 160.00
लोकतंत्र का लक्ष्य : इंद्रचंद्र शास्त्री 300.00
अन्न हैं मेरे शब्द : एकान्त श्रीवास्तव 160.00
काले कोस : प्रमोद त्रिवेदी 300.00
महाभिषग : भगवान सिंह 250.00
आदिकवि वाल्मीकि : राधावल्लभ त्रिपाठी 250.00
बहता पानी निर्मला : भागीरथ कानोडिया 400.00
भारतीय अस्मिता और दृष्टि : सं. कृष्णदत्त पालीवाल 400.00
साहित्यकार होना : गोविन्द मिश्र 250.00
उन्माद : भगवान सिंह 450.00
डॉ. अंबेडकर :अस्वीकार का साहस : कृष्णदत्त पालीवाल 450.00
इंदिरा गांधी मेरी माँ : पद्मा सचदेव 150.00
कहते कहते बात को : ज्योत्स्ना मिलन 250.00
महान रोमांचक कथाएँ : सं. रस्किन बॉण्ड 300.00
प्रेमचंद : संपूर्ण दलित कहानियाँ : सं. कमल किशोर गोयनका 500.00
पिता के पत्र पुत्री के नाम : सं. कृष्णदत्त पालीवाल 180.00
सूफी कवि बुल्लेशाह : बख्शीश सिंह 250.00
एकतीस कहानियाँ : सुदर्शन वशिष्ठ 400.00
राष्ट्रपिता : जवाहरलाल नेहरू 200.00
हिंदी-अंग्रेजी शब्दकोश : विमलेश कांति वर्मा एवं सुनन्दा वी अस्थाना 700.00
बहस में स्त्री : राधावल्लभ त्रिपाठी 160.00
समुद्र पार की विशिष्ट कहानियाँ : सं. सत्येंद्र शरत् 210.00
परत-दर-परत : देवराज 350.00
आलोचना के शिलालेख : धनंजय वर्मा 400.00
संत-महात्माओं की कहानियाँ : 'बचपन' के सौजन्य से 250.00
भाषा की राजनीति और राष्ट्रीय अस्मिता : सं. ज्ञानतोष कुमार झा 350.00
माँ के अपमान का बदला : योगेंद्र नाथ शर्मा 'अरुण' 200.00
नैमित्तिक : रमेशचंद्र शाह 320.00
अपने भीतर झाँको : दिविक रमेश 160.00
Mithila Rising : Narendra Jha 250.00

भारतीय नारी कोश : अमिताभ मिश्र 200.00
गोदान : प्रेमचंद : सं. कमलकिशोर गोयनका 600.00
नारी विमर्श की भारतीय परंपरा : सं. : कृष्णदत्त पालीवाल 300.00
सीधी बात साहित्यकारों से : लालित्य ललित 300.00
प्रभंजन : मनोज दास 250.00
चल हंसा वा देश : एकांत श्रीवास्तव 200.00
जय-जय रघुवीर समर्थ : हरिकृष्ण देवसरे 200.00
कैलासी बाबा : विभा देवसरे 150.00
तुम्हें पाकर : पुष्पा सक्सेना 250.00
क्या पूरब क्या पच्छिम! : पं. विद्यानिवास मिश्र 220.00
श्यामास्वप्न : ठाकुर जगमोहन सिंह 210.00
शरारत की सजा : शैल तिवारी 200.00
परंपरा का पुरुषार्थ : कृष्णबिहारी मिश्र 300.00
हिंदी साहित्य की प्रसिद्ध भूमिकाएँ (खंड-1) सं. : कृष्णदत्त पालीवाल 600.00
हिंदी साहित्य की प्रसिद्ध भूमिकाएँ (खंड-2) : सं. कृष्णदत्त पालीवाल 600.00
अपने-अपने राम : भगवान सिंह 500.00
भक्त नामदेव : बख्शीश सिंह 220.00
बापू और उनकी दिनचर्या : डॉ. गौरीशंकर गुप्त 250.00
अंग्रेजी राज के अधिकारियों की भूतों की कहानियाँ : सं. रस्किन बॉण्ड 250.00
ग्लोब और गुब्बारे : प्रयाग शुक्ल 200.00
मौन की अभिव्यंजना : सं. दयानिधि मिश्र 300.00
विज्ञापन और ब्रांड : संजय सिंह बघेल 450.00
छुट्कल-मुट्कल बाल कविताएँ : दिविक रमेश 180.00
खुशी खोजें स्कूल में : रमेश दवे 350.00
तुम डाल-डाल हम पात-पात : हरिकृष्ण देवसरे 180.00
रहिमन पानी राखिए : हरिकृष्ण देवसरे 200.00
राजा भोज की कहानियाँ : हरिकृष्ण देवसरे 180.00
भगवान ने चाहा तो... : गोविन्द मिश्र 220.00
गांधी पत्रकारिता के प्रतिमान : कमल किशोर गोयनका 450.00
माँ, मैं जेल में हूँ : सुरेन्द्र कुमार शर्मा 250.00
आभास रूपक (खंड-1) : प्रभात कुमार भट्टाचार्य 450.00
अद्भुत किस्से : सं. रस्किन बॉण्ड 300.00
दिल को छू लेने वाली कहानियाँ : सं. रस्किन बॉण्ड 300.00
नन्हीं चिड़िया और अन्य कहानियाँ : श्रीप्रसाद 280.00
बाल दिवस और अन्य कहानियाँ : श्री प्रसाद 280.00
बारहदरी : पद्मा सचदेव 300.00
भूतनी की चूड़ियाँ : बसंत कुमार 200.00
ईका-बीका-टीका : बसंत कुमार 200.00
भगत कबीर : बख्शीश सिंह 200.00
नक्सल : उद्भ्रांत 220.00
उन्नीस प्रतिनिधि कहानियाँ : मिथिलेश्वर 250.00
गंगा समग्र : विवेकानंद तिवारी 700.00
जीवन क्या जिया! : तारानन्द वियोगी 350.00
आलोक पंथा : कृष्ण बिहारी मिश्र 230.00
दीर्घायु जीवन और स्वस्थ शरीर : डॉ. फणि भूषण दास 600.00
श्वसन प्रणाली के रोग : डॉ. फणि भूषण दास 350.00
हिमालय में महात्मा गांधी के सिपाही :
सुन्दरलाल बहुगुणा : खडग सिंह वल्दिया 350.00
श्री नारायण गुरु : सामाजिक जागरण के अग्रदूत : पी.के. राधामणी 300.00
गोपालराम गहमरी : प्रसिद्ध जासूसी कहानियाँ : सं. : संजय कृष्ण 300.00
श्रेष्ठ भारतीय हास्य-एकांकी : चयन एवं संपादन : सत्येंद्र शरत् 450.00

किस्सा घर : सं. : अखिलेश	700.00
रचना-मीमांसा : सं. : रामजी विवारी	300.00
हिंदी विश्वकोश (खंड-1): पृथ्वी एवं भूगोल : प्र. सं. : इन्द्र नाथ चौधुरी	1600.00
स्वत्व का विलोपन : ले. : शकुन्तला दुबे	250.00
चम्पारण सत्याग्रह के सहयोगी : ले. : अरविन्द मोहन	400.00
चम्पारण सत्याग्रह की कहानी : ले. : अरविन्द मोहन	450.00
नया मानसरोवर (आठ खंडों में) ले. : प्रेमचंद संपादक-संकलनकर्ता-लिप्यंतरकर्ता : कमल किशोर गोयनका	5600.00
कुछ सत्य, कुछ सुंदर : ले. : कृष्ण कुमार	350.00
अप्रैल फूल और अन्य कहानियाँ : ले. : उषा शर्मा	350.00
हमारे देवी-देवता : ले. : राधावल्लभ त्रिपाठी	300.00
पशु, पंछी, मनुष्य और प्रकृति : ले. : कविता ए. शर्मा	500.00
भारतीय गणितज्ञ : ले. : हरिकृष्ण देवसरे	250.00
विज्ञान के रत्न : ले. : हरिकृष्ण देवसरे	260.00
भारतीय प्रतीकों का लोक : ले. : श्यामसुंदर दुबे	300.00
बिहार में शिक्षक आंदोलन के योद्धा : ले. : केदार नाथ पाण्डेय	300.00
विचारों का जनतंत्र : सं. : अखिलेश	750.00
सिक्खों का इतिहास (दो खंडों में) : ले. : बख्शीश सिंह	700.00
गांधी संचयन : सं. : प्रो. गिरीश्वर मिश्र एवं डॉ. डी.एन. प्रसाद	350.00
काशी प्रसाद जायवसाल संचयन (तीन खंडों में) : सं. : रतन लाल	1250.00
मन का सुख : योगेन्द्र नाथ शर्मा 'अरुण'	300.00
झारखंड का इतिहास : शत्रुघ्न कुमार पाण्डेय	450.00
रामायणकालीन संस्कृति : ले. : शांतिकुमार नानूराम व्यास	550.00
रामायणकालीन समाज : ले. : शांतिकुमार नानूराम व्यास	550.00
दलित साहित्य विमर्श : ले. : कृष्णदत्त पालीवाल	300.00
कर्मभूमि : ले. : प्रेमचंद सं. कमल किशोर गोयनका	600.00
भारतीय आधुनिकता की तलाश : ले. : रमेश चन्द्र शाह	320.00
यान : ले. : एस.एल. भैरप्पा	500.00
साहित्य में अनामंत्रित : ले. : अभय कुमार दुबे	650.00
Gems of Hindi Poetry : Kuldip Salil	450.00
हिंदी विश्वकोश (खंड-2) : गणित : प्र.सं. : इन्द्र नाथ चौधुरी	3500.00
कविता और संवेदना : विजय बहादुर सिंह	400.00
कहानीकार जैनेन्द्र कुमार : पुनर्विचार : मधुरेश	350.00
मंदिर... गाँव किनारे : गोविंद मिश्र	270.00
नावें, समुद्र और जहाज : राजेन्द्र उपाध्याय	400.00
काशी प्रसाद जायसवाल :संस्मरण... : सं. रतन लाल	450.00
गांधी जी : स्मृति लेखों का आलोक : सं. कृष्णदत्त पालीवाल	350.00
गांधी जी : स्वाधीनता संग्राम के सगोतिया : सं. कृष्णदत्त पालीवाल	300.00
वृद्धावस्था और स्वास्थ्य की समस्याएँ : फणि भूषण दास	300.00
हृदय और हृदयावरण : फणि भूषण दास	350.00
साहित्यालोचन : डॉ. श्यामसुंदर दास	300.00
जायसी ग्रंथावली : सं. आचार्य रामचंद्र शुक्ल	500.00
हमारा कलंक : गांधी जी	300.00
गांधी अभिनंदन ग्रंथ : सं. सर्वपल्ली राधाकृष्णन्	400.00
मलयालम की प्रतिनिधि कविताएँ : सुधांशु चतुर्वेदी	300.00
प्रार्थना प्रवचन (खंड-1) : सं. सर्वपल्ली राधाकृष्णन्	400.00
प्रार्थना प्रवचन (खंड-2) : सं. सर्वपल्ली राधाकृष्णन्	350.00
आलोचना का उत्तर आधुनिक विमर्श : सं. कृष्णदत्त पालीवाल	400.00
हिंदी विश्वकोश (खंड-3) : विज्ञान : प्र.सं. : इन्द्र नाथ चौधुरी	4200.00
रंगभूमि : सं. : कमल किशोर गोयनका	700.00
गांधी जी की छत्रछाया में : 999	400.00
जीवन शैली : ले. डॉ. फणि भूषण दास	400.00

An Accelerated Language Learning Tool
Learner's Hindi-English Thematic Visual Dictionary
[An Active Vocabulary Builder]

हिंदी – अंग्रेजी शब्दकोश

BEST SELLER

■

Vimlesh Kanti Verma
Sunanda V Asthana

Rs. 700 (HB) 500 (PB)

About the Dictionary

Hindi is considered as key to understanding India- her people and culture. 'Learner's Hindi-English Thematic Visual Dictionary' is a language-learning tool designed for accelerated language learning. It is aimed at the unique needs of those learners of Hindi at the elementary and intermediate level who know English. The thematic classification and visual illustrations used extensively in this dictionary make language learning easier and more effective. This dictionary is also an active vocabulary builder, which will help students converse in Hindi. This dictionary will help learners in understanding the lexical strength of Hindi and her semantic fineness.

Arvind Word Power: English-Hindi *by Arvind Kumar*

A Ready Reference English-Hindi tool Dictionary, Thesaurus & Encyclopedia

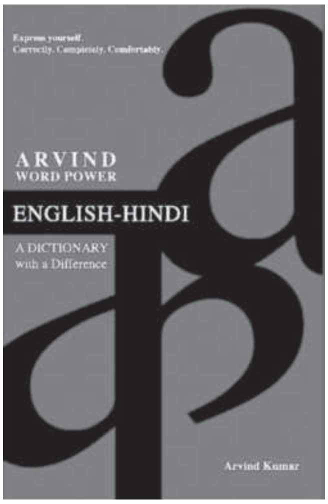

- Meanings in English and Hindi side-by-side
- Synonyms and antonyms in English and Hindi
- Linkages to similar and opposite concepts
- 982 subjects, 1360 pages, 6,70,000+ words

Totally India-centric

- Indian customs, ceremonies, rites and rituals
- Indian philosophies, doctrines, legends, folklore and Gods
- People, incidents and happenings important to Indians

Rs. 595/-

The Penguin English-Hindi/Hindi-English Thesaurus & Dictionary by Arvind Kumar & Kusum Kumar

4-in-1 reference tool

English	⇨	**English**
English	⇨	**Hindi**
Hindi	⇨	**Hindi**
Hindi	⇨	**English**

- Three volumes; 3000+ pages
- 5,48,330 expressions thematically arranged under 988 word groups
- Synonyms and antonyms in English and Hindi side by side
- Word search in English and Hindi
- Covers language in its entirety
- Provides a complete understanding of Indian culture

Rs. 3,999/-

BEST SELLER

गांधी साहित्य

गांधी जी : स्मृति लेखों का आलोक : कृष्णदत्त पालीवाल
200.00 (PB), 350.00 (HB)

गांधी जी : स्वाधीनता संग्राम की सगोतिया : कृष्णदत्त पालीवाल
175.00 (PB), 300.00 (HB)

दक्षिण अफ्रीका के सत्याग्रह का इतिहास : गांधीजी 200.00 (PB), 300.00 (HB)

बापू की कारावास-कहानी : डॉ. सुशीला नैयर 300.00 (PB)

गांधी साहित्य : मेरे समकालीन : सं. विष्णु प्रभाकर 250.00 (PB), 300.00 (HB)

महात्मा गांधी के पत्र जवाहरलाल नेहरू के नाम : सं. कृष्णदत्त पालीवाल 90.00 (PB)

चंपारण सत्याग्रह की कहानी : अरविंद मोहन 250.00 (PB), 450.00 (HB)

चंपारण सत्याग्रह के सहयोगी : अरविंद मोहन 250.00 (PB), 400.00 (HB)

सत्य के प्रयोग अथवा आत्मकथा (चित्रों सहित) : गांधी जी 400.00 (HB)

आत्मकथा (संपूर्ण) : गांधीजी 150.00 (PB) 150.00 (HB)

आत्मकथा (संक्षिप्त) : गांधीजी 80.00 (PB)

गांधी : एक जीवनी : बी. आर. नंदा 175.00 (PB)

गांधी की कहानी : लुई फिशर 150.00 (PB) 200.00 (HB)

सबके बापू : बाबूराव जोशी 45.00 (PB)

राष्ट्रपिता : जवाहरलाल नेहरू 120.00 (PB) 200.00 (HB)

गांधीजी का जीवन-प्रभात : सं. अशोक 50.00 (PB)

बापू : घनश्याम दास बिड़ला 65.00 (PB)

महात्मा की छाया में : सं.-इला रमेश भट्ट 100.00 (PB) 180.00 (HB)

बापू हमारे साथ : रीमा नाणावटी 60.00 (PB)

बापू और उनकी दिनचर्या : सं. : डॉ. गौरीशंकर गुप्त 150.00 (PB), 250(HB)

गांधी संचयन : सं. प्रो. गिरीश्वर मिश्र एवं डॉ. डी.एन. प्रसाद
150.00 (PB), 350 (HB)

धर्म-नीति : महात्मा गांधी 100.00 (PB)

गीता-बोध : गांधीजी 50.00 (PB)

गीता की महिमा : गांधीजी 45.00 (PB)

गीता-माता : गांधीजी 150.00 (PB)

अनासक्ति योग : गांधीजी 100.00 (PB)

मंगल प्रभात : गांधीजी 45.00 (PB)

बापू की सीख : गांधीजी 40.00 (PB)

सर्वोदय : गांधीजी 40.00 (PB)

गांधीजी ने कहा था : गांधीजी 60.00 (PB)

हिंद स्वराज : गांधीजी 70.00 (PB)

स्वराज्य का अर्थ : गांधीजी 45.00 (PB)

गांधी विचार दोहन : किशोरलाल घ. मशरूवाला 100.00 (PB)

गांधीजी के सिद्धांत : नयी पीढ़ी की दृष्टि : गुणवंत शाह 35.00 (PB)

महात्मा गांधी : सहस्राब्द का महानायक : सं. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
150.00 (PB) 300.00 (HB)

हिंद स्वराज : गांधी का शब्द अवतार : गिरिराज किशोर
170.00 (PB) 300.00 (HB)

अहिंसा का अमोघ अस्त्र : सं. : यशपाल जैन 40.00 (PB)

हिंद स्वराज का सच : कनक तिवारी 125.00 (PB), 200.00 (HB)

गांधी पत्रकारिता के प्रतिमान : ले. : कमल किशोर गोयनका
250.00 (PB), 450 (HB)

अछूत मतवाद के सच : गांधी और अंबेडकर : डॉ. विवेकानंद तिवारी
300.00 (PB), 500 (HB)

गांधी दर्शन 45.00 (PB)

सत्य और धर्म 45.00 (PB)

अहिंसा और क्षमा 45.00 (PB)

ब्रह्मचर्य और आत्मसंयम 45.00 (PB)

अस्वाद और रस-लालसा 45.00 (PB)

अस्तेय और आत्म-तोष 45.00 (PB)

अपरिग्रह और अनासक्ति 45.00 (PB)

आत्मविश्वास और अभय 45.00 (PB)

सर्वधर्म समभाव 45.00 (PB)

शरीर-श्रम और कार्य-साधना 45.00 (PB)

अस्पृश्यता-निवारण 45.00 (PB)

स्वदेशी और राष्ट्रचेतना 45.00 (PB)

गांधी आख्यान माला (दो भाग) प्रति सेट मूल्य : 300.00 (PB)

गांधी शिक्षा (भाग 1) : 60.00 (PB)

गांधी शिक्षा (भाग 2) : 60.00 (PB)

गांधी शिक्षा (भाग 3) : 60.00 (PB)

बापू का पथ 60.00 (PB)

हमारा कलंक 175.00 (PB), 300.00 (HB)

गांधी अभिनंदन ग्रंथ 250.00 (PB), 400.00 (HB)

गांधी जी की 150वीं जयंती के अवसर पर हमारे आगामी प्रकाशन

शिक्षा ऐसी हो : गांधी जी

प्रार्थना प्रवचन : गांधी जी

स्वदेशी और ग्रामोद्योग : गांधी जी

गांधी जी और गौ-सेवा : यशवंत महादेव पारनेरकर

पर्यावरण, स्वच्छता और गांधी : विवेकानंद तिवारी

देश सेवकों के संस्मरण : गांधी जी

गांधी जी और उनके सपने : वियोगी हरि

गांधी जी की देन : डॉ. राजेन्द्र प्रसाद

ग्रामसेवा : गांधी जी

आज का विचार : गांधी जी

हमारे समय में गांधी : कृष्णदत्त पालीवाल

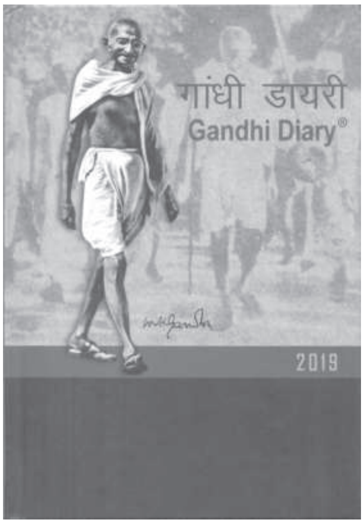

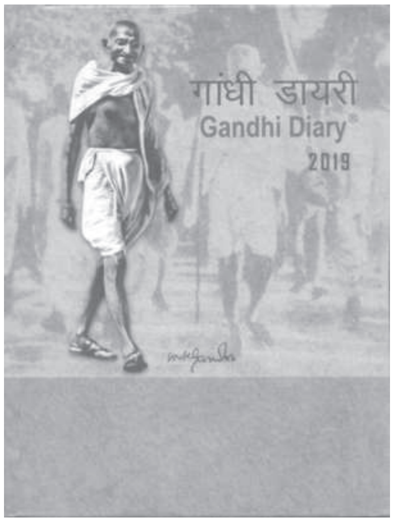

Regular Diary

6”×8.5”

मूल्य : 170/-

Executive Diary

7”×9.5”

मूल्य : 230/-

विगत 69 वर्षों से निरंतर प्रकाशित एवं समाज के सभी वर्गों में लोकप्रिय इस डायरी के प्रत्येक पृष्ठ पर गांधी जी द्वारा बोला या लिखा गया एक नीति-वाक्य प्रकाशित किया गया है। सभी व्रत-त्योहारों के विवरण और तिथियों सहित यह घर में रखने लायक एक छोटा सा पंचांग भी है।

गांधी डायरी एवं पुस्तकें प्राप्त करने के लिए अपना आदेश निम्न पते पर भेजें -

सस्ता साहित्य मण्डल प्रकाशन

एन-77, पहली मंजिल, कनॉट सर्कस, नई दिल्ली-110001
फोन : 011-23310505, 41523565; टेलीफैक्स : 011-23310505
Visit us at : www.sastasahityamandal.org;
E-mail : sastasahityamandal@gmail.com

शाखा

कमला सदन, पटना साइंस कॉलेज के सामने,
अशोक राजपथ, पटना-800 006 (बिहार)
फोन : 0612-2678025
E-mail : patnasastasahityamandal@gmail.com